श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी 02:42
उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 19 जुलाई 2025
वर्ष 6, अंक 239, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

विशेष मामलों के लिए नई अदालतें करें स्थापित 12

उचित समय पर करूंगा भारत की यात्रा : ओली 14

...नये अवतार की ज़द्दोजहद

जीवन का हर कदम एक जद्दोजहद है।
यही जीवन है वरना जीवन का अर्थ क्या।
हौसला बुलंद हो तो सफलता कदम चूमती है।

गंगा तट पर दिखा आस्था का महासागर

श्रावण मास पर हरिद्वार में हर की पैड़ी पर हजारों शिवभक्त एकत्र हुए। श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया और भगवान शिव को अर्पित करने को गंगाजल ले गए। हाथों में रंग-बिरंगी कांवड़ लिए भक्त वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। **अमृत विचार**

बिना डरे महिलाओं को बनाएं सशक्त

भागवत बोले- महिलाओं को रूढिवादी रीति-रिवाजों से मुक्त किया जाना चाहिए

पुणे, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है और उन्हें (महिलाओं को) रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि महिलाएं किसी भी समाज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि एक पुरुष अपनी मृत्यु तक काम करता है। एक महिला भी अंत तक काम करती है, लेकिन उससे भी आगे वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। एक महिला के प्यार और स्नेह के तले बच्चे बढ़ते और परिपक्व होते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने महिलाओं को कुछ अतिरिक्त गुण दिए हैं, जिससे वे वह काम कर सकती हैं, जो पुरुष नहीं कर सकते। साथ ही, ईश्वर ने महिलाओं को वे सभी गुण दिए हैं, जो उन्होंने पुरुषों को दिए हैं, जिसके कारण वे वह सब कुछ कर सकती हैं, जो पुरुष कर सकते हैं। भागवत ने कहा कि इसलिए पुरुषों का यह दावा करना मूर्खता है कि वे महिलाओं का उत्थान करेंगे।

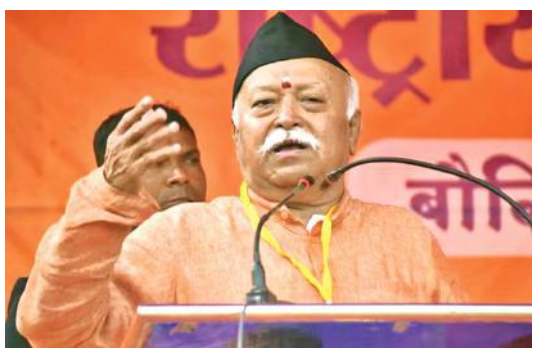

- सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी के कार्यक्रम को किया संबोधित

अहंकार का कोई आधार नहीं

उन्होंने कहा कि इस तरह के अहंकार का कोई आधार नहीं है। महिलाओं को वह करने दें, जो वे करना चाहती हैं। बस उन्हें सशक्त बनाएं और उन्हें रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त करें। जब एक महिला खुद का उत्थान करती है, तो वह पूरे समाज को ऊपर उठाती है।" आरएसएस प्रमुख ने महिलाओं को सशक्त एवं मजबूत बनाने में उद्योगवर्धिनी के योगदान की सराहना भी की।

प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बहुत अहम

आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि देश की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज से महिलाओं को बिना किसी भय या नियंत्रण के अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने की स्वतंत्रता देने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि पुरुष महिलाओं को डरा-धमका कर उन पर अनुशासन थोप सकते हैं और अस्थायी रूप से उनमें अच्छी आदतें भी डाल सकते हैं, लेकिन अगर आप सचमुच चाहते हैं कि महिलाएं सशक्त हों आपको उन्हें पुरानी परंपराओं की जंजीरों से मुक्त करना होगा और उन्हें फलने-फूलने का अवसर प्रदान करना होगा। राष्ट्रीय विकास में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविक प्रगति के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। आरएसएस प्रमुख ने दुनिया में नकारात्मकता होने के बावजूद आशा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बुरी चीज़ों से 40 गुना ज्यादा अच्छी चीज़ें हैं। चिंता करने के बदले हमें सकारात्मक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जैसे एक बीज से पेड़ बनता है और उस पेड़ से और ज्यादा बीज बनता है।

दिल्ली में सितंबर में होगा क्लाउड सीडिंग का परीक्षण: पर्यावरण मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में कृत्रिम बारिश कराने और वायु प्रदूषण के स्तर में कमी लाने के लिए सितंबर में पहला 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पहले 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण जुलाई की शुरुआत में किया जाना था। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे से प्राप्त जानकारी से यह संकेत मिलने के बाद इसे टाल दिया गया था कि जुलाई में मौसम की स्थिति प्रभावी 'क्लाउड सीडिंग' के लिए अनुकूल नहीं होगी। इसके बाद परीक्षण के लिए सितंबर का महीना चुना गया, जो मानसून के चलते 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण के लिए अधिक उपयुक्त परिस्थितियां उपलब्ध कराता है।

- आईएमडी, आईआईटी कानपुर और आईआईटीएम पुणे से मिले संकेत के बाद जुलाई में होने वाला परीक्षण टाल दिया गया था

दिल्ली सरकार ने इस पायलट परियोजना के लिए 3.21 करोड़ आवंटित किए हैं, जिसका नेतृत्व आईआईटी-कानपुर का एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग कर रहा है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने परीक्षणों के लिए परिचालन मंजूरी दे दी है। विमान को 'क्लाउड सीडिंग' उपकरणों से लैस कर दिया गया है और इसके चालक दल के पास सभी आवश्यक लाइसेंस एवं प्रमाणपत्र हैं।

सिरसा ने स्पष्ट किया कि विमान निषिद्ध क्षेत्रों में उड़ान से बचेंगे और विमानन सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करते हुए पूरी प्रक्रिया के दौरान कोई हवाई फोटोग्राफी नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, हमने सभी आवश्यक अनुमतियां हासिल कर ली हैं और विमान पूरी तरह से तैयार है। 'क्लाउड सीडिंग' अब सितंबर के पहले और दूसरे सप्ताह में होगी। आईआईटी कानपुर ने विमान में उपकरण लगाने का काम पूरा कर लिया है और हम पूर्ण रूप से तैयार हैं। परीक्षण में सेसना 206-एच विमान (वीटी-आईआईटी) का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके तहत उत्तरी दिल्ली के प्रदूषण के लिहाज से अधिक संवेदनशील क्षेत्रों-रोहिणी, बवाना, अलीपुर और बुराड़ी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के लोनी और बागपत जैसे हिस्सों में पांच उड़ानों के तहत 'क्लाउड सीडिंग' की जाएगी। सिरसा ने कहा, यह वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक हस्तक्षेप है।

पूर्व सैनिक की पत्नी व बेटी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को तेलंगाना में भूमि विवाद को लेकर सेना के एक सेवानिवृत्त मेजर जनरल की 70-वर्षीय पत्नी और उसकी बेटी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया और शिकायतकर्ता पर न्याय प्रणाली का दुरुपयोग करने के लिए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने माला चौधरी और उनकी बेटी पुट्टागुंटा रेवती चौधरी की याचिका का तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लापरवाही से निपटारा करने के दृष्टिकोण को बिल्कुल नपा तुला और लापरवाहीपूर्ण करार दिया। शीर्ष अदालत ने कहा, हाईकोर्ट ने अपीलकर्ताओं द्वारा दायर याचिका को कूट तरीके से निपटाते हुए, जैसा कि संकेत दिया गया था, पूर्णतया रूढिवादी दृष्टिकोण अपनाया... यहां तक कि मामले के गुण-दोष पर भी विचार नहीं किया। पीठ ने हाईकोर्ट द्वारा प्राथमिकी रद्द करने की याचिका को खारिज करने पर भी नाराजगी जताई।

असाध्य रोग वाले कैदियों की रिहाई को एक नियम जरूरी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि जेल नियम राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं और उन्हें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई के लिए एक समान नियम बनाने चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित या 70 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों के एक समूह को जेल से रिहा करने का अनुरोध किया गया था।

केंद्र ने दावा किया कि इस मुद्दे पर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा चुकी है और यह रिकॉर्ड में मौजूद है। हालांकि, पीठ ने कहा, अंततः, जेल नियम सभी राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं। सभी राज्यों को एक समान जेल नियम बनाना होगा, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई पर विचार किया जाना चाहिए। केंद्र की ओर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सरकार असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों को लेकर चिंतित है और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एसओपी में ऐसे कैदियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई है।

- केंद्र का दावा- एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार, यह रिकॉर्ड में मौजूद

सरकार ने कहा कि राज्य या केंद्र शासित प्रदेश आम माफी के तहत ऐसे कैदियों की रिहाई पर भी विचार कर सकते हैं। पीठ ने दुरुपयोग की संभावना को चिह्नित करते हुए कहा कि ऐसे कैदियों और रिहाई के लाभ के हकदार लोगों के इलाज के मानक पर दिशानिर्देश होने चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने नालसा की मानक संचालन प्रक्रिया का हवाला दिया और कहा, हमने परिभाषित किया है कि किसे असाध्य रूप से बीमार कैदियों की श्रेणी में रखा जाना चाहिए और इसे संबंधित जेल के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

इस पर पीठ ने टिप्पणी की, चिह्नित करना अलग बात है, लेकिन प्रमाणीकरण ही असली समस्या है। इसके दुरुपयोग की बहुत संभावना है। भाटी ने कहा कि केंद्र की मानक संचालन प्रक्रिया में इसके लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने की बात कही गई है। दिल्ली सरकार की ओर से भी पेश हुए विधि अधिकारी ने कहा कि एक कैदी 1985 से दमा (अस्थमा) से पीड़ित है। नालसा के वकील ने कहा कि केरल में 94 वर्षीय कैदी है। पीठ ने उन कैदियों पर भी विचार-विमर्श किया जिन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी 02:42
उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 19 जुलाई 2025
वर्ष 6, अंक 239, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

विशेष मामलों के लिए नई अदालतें करें स्थापित 12

उचित समय पर करूंगा भारत की यात्रा : ओली 14

मोतिहारी में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। ● एजेंसी

पूर्वी भारत के विकास को विकसित बिहार जरूरी :मोदी

मोतिहारी, एजेंसी

- मोतिहारी में बोले प्रधानमंत्री राजद ने हड़पी गरीबों की जमीन
- राज्य की उपेक्षा के लिए विपक्षी गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर करारा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि उसने नौकरियों के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए यह आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत के विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने नया नारा दिया, बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार। उन्होंने कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल (राजद) गठबंधन पर गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने अतीत में राज्य की उपेक्षा के लिए विपक्षी गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार की धरती से 'ऑपरेशन सिंदूर' का संकल्प लिया था और दुनिया ने इसकी सफलता देखी है। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए कहा कि राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में सोच भी नहीं सकता, क्योंकि उन्होंने (राजद नेताओं) नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में राजद-कांग्रेस शासन के दौरान विकास कोसों दूर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी गरीबों की भलाई के बारे में नहीं सोचा। केवल गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़ों के नाम पर राजनीति की।

युवाओं को देंगे अधिक रोजगार के मौके

युवाओं के लिए और अधिक अवसरों का वादा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश भर में नौकरियां और रोजगार के अवसर मुहैया करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। मोदी ने यह भी कहा कि पूर्वी भारत के समग्र विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले 45 दिन में, सरकार ने बिहार में 24,000 स्वयं सहायता समूहों के लिए 1,000 करोड़ जारी किए हैं। देश में 1.5 करोड़ लखपति दीदियों में से 20 लाख राज्य में हैं।

विकास में बाधक है टीएमसी सरकार

दुर्गापुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकार को राज्य में निवेश रोजगार और विकास की राह में बाधक दीवार बताते हुए कहा कि टीएमसी की दीवार ढहेगी तभी राज्य प्रगति के रास्ते पर बढ़ पाएगा। मोदी ने यहां एक सभा में कहा कि टीएमसी के भ्रष्टाचार, उगाही और अराजकता के कारण देश और दुनिया के निवेशक पश्चिम बंगाल में निवेश से डरते हैं। दुर्गापुर और आसनसोल में उद्योग बंद हो रहे हैं। युवाओं को रोजी रोटी के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है।

योगी की दो टूक, लातों के भूत बातों से कभी नहीं मानने वाले

भगवा गमछा पहनकर या अल्लाह बोल आगजनी करने वाले का किया पर्दाफाश

- वाराणसी में बिरसा मुंडा पर संगोष्ठी में समाज में विभेद पैदा करने वालों पर साधा निशाना
- कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट से कराना चाहते हैं जातिसंघर्ष, होगी कड़ी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जौनपुर में जबरदस्ती नियमों को ताक पर रखकर ऊंचा ताजिया बनाया गया, जो हाईटेंशन तार की चपेट में आया और तीन लोग मारे गए। फिर रास्ता जाम किया गया। पुलिस वालों ने पूछा- क्या करें? मैंने कहा- लाठी मारकर बाहर करो, क्योंकि ये लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। ऐसे लोगों को समझना होगा कि सामाजिक समरसता बनाए रखना जरूरी है।

मुख्यमंत्री दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को वसंत महिला महाविद्यालय में जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद संबोधन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दो-तीन साल पहले एक आगजनी की घटना हुई थी। तब मैंने कहा था कि यह आगजनी किसी विशेष समुदाय ने नहीं की होगी। जांच में पता चला कि आगजनी करने वाला व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से या अल्लाह निकला। ऐसे लोगों को चिह्नित कर समाज से बाहर करना होगा, तभी राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को तोड़ने का काम करते हैं, वे वही हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष को बढ़ावा देते हैं। यह वही वर्ग है, जिसने आदिवासियों को भड़काने और भारत के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।

मुख्यमंत्री योगी ने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा में न जाति का भेद है, न मत का, न सम्प्रदाय का। उन्होंने कहा कि आज कांवड़ यात्रा भक्तिभाव से चल रही है, लेकिन कुछ लोग इसे उपद्रवियों का नाम दे देते हैं। यह वही वर्ग है, जो आदिवासियों को भड़काता है। हमें इनसे सतर्क रहना होगा। योगी ने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की।

इस अवसर पर पद्मश्री अशोक भगत, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, अनिल राजभर, राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र दयालु, विधायकगण डॉ. नीलकंठ तिवारी, डॉ. अवधेश सिंह, सुशील सिंह, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनजातीय समाज सनातन परंपरा का आधार

मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। उन्होंने भगवान राम, भगवान कृष्ण, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में जनजातीय समाज के योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय आंदोलन का उत्प्रेरक बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा भारत की विरासत और धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने डबल इंजन सरकार की जनजातीय समाज के लिए किए गए विकास कार्य गिनाए।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल का बेटा चैतन्य गिरफ्तार

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। दुर्ग जिले के भिलाई शहर में चैतन्य बघेल के घर पर छापेमारी के बाद उनको धन शोधन रोधी अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। पिता-पुत्र दोनों एक ही जगह रहते हैं। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। कुछ पार्टी समर्थक भी वहां जमा थे। भूपेश बघेल ने कहा कि आज चैतन्य का जन्मदिन है।

● शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी की कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार, एक विशेष पीएमएलए अदालत ने चैतन्य को पांच दिन की ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) हिरासत में भेज दिया है। चैतन्य बघेल को धन शोधन रोधी अधिनियम की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया क्योंकि मामले में नए सबूत मिलने के बाद की गई छापेमारी के दौरान वह कथित तौर पर सहयोग नहीं कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि चैतन्य बघेल से कथित रूप से जुड़ी कंपनियों को शराब घोटाले से अर्जित लगभग 17 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई।

उत्तराखंड में भी छांगुर बाबा का नेटवर्क, एटीएस का छापा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- अवैध धर्मांतरण रैकेट से जुड़ा संदिग्ध युवक देहरादून से गिरफ्तार
- पांच लोगों पर उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता एक्ट में मामला दर्ज

अमृत विचार : देश भर में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन का उत्तराखंड कनेक्शन भी सामने आ रहा है। देहरादून में अवैध धर्मांतरण के प्रयास में 5 आरोपियों के खिलाफ उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कराया गया है। यूपी एटीएस, एसटीएफ और दून पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में देहरादून से एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गुरुवार को यूपी एटीएस ने उनसे सम्पर्क कर गोपनीय सूचनाओं का आदान-प्रदान किया था, उनके द्वारा देहरादून में एक संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी साझा करते हुए आगरा में धर्मान्तरण रैकेट के संबंध में दर्ज मुकदमे में शंकरपुर, सहसपुर (देहरादून) निवासी अब्दुल रहमान को पूछताछ हेतु हिरासत में लेने तथा अभियोग से संबंधित अन्य सूचनाओं को साझा किया गया था। अब्दुल रहमान उर्फ रूपेंद्र सिंह के संबंध में बताया गया कि वह वर्ष 2012 में धर्म परिवर्तन कर चुका था। एसएसपी के अनुसार, इस मामले में पुलिस और एसटीएफ द्वारा संदिग्ध इंस्टाग्राम आईडी की मॉनिटरिंग की गई। उत्तराखंड के रानीपोखरी क्षेत्र में एक संदिग्ध युवती की आईडी की जानकारी मिली। उक्त महिला के यूपी एटीएस द्वारा शंकरपुर सहसपुर से गिरफ्तार किए गए अब्दुल रहमान के सम्पर्क में होने की जानकारी मिली। युवती के पिता राजकुमार बजाज निवासी रानीपोखरी द्वारा भी अपनी पुत्री को धर्मान्तरण के लिए कुछ मुस्लिम युवकों व युवती द्वारा विवश करने के संबंध में एक तहरीर थाना रानीपोखरी पर दी गई, जिसके आधार पर थाना रानीपोखरी में एक अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रारंभिक जांच में युवती के उत्तर प्रदेश, गोवा तथा दिल्ली में कुछ संदिग्ध इन्स्टाग्राम आईडी से सम्पर्क में होने की जानकारी प्राप्त हुई है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने 6 नक्सली मार गिराए

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया। बस्तर क्षेत्र के आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दलों को नक्सल विरोधी अभियान पर भेजा गया था।

सुंदरराज ने बताया कि अभियान के दौरान दोपहर से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ चल रही है। अब तक तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह नक्सलियों के शव, एके-47 और एसएलआर राइफल, कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं।

अमेरिका ने टीआरएफ को घोषित किया आतंकी संगठन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

● द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी पहलगाम हमले की जिम्मेदारी

अमेरिका ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया है। टीआरएफ ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। बयान में विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह कार्रवाई पहलगाम हमला मामले में न्याय संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख पर अमल की अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अमेरिका के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि इससे पता चलता है कि भारत-अमेरिका आतंकवाद-रोधी सहयोग कितना मजबूत है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस हमले की ज़िम्मेदारी ली थी लेकिन बाद में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर उसने अपना बयान वापस ले लिया था।

लालू प्रसाद के खिलाफ कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सीबीआई के जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय से सीबीआई की प्राथमिकी रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने को कहा। शीर्ष अदालत ने मामले में यादव को स्वास्थ्य आधार पर निचली अदालत में पेशी से छूट भी प्रदान की।

जस्टिस वर्मा ने की जांच रिपोर्ट रद्द करने की मांग

नकदी मामला: सुप्रीम कोर्ट में याचिका, कहा-खुद को साबित करने का मौका नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी

महाभियोग का प्रस्ताव लाना सांसदों का विषय : मेघवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाना पूरी तरह से सांसदों का विषय है और सरकार इसमें कहीं भी शामिल नहीं है। मेघवाल ने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ नकदी जब्त होने से जुड़े आरोपों की जांच के लिए तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित आंतरिक समिति अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच समिति की उस रिपोर्ट को अमान्य ठहराने का अनुरोध करने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में कदाचार का दोषी पाया गया है।

वर्मा ने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा 8 मई को की गई, संसद से उनके खिलाफ महाभियोग चलाने का आग्रह करने वाली सिफारिश को रद्द करने की मांग की है। सरकार 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में वर्मा को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की योजना बना रही है। अपनी याचिका में, न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि जांच ने 'साक्ष्य प्रस्तुत करने की उस जिम्मेदारी को उलट दिया, जिससे उन्हें अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करनी है और उन्हें गलत साबित करना है। न्यायमूर्ति वर्मा ने आरोप लगाया कि समिति के निष्कर्ष एक पूर्वकल्पित कहानी पर आधारित थे। जांच समिति ने उन्हें पूर्ण और निष्पक्ष सुनवाई का अवसर दिए बिना ही प्रतिकूल निष्कर्ष निकाले। याचिका को सुनवाई के लिए किसी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाना है। घटना की जांच कर रही समिति की रिपोर्ट में कहा गया था कि न्यायमूर्ति वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का उस स्टोर रूम पर गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था जहां बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी और इससे उनके कदाचार का प्रमाण मिलता है जो इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए।

JPM GROUP OF INSTITUTIONS

Affiliated to Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly (MJPRU Code: 128)
Affiliated to SCERT, Lucknow (SCERT Code: 080004). Approved by NCTE, New Delhi
Affiliated to BTE, Lucknow (BTE Code: 2354) and Approved by PCI New Delhi (PCI Code: 5493)

JPM PG COLLEGE
JPM COLLEGE OF PHARMACY
JPM COLLEGE OF TEACHER'S TRAINING

Free Registration* - Upto 100% Scholarships

D.El.Ed.
₹20,000 Scholarship for All
B.El.Ed.
Upto ₹10,000 Scholarship for All
D.Pharma
B.Sc. (Bio. Tech) NEW COURSE
B.Sc. (Environmental Sc.) NEW COURSE
M.Sc. (Agriculture Hons)

ADMISSION OPEN
SESSION 2025-26

- B.Sc.(PCM/ZBC)
- B.Sc.(H.Sc.)
- BBA
- B.Com.
- M.Sc.(Chemistry/Zoology)
- M.Sc.(Human Dev.)
- BCA
- BA
- M.Sc. (H.Sc.)
- M.Sc. (Food & Nutrition)
- M.Com.
- MA
- M.Sc. (Ag) Agronomy / Animal Husbandry & Dairying / Agricultural Chemistry.
- B.Sc. (Agriculture Hons)

#T&C Apply.

100% Placement Assistance
For Eligible Candidate

Enquire Now
8899484668, 9149232322, 8057037500
www.jpmc.ac.in

Campus: Bhairpura Khajuria, Nainital Road, Bareilly (UP) 243202
City Office: City Heart Enclave, Opp. Model Town Gate, Stadium Road, Bareilly 243005 (UP)

एक नजर

आशीष बने राष्ट्रीय हनुमान दल के प्रदेश उपाध्यक्ष

बिलसंडा, अमृत विचार : हनुमान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर रोहित सिंह ने शुक्रवार को नगर निवासी अधिवक्ता आशीष सक्सेना को प्रदेश कार्यकारिणी की मुख्य इकाई में शामिल करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। इससे पहले वह प्रदेश कार्यकारिणी में विधिक सलाहकार थे। आशीष सक्सेना नगर पंचायत सभासद शालिनी सक्सेना के पति हैं। उनके मनोनयन पर नगर पंचायत अध्यक्ष डीके गुप्ता, पूर्व चेयरमैन अटल जायसवाल,वैभव सक्सेना,भाजपा अध्यक्ष संजीव मौर्य,विक्रम गंगवार,अजय जायसवाल,अमित मिश्रा, डॉ. रत्नेश गंगवार, व्यापारी नेता अवनीश जायसवाल, विक्रम नरेश जायसवाल, अवध नरेश जायसवाल, गोलू जायसवाल, योगेश जायसवाल, प्रतीक दुबे, सचिन जायसवाल, सभासद सत्यपाल राठौर, रामकिशोर प्रजापति, बाबूराम कश्यप ने बधाई दी है।

शिक्षकों ने बच्चों को निशुल्क बांटीं पुस्तकें

बीसलपुर, अमृत विचार : शिवदेई बालिका विद्यालय की शिक्षिकाओं ने आर्थिक रुप से कमजोर परिवार की छात्राओं को निशुल्क पुस्तकें वितरित की। प्रधानाचार्या पारुल गंगवार ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सर्व शिक्षा अभियान के तहत हर शहर हर गली हर घर की छात्राएं पढ़ी लिखी होनी चाहिए। छात्राओं को शिक्षित करना उद्देश्य है। इसी के तहत किताबें बांटी गई हैं। कुल 25 छात्राओं को निशुल्क पुस्तक वितरित की गई है। इस मौके पर फूलमती, कुमारी प्रियंका, मैना, जफर, ऊषा मौजूद रही।

जिपं सदस्य प्रतिनिधि समेत दो पर एफआईआर

कर्मचारियों की कलमबंद हड़ताल, कलेक्ट्रेट परिसर में जुलूस निकालकर दिया धरना, गिरफ्तारी की मांग को डीएम को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में कृषि अधिकारी से हुई अभद्रता के मामले में सदर कोतवाली में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि नितिन पाठक और उसके ड्राइवर अनमोल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। इधर, घटना के विरोध में कर्मचारी लामबंद हो गए और कलमबंद हड़ताल पर चले गए। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जुलूस निकालकर नारेबाजी की गई। इसके बाद कार्य बहिष्कार कर कर्मचारी कृषि भवन में धरने पर बैठ नारेबाजी करते रहे। फिलहाल डीएम ने 24 घंटे में गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

घटना गुरुवार को हुई थी। जिला पंचायत सभागार में बोर्ड की बैठक चल रही थी। इस दौरान खाद की किल्लत के सवाल के दौरान तनातनी बढ़ गई। इसी बीच मौके पर मौजूद जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल के एक व्यक्ति ने थप्पड़ जड़ दिया था और अभद्रता की गई थी। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए थे। इस मामले में देर शाम जिला कृषि अधिकारी की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई। जिसमें बताया कि जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में बैठक चल रही थी। इसमें डीडीओ संजय कुमार यादव, परियोजना निदेशक पवन कुमार सिंह, सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर सांगुड़ी आदि मौजूदथे। यूरिया के संबंध में चर्चा चल रही थी।

आरोप है कि दियोरिया कलां निवासी नितिन पाठक ने गाली गलौज करते हुए जान से मसरने की धमकी दी। इसी बीच नितिन पाठक का ड्राइवर बताए जा रहे अनमाले पुत्र राजेश कुमार ने नितिन पाठक के इशारे पर उन पर हमला कर दिया और मारपीट की गई। जान से मारने की धमकी दी गई। कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ लोकसेवक को कर्तव्य से रोकने के लिए चोट पहुंचाने, सरकारी कार्य में बाधा डालने, शांतिभंग करने के इरादे से जानकर अपमानित करने, हमला कर धमकाने आदि की रिपोर्ट दर्ज की है। उधर, दूसरे दिन मामला तूल पकड़ गया। अधीनस्थ कृषि सेवा संघ पीलीभीत, आत्मा कार्मिक वेलफेयर एसोसिएशन, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, जिला गन्ना विकास परिषद, जिला मिनिस्ट्रीरियल संघ कलेक्ट्रेट, विकास विभाग संघ, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद संगठन से संबंधित समस्त अंगीकृत संगठनों के कर्मचारी कृषि अधिकारी पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कलमबंद हड़ताल पर चले गए। कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में जुलूस निकालकर नारेबाजी की। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा गया। डीएम ने भी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होने का आश्वासन दिया। इसके बाद कार्यकर्ता कृषि भवन परिसर में धरने पर बैठ गए और नारेबाजी की गई। कर्मचारियों ने साफ कहा कि शुक्रवार रात तक गिरफ्तारी न हुई तो शनिवार से पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार किया जाएगा।.

..और चुप्पी साध गए अपर मुख्य अधिकारी : इस घटना के बाद बाहरी लोगों और जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों के बोर्ड बैठक में लगातार मौजूद रहने पर सवाल उठाए गए। इसे लेकर नियमों की जानकारी भी मांगी जाती रही। प्रतिनिधियों के पहुंचने को लेकर अनुमति और एजेंडे के बारे में सवाल पर कोई जवाब अपर मुख्य अधिकारी हरमीक सिंह नहीं दे सके। इसे लेकर चुप्पी साध ली गई।वही, हंगामे के दौरान अन्य जिम्मेदारों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। जिन्होंने घटना के बाद भी आरोपियों पर कोई सख्त एक्शन नहीं लिया।

कलेक्ट्रेट परिसर में जुलूस निकालकर नारेबाजी करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालयों में जाकर समर्थन की मांग करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

पूर्व नियोजित साजिश के तहत हुआ हमला

डीएम को दिए गए ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि बोर्ड बैठक में कई अधिकारी मौजूद थे। आरोपी नितिन पाठक वज्ञर्ड नंबर 32 की जिला पंचायत सदस्य स्मृति पाठक के पति हैं। जिला कृषि अधिकारी से हुई अभद्रता और हमले को पूर्व नियोजित साजिश बताया। ये भी सवाल उठाए गए कि हमला करने वाले उपरोक्त व्यक्ति किस अधिकार के तहत बैठक में उपस्थित थे। आरोपियों की गिरफ्तारी कराने की मांग की गई। ये भी कहा कि दोषियों की गिरफ्तारी न होने तक राजकीय कार्य का बहिष्कार किया जाएगा।

एक-एक कार्यालय में गए और बंद कराया काम

जिला कृषि अधिकारी से हुई अभद्रता के विरोध में लामबंद हुए कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट में जमकर नारेबाजी की। कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर में एक-एक कार्यालय में पहुंचे। वहां पर मौजूद कर्मचारियों से घटना के विरोध में समर्थन मांगा और कार्य बहिष्कार करने की अपील की गई। इस पर कर्मचारी भी एकजुट होते चले गए और दफ्तरों में कामकाज बंद कर दिया। कर्मचारियों की एकजुटता को देखते हुए जिम्मेदारों में भी खलबली मची रही और कार्रवाई का आश्वासन दिया जाता रहा।

● एक दिन पूर्व बैठक के दौरान कृषि अधिकारी से की गई थी अभद्रता, कर्मचारियों ने की गिरफ्तारी की मांग

जिला पंचायत सभागार में बोर्ड बैठक के दौरान दो व्यक्तियों द्वारा जिला कृषि अधिकारी से अभद्रता कर उन्हें धमकाया गया। इस मामले में संबंधित कृषि अधिकारी से मिली तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले में विधिक कार्रवाई कराई जा रही है। – दीपक चतुर्वेदी, सीओ सिटी

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को अपनी मांगों से जुड़ा ज्ञापन देते कर्मचारी। ● अमृत विचार

कृषि अधिकारी पर हुए हमले की घटना के बाद गरमाई राजनीति

● सपा ने भाजपा नेता नितिन पाठक के इशारे पर अधिकारी को पीटने का लगाया आरोप

सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा।

पीलीभीत, अमृत विचार: जिला पंचायत बोर्ड बैठक में कृषि अधिकारी पर हुए हमले की घटना के बाद राजनीति भी गरमा गई। समाजवादी पार्टी ने इसे लेकर मोर्चा खोल दिया है। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि भाजपा नेता नितिन पाठक के इशारे पर उनके ड्राइवर अनमोल सिंह द्वारा पीडीए समाज के सदस्य कृषि अधिकारी को पीटने की घटना की कड़ी निंदा की जाती है। यह घटना गुंडागर्दी का स्पष्ट उदाहरण है। यह व्यवहार मानसिकता को दर्शाता है।

सपा जिलाध्यक्ष आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। जगदेव सिंह जग्गा ने जिला पंचायत अध्यक्ष पति की भूमिका की भी जांच कराने की भी मांग की और यह सवाल किया कि सदन में किस नियम के तहत अनधिकृत लोग सदस्यों की जगह पर बैठते हैं? कहा कि घटना सुनियोजित लग रही है। प्रशासन से मांग की गई कि इस घटना की जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। पीड़ित अधिकारी को न्याय दिलाया जाए। साथ ही अनाधिकृत लोगों के मीटिंग मे बैठने पर रोक लगाई लगाने की भी मांग की।

एमओयू पर किए गए हस्ताक्षर, मिलेगा लाभ

बरखेड़ा, अमृत विचार : राजकीय आईटीआई में शुक्रवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राजकीय आईटीआई एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत बैंक द्वारा प्रशिक्षुओं को विभिन्न योजनाओं के लाभ दिए जाएंगे। साथ ही कॉलेज के स्टाफ को बैंक की योजनाओं के लाभ देने का समझौता किया गया। बैंक के द्वारा आईटीआई कॉलेज में पेयजल की सुविधा के लिए एक वाटर कूलर दिए जाने की भी बात कही गई। बैंक के रीजनल मैनेजर विवेक शर्मा, राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य गुंजन कुमार गुप्ता द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

गोष्ठी में किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

बरखेड़ा, अमृत विचार: बजाज हिन्दुस्थान चीनी मिल क्षेत्र के गांव माधोटांडा में मुख्यमंत्री कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गन्ना कृषक गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें किसानों को गन्ना कृषि में लागत कम करते हुए गन्ना उपज में वृद्धि कर किसानों की आमदनी दोगुना करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आगामी शरद कालीन गन्ना बुवाई में गन्ने की स्वीकृति किस्मों, गन्ना उत्पादन तकनीकी,सिंगल बेड तकनीकी द्वारा गन्ना पौध तैयार करना, गन्ना उपज एवं चीनी परता में अभिवृद्धि के लिए वैज्ञानिक सुझाव, गन्ना बुवाई की संशोधित टेंचं विधि, कार्बनिक खाद एवं रासायनिक उर्वरकों का संतुलित प्रयोग, गन्ने के साथ सह फसली खेती की जानकारी चीनी मिल एवं गन्ना विभाग द्वारा नियुक्त मास्टर ट्रेनर सुरेन्द्र पाल सिंह व कौशल कुमार द्वारा दी गई।

इस्लामनगर का बदला जाए नाम, ऐतिहासिक सांस्कृतिक पहचान को उठाए जाएं कदम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में बड़ी आबादी का इलाका है इस्लामनगर

● अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: नगर पंचायत नौगवां पकड़िया के इस्लामनगर इलाके का नाम परिवर्तन करने की मांग उठी है। अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

अखिल भारत हिंदू महासभा के युवा जिलाध्यक्ष गौरव शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को सौंपा। इसमें बताया गया कि नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में इस्लामनगर नामक क्षेत्र की प्राचीन सांस्कृतिक पहचान असंगत है। कॉलोनी की प्लाटिंग एक मुस्लिम समाज के व्यक्ति द्वारा कराई गई थी। उसी समय बिना किसी विचार-विमर्श के क्षेत्र का नाम इस्लामनगर रख दिया गया। अब क्षेत्र में हिंदू समाज की जनसंख्या बहुसंख्यक है और स्थानीय नागरिक लंबे समय से इस नाम को बदलने की मांग कर रहे हैं। कहा कि धार्मिक आधार पर स्थानों के नाम समाज में विभाजन की भावना को जन्म दे सकते हैं। ऐसे में सामाजिक समरसता और एकता बनाए रखने के लिए इस्लामनगर का नाम किसी सर्वस्वीकृत ऐतिहासिक या सांस्कृतिक नाम से बदलना आवश्यक है। कार्यकर्ताओं की ओर से ये मांग की गई कि स्थानीय जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाए और विधिक प्रक्रिया द्वारा नाम परिवर्तन की कार्यवाही शीघ्र शुरू कराई जाए। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा, जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा, जिला महामंत्री मयंक जायसवाल, आयुष सक्सेना, हिमांशु कश्यप, प्रमोद कश्यप, राहुल राठौर, अनिल कुमार, अंकुर जैसवार आदि मौजूद रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते हिंदू महासभा पदाधिकारी। ● अमृत विचार

पुलिस की मौजूदगी में होगी बोर्ड बैठक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● हंगामे के बाद हुई फजीहत पर डीएम सख्त, जिपं ने भी की तैयारी

● बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट और एक पुलिस अधिकारी भी रहेंगे मौजूद

अमृत विचार: जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में कृषि अधिकारी के साथ हुई घटना के बाद मौजूद जिम्मेदारों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो गए। इसे लेकर विरोध के बीच फजीहत भी हुई। जिसके बाद अब सख्त रुख अपनाया जाएगा। अग्रिम बैठक में किसी भी बाहरी को प्रवेश नहीं मिल सकेगा, इसके लिए पुख्ता तैयारी की जा रही है। डीएम इस मामले को लेकर खासा सख्त हैं।

जिला पंचायत सभागार में गुरुवार को हुई बोर्ड बैठक में हुआ हंगामा अभी थम नहीं सका है। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि और उसके कथित ड्राइवर की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कर्मचारी लामबंद हैं। वहीं, इस घटना के बाद बाहरी लोगों के बैठक में प्रवेश को लेकर भी नाराजगी जताई जा रही है। इसे लेकर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह सख्त हुए हैं। इसके बाद अब जिला पंचायत के अधिकारियों की ओर से भी आगे की बैठक की रूपरेखा व सुरक्षा बिंदुओं को देखते हुए खाका तैयार कराया जा रहा है। तय किया गया है कि सिटी मजिस्ट्रेट और एक पुलिस अधिकारी की बैठक में मौजूदगी रहेगी। इस दौरान बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी हरमीक सिंह ने बताया कि डीएम के निर्देश पर अग्रिम बैठकों को लेकर रणनीति बनाई गई है।

मुख्यमंत्री से की गई सख्त एक्शन लेने की मांग

सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उपाध्यक्ष राधारमण मिश्र ने भी इस मामले में मुख्यमंत्री को पत्र भेजा हे। इसमें कहा कि 17 जुलाई को जिला पंचायत की बैठक में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों के समक्ष जिला पंचायत सदस्य के साथियों द्वारा जिला कृषि अधिकारी के साथ मारपीट की गई। जिसकी संगठन निंदा करता है। ये मांग की गई कि प्रकरण में कड़ी कार्रवाई की जाए। आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो। ऐसा न होने पर सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पुष्प वर्षा कर रवाना किए गए कांवड़िये

मझोला, अमृत विचार: तहसील अमरिया क्षेत्र के ग्राम भिंडारा से तृतीय तूफानी डाक कांवड़ यात्रा सिद्धेश्वर मंदिर भिंडारा से हरिद्वार के लिए निकली। ग्राम प्रधान लालता प्रसाद समेत अन्य ग्रामीणों ने शिव भक्तों को फूल माला पहना कर रवाना कराया। बता दें कि हर की पौड़ी से गंगाजल लेकर सोमवार को भोले भक्त हरिद्वार से वापस सिद्धेश्वर मंदिर भिंडारा पहुंचेगे और जलाभिषेक करेंगे। महंत बाबा रामदास, ग्राम प्रधान लालता प्रसाद, युवा व्यापार प्रतिनिधि मंडल कपिल अग्रवाल, पूर्व नगर अध्यक्ष अजय गोयल, चंद्र प्रकाश राठौर, मंगली प्रसाद, रामवृक्ष, लाखन, रामचंद्र, नंदलाल, जसवीर, प्रदीप कुमार, नारायण लाल, ओंमकार, दिलीप वर्मा, बंटी आदि मौजूद रहे।

राधा कृष्ण मंदिर से डाक कांवड़ियों का जत्था रवाना

पीलीभीत, अमृत विचार: राधा कृष्ण मंदिर से शुक्रवार को डाक कांवड़ियों का जत्था रवाना हुआ। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने हरी झंडी दिखाकर कांवड़ियों को रवाना किया। पटका डालकर जोरदार स्वागत किया। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव, सपा नेता कैलाश यादव उर्फ़ सोनू यादव ने कांवड़ियों का सम्मान करते हुए फूलमाला पहनाई और उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का उद्देश्य श्रद्धालुओं और कांवड़ियों को सुविधा और सम्मान प्रदान करना है। इस मौके पर बसंत भारती, जवाहर लाल शर्मा, पवन गुप्ता, सतीश यादव, सोनू यादव, महेन्द्र सिंह, हरी सिंह, मोहित वर्मा, आशीष वर्मा आदि मौजूद रहे।

डाक कांवड़ियों को रवाना कराते सपा नेता राजकुमार राजू।

तराई में बाघ की दहशत

ड्रोन एक्सपर्ट को बुलाकर तलाशी जा रही बाघिन की लोकेशन, 50 से अधिक वनकर्मी भी हैं शामिल

दस टीमें, दो ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: हमला बाघिन को पकड़ने के लिए न्यूरिया क्षेत्र के गांव महेशपुर की सीमा में रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया गया है। वन अफसरों के अलावा 10 निगरानी टीम, दो ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट और दोनों प्रभागों के 50 से अधिक वनकर्मियो रेस्क्यू ऑपरेशन में लगाया गया है। संभावित स्थान पर शाम को ट्रैप एनिमल बांधकर बाघिन को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। वन अफसरों को पूरी उम्मीद है कि बाघिन को जल्द ही रेस्क्यू कर लिया जाएगा।

न्यूरिया क्षेत्र के गांव महेशपुर की सीमा में हमलावर बाघिन की सूचना मिलने के बाद वन महकमा अलर्ट हो गया था। जांच पड़ताल में गांव के पास ही एक धार्मिक स्थल से करीब 200 मीटर की दूरी पर बाघिन के ताजा पगमार्क भी मिले थे। शुक्रवार तड़के पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह भी वन अफसरों के साथ मौके पर पहुंचे। वन अफसरों ने स्थान को रेस्क्यू के लिए उपयुक्त मानते हुए यहीं बाघिन को रेस्क्यू करने की तैयारी की है। रेस्क्यू से संबंधित रेस्क्यू व्हीकल, कैप्चर केज समेत अन्य संसाधन भी मौके पर जुटा लिए गए हैं। रेस्क्यू करने वाले स्थान पर ट्रैप एनिमल बांधने से पहले उक्त स्थान पर सारी तैयारियां कर ली गई।

ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार के अलावा दुधवा टाइगर रिजर्व के ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दया को भी मौके पर बुला लिया गया है। ड्रोन एक्सपर्ट के माध्यम से बाघिन की तलाश की जा रही है। 10 टीमें बनाई गई है। इसके अलावा पीलीभीत टाइगर रिजर्व और वन एवं वन्यजीव प्रभाग के करीब 50 वनकर्मियों को लगाया गया है। इसके अलावा 15 से अधिक बाघ मित्रों को भी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल किया गया है। इधर, शाम को नदी के किनारे एक युकेलिप्टिस पेड़ से ट्रैप एनिमल को बांधकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। ट्रेंकुलाज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार समेत रेस्क्यू टीम भी मौके पहुंची हुई। वन अफसरों को उम्मीद है कि बाघिन को जल्द ही रेस्क्यू कर लिया जाएगा।

बाघिन की टोह लेते ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार। ● अमृत विचार

महेशपुर गांव की सीमा में पहुंची हमलावर बाघिन

मंडरिया गांव में महिला को निवाला बनाने वाली बाघिन गुरुवार करीब 6 बजे के आसपास न्यूरिया क्षेत्र के ही गांव महेशपुर की सीमा में खेतों से गुजरती देखी गई। मंडरिया से महेशपुर गांव की दूरी की 500 मीटर है। नई लोकेशन पर हमलावर बाघिन की सूचना मिलते ही टीमें अलर्ट हो गई। बाघिन की तलाश को महेशपुर गांव के आसपास सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान महेशपुर स्थित बेल बाबा स्थल के पीछे खकरा नदी के आसपास खेतों में बाघिन के पगमार्क ट्रेस किए गए। पग मार्कों की बारीकी से पड़ताल की गई तो यहां बाघिन के कुछ ताजा और पुराने पगमार्क पाए गए। संभावना जताई गई कि इस स्थान पर बाघिन की लगातार चहलकदमी हो रही है। उच्चाधिकारियों को भी मामले से अवगत कराया गया।

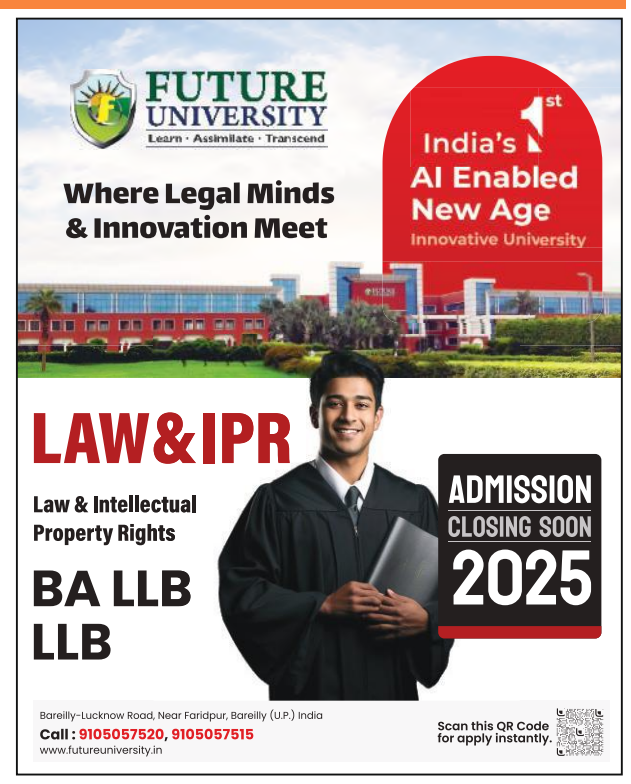

न्यूरिया क्षेत्र में ग्रामीणों की जान लेने वाली निकली बाघिन

वन अधिकारियों ने किया खुलासा: महिला की जान लेने वाली बाघिन गुरुवार शाम पहुंची गांव महेशपुर, टीम ने बाघिन के संभावित क्षेत्र में डाला डेरा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: न्यूरिया क्षेत्र में इंसानों की जान लेने वाले जिस बाघ की बात कही जा रही है, वह बाघिन निकली। शुक्रवार को वन अफसरों ने इसका खुलासा किया है। वहीं मंडरिया गांव में महिला की जान लेने वाली हमलावर बाघिन बीते गुरूवार शाम को करीब तीन किमी दूर महेशपुर गांव के नजदीक जा पहुंची। वन अफसरों की जांच पड़ताल के बाद रेस्क्यू टीम ने बाघिन को पकड़ने के लिए संभावित क्षेत्र में डेरा डाल दिया है। दोनों प्रभागों की टीम मौके पर मौजूद हैं। रेस्क्यू से संबंधित सभी संसाधन शुक्रवार सुबह ही मौके पर पहुंचा दिए गए हैं। वन अफसरों की टीम लगातार संबंधित क्षेत्र में नजर रखे हुए हैं। हालांकि सुबह से हमलावर बाघिन की कोई लोकेशन नहीं मिल सकी है। वन अफसरों का कहना है कि जिस क्षेत्र में रेस्क्यू टीम मौजूद हैं, वहां बाघिन के ताजा पगमार्क मिले हैं।

जनपद के न्यूरिया क्षेत्र में चार दिन के भीतर बाघ हमले की घटनाओं में अब दो इंसानों की मौत हो चुकी है। जबकि दो लोग गंभीर रूप घायल हुए हैं। अभी तक घटनाओं में बाघ के होने की बात कही जा रही है, मगर शुक्रवार को वन अधिकारियों ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि हमला करने वाला बाघ नहीं, बल्कि बाघिन है। बीते 14 जुलाई को न्यूरिया क्षेत्र के गांव फुलहर निवासी किसान दयाराम को बाघिन ने मार डाला था। बाघिन के हमले का सिलसिला यही नहीं थमा। बीते गुरुवार सुबह हमलावर बाघिन ने न्यूरिया क्षेत्र के ही गांव सहजनिया और मंडरिया में तीन अलग-अलग स्थानों पर हमले किए। हमले में मंडरिया निवासी कृष्णा देवी की मौत हो गई, जबकि मंडरिया निवासी किशोर नीलेश और सैजनिया निवासी मीना देवी घायल हो गए थे। मीना देवी की हालत गंभीर बनी हुई है।

गुरुवार को महज साढ़े तीन घंटे के अंतराल तीन बाघिन हमले की घटनाओं क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मंडरिया के नजदीक घटनास्थल पर बड़ी तादाद में ग्रामीण इकट्ठा हो गए थे। यहां उत्तेजित ग्रामीणों ने बाघ पकड़ने की मांग को लेकर जमकर हंगामा काटा। क्षेत्रीय विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और एसपी अभिषेक यादव आदि ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया था। बाद में 24 घंटे के अंदर बाघिन पकड़ने के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए थे। तब कहीं 3 घंटे बाद पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा था। इधर, एक दिन में तीन बाघिन हमले की घटनाओं के बाद वन महकमा भी सकते में आ गया था। मंडरिया में ग्रामीणों का आक्रोश शांत होने के बाद वन महकमे ने हमलावर बाघिन को पकड़ने को पकड़ने की कवायद तेज कर दी। रेस्क्यू टीम ने गुरुवार शाम को ही घटनास्थल के समीप ही ट्रैप एनिमल बांधकर बाघिन को पकड़ने के प्रयास किए थे। इस बीच एक बार बाघिन ट्रैप एनिमल के नजदीक भी पहुंची, मगर इसके बाद पास के गन्ने के खेत में चली गई। इसके बाद बाघिन की कोई लोकेशन नहीं मिल सकी थीं।

महेशपुर में रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टीम को निर्देश देते डीडी मनीष सिंह। ● अमृत विचार

बाघिन की तलाश को लगाए गए हाथी। ● अमृत विचार

रेस्क्यू करने वाले स्थान की ओर रेंजर सहेंद्र यादव के नेतृत्व में जाती टीम।

- **धार्मिक स्थल के पीछे खकरा नदी के नजदीक मिले ताजा पगमार्क, शुक्रवार तड़के मौके पर पहुंचे वन अफसर**
- **रेस्क्यू टीम ने हमलावर बाघिन को पकड़ने के लिए महेशपुर में बेल बाबा स्थल के पास बिछाया जाल**

डीडी ने संभाली कमान, शुक्रवार तड़के पहुंचे वन अफसर

गांव महेशपुर में हमलावर बाघिन की लोकेशन मिलने और उसके ठहराव की संभावना के चलते वन अफसर भी अलर्ट हो गए। शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके समेत वन अफसरों के साथ मौके पर पहुंचे। बाघिन के संभावित क्षेत्र की पूरी जांच पड़ताल की गई थी। जांच पड़ताल के दौरान खकरा नदी के पास बाघिन के लगातार ठहराव की संभावना के चलते वन अफसरों ने मंत्रणा के बाद संबंधित स्थान को रेस्क्यू के लिए उपयुक्त मानते हुए तैयारी शुरू कर दी। इसके बाद रेस्क्यू से संबंधित सभी संसाधन पर मौके पहुंचा दिए गए। डिप्टी डायरेक्टर ने मौके पर मौजूद दोनों प्रभागों की टीम की जिम्मेदारी तय करने के साथ अलर्ट रहने के निर्देश दिए। फिलहाल वन महकमा अब हमलावर बाघिन को इसी स्थान पर ट्रेंकुलाइज कर पकड़ने की तैयारी में जुट गया है।

"जिस स्थान पर बाघिन के ताजा पगमार्क मिले हैं, वहां रेस्क्यू करने की कार्रवाई की जा रही है। मंडरिया और महेशपुर में एक-एक ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट को लगाया गया है। इसके अलावा 10 टीमें भी लगाई गई है। सभी टीमें लगातार 24 घंटे निगरानी में रहेगी। यह टीमें ग्रामीणों को भी जागरूक करेगी कि ग्रामीण अकेले खेतों में न जाएं। बाघिन को जल्द पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

– **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

एपीसीसीएफ मौके पर पहुंचे स्थिति का लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **वन अफसरों से हमलावर बाघ के संबंध में ली जानकारी, रेस्क्यू स्थल पर भी तैयारियों को परखा**

अमृत विचार: जनपद के न्यूरिया क्षेत्र में एक दिन मे तीन-तीन बाघ हमले की घटनाओं की धमक शासन स्तर पर पहुंच गई। हालांकि स्थानीय वन अफसरों द्वारा शासन में बैठे अफसरों को पल-पल की जानकारी दी जा रही है। इधर शुक्रवार को अपर प्रधान मुख्य संरक्षक (टाइगर प्रोजेक्ट) पीलीभीत पहुंचे। उन्होंने मुख्य वन संरक्षक समेत अन्य वन अफसरों के साथ महेशपुर गांव पहुंचकर बाघ की मौजूदगी वाले संभावित स्थल का दौरा किया। वन अफसरों से बाघ के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनपद में बाघ हमले की घटनाओं का मामला पहले से ही शासन स्तर पर पहुंच चुका है। इधर बीते गुरुवार को दो गांवों में तीन अलग-अलग स्थानों पर हुई बाघ हमले की घटनाओं के बाद मामला और भी गर्म हो गया। बीते गुरुवार को शासन द्वारा बाघ हमले की घटनाओं की जानकारी ली गई थी, जिसके बाद शासन स्तर से भी हमलावर बाघिन को जल्द से जल्द पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं। इधर, शुक्रवार को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (टाइगर प्रोजेक्ट) ललित वर्मा पीलीभीत पहुंचे। उन्होंने मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह, पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रभारी फील्ड डायरेक्टर रमेश चंद्रा और डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह के साथ महेशपुर गांव पहुंचकर बाघिन की मौजूदगी वाले स्थान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वन अफसरों से हमलावर बाघ की लोकेशन आदि के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने खकरा नदी के किनारे बाघ को रेस्क्यू करने की चल रही तैयारियों का भी जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

"बाघिन को रेस्क्यू करने के संबंध में प्रोटोकॉल के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। टीमें लगी हुई है। कल बाघिन को ट्रेस भी किया गया था। हालांकि आज उसे लोकेट नहीं कर पाए हैं, जिस स्थान पर उसके मौजूद होने की संभावना है। दायरा बढ़ा दिया है। बड़े क्षेत्र को कवर किया जा रहा है। स्टाफ भी बढ़ाया गया है।

– **ललित वर्मा**, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रोजेक्ट टाइगर

बाघिन के बारे में वन अफसरों से जानकारी लेते एपीसीसीएफ ललित वर्मा।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता, घुंघचिहाई

- **परिजन ने गला दबाकर हत्या करने का लगाया आरोप**

अमृत विचार: एक विवाहिता की जनकापुर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुरालियों ने मायके वालों को जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की सूचना दी। इस पर मायके वाले पहुंचे और ससुरालियों पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर विवाहिता के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शाहजहांपुर जनपद के बंडा थाना क्षेत्र के गांव इंदलपुर निवासी लीलावती पत्नी स्व.जगदीश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने अपनी पुत्री गायत्री देवी(28) की शादी 10 वर्ष पहले घुंघचिहाई थाना क्षेत्र के गांव जनकापुर निवासी विजयपाल पुत्र लालजीत से हुई थी। आरोप है कि दामाद छिटपुट बातों को लेकर पुत्री से आए दिन झगड़ा फसाद करता रहता था। 16 जुलाई को भी उसने पुत्री के साथ झगड़ा किया था। जिसकी जानकारी कॉल कर मिली थी। इसके बाद 18 जुलाई को ससुराल वालों ने सूचना दी कि पुत्री ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली है। सूचना पर मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे तो पुत्री गायत्री देवी मृत हालत में मिली। मौके पर काफी भीड़ जमा थी और ससुरालिये भाग चुके थे। गर्दन पर चोट के निशान होने का हवाला देते हुए दामाद विजय पाल, ससुर लालजीत और सास के खिलाफ हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतका के दो बच्चे दुर्गा (6) और सचिन (4) हैं। इंस्पेक्टर घुंघचिहाई प्रकाश सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हो सकेगी। मामले की जांच कराई जा रही है।

चरस और स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार, जेल भेजा

- **माधोटांडा पुलिस ने की कार्रवाई**

पीलीभीत, अमृत विचार: गश्त के दौरान मिली सूचना पर माधोटांडा पुलिस ने एक महिला को धर दबोचा। उसके पास से अवैध चरस और बिक्री से जुड़े उपकरण बरामद हुए। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

दरोगा लोकेश कुमार ने बताया कि पुलिस बल के साथ वह गश्त पर थे। इस दौरान एक सूचना पर साइफन नहर पुल के पास दबिश दी गई। इस दौरान पुलिस ने कस्बा माधोटांडा क्षेत्र के वार्ड नंबर चार के निवासी मुनारा पत्नी नूर मोहम्मद को गिरफ्तार किया। इसके पास से 550 ग्राम चरस, 78 ग्राम स्मैक, तीन मोबाइल और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने शुक्रवार को चालान कर आरोपी को कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है।

तरणताल में ट्रायल के बाद तैराकों का किया चयन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **आज चयनित खिलाड़ी करेंगे बरेली में ट्रायल में प्रतिभाग**

अमृत विचार: खेल निदेशालय और उत्तर प्रदेश राज्य तैराकी संघ के समन्वय से वाराणसी के सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में 24 से 27 जुलाई तक राज्य स्तरीय सब जूनियर/जूनियर (बालक/बालिका) तैराकी चैम्पियनशिप कराई जाएगी। इसी को लेकर शुक्रवार शमा को गांधी स्टेडियम के तरण ताल में चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। ट्रायल के आधार पर तैराकों का चयन किया गया। जिला तैराकी संघ की अवैतनिक सचिव भावना मिश्रा ने बताया कि चयन ट्रायल में ग्रुप टू बालिका वर्ग में देवाशी कपूर, ग्रुप श्री बालक वर्ग में देव कपूर, आदित्य मौर्य, आरव रघुवंशी, ग्रुप श्री बालिका वर्ग में अश्नीत कौर का चयन किया गया। ट्रायल में चयनित तैराक शनिवार को बरेली के डोरीलाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम में मंडलीय चयन ट्रायल में भाग लेंगे। जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने तैराकों से परिचय प्राप्त किया।

तरण ताल में ट्रायल देते तैराक। ● अमृत विचार

मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने को अधिकारी ग्रामीणों को करें जागरूक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **राज्यमंत्री ने जंगल सीमा पर लगी तार फेंसिंग को दुरुस्त कराने के दिए निर्देश**
- **गांधी सभागार में जिला स्तरीय मानव वन्यजीव संघर्ष नियंत्रण समिति की हुई बैठक**

अमृत विचार: राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मानव वन्यजीव संघर्ष नियंत्रण समिति की बैठक हुई। उन्होंने अधिकारियों को जंगल सीमा से सटे अतिसंवेदनशील गांवों के ग्रामीणों को जागरूक करने और तार फेंसिंग को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

गांधी सभागार में शुक्रवार को हुई बैठक में राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए सभी अधिकारी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की वन सीमा के किनारे अतिसंवेदनशील ग्रामों के ग्रामीणों को जागरूक किया जाए। वन सीमा क्षेत्र के संवेदनशील क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाइटें लगवाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर को निर्देशित करते हुए कहा कि संवेदनशील स्थानों को चिन्हित करते हुए तार फेसिंग दुरुस्त कराई जाए। तार फेसिंग का कार्य जिस संस्था से कराया जाए। उसके टेंडर में पांच वर्ष तक तार फेंसिंग के रख-रखाव के कार्य को जोड़ा जाए।

राज्यमंत्री ने कंट्रोलरूम की स्थापना की बात कही, ताकि आबादी क्षेत्र में बाघ आदि पहुचने की सूचना प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही की जा सके। उन्होंने बताया कि बाघ की तलाश के लिए दिल्ली से अधिक देर तक उड़ने की क्षमता रखने वाला ड्रोन मंगवाया गया है। बरेली एवं दुधवा से एक्सपर्ट की टीम बुलाई गई हैं। बैठक में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव, डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह, सीडीओ राजेन्द्र कुमार श्रीवास, एडीएम ऋतु पूनिया, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, सहायक निबन्धक सहकारिता डॉ. प्रदीप कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गांधी सभागार में बैठक के दौरान निर्देश देते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार।

बिलसंडा: 85 कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार रवाना

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: नगर से शुक्रवार को डाक कावड़ लाने के लिए 85 कांवड़ियों का जत्था गाजे बाजे के साथ हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। बाइक सवार सवार होकर श्रद्धालु जल लाने के लिए रवाना हुए और 24 घंटे में वापसी कर भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे।

शिव भक्तों ने श्री निवास कुंज आश्रम पहुंचकर स्वामी जी महाराज से आशीर्वाद लिया। ठाकुरद्वारा मंदिर एवं खदनिया बाबा पर पूजा अर्चना के बाद नगर पंचायत चेयरमैन डीके गुप्ता, उनकी पत्नी अनीता गुप्ता, किराना व्यापारी राजेश गुप्ता, आकाश गुप्ता, अमन अविरल, आशुतोष गुप्ता आदि ने माथे पर रोली चंदन का तिलक लगाया और पुष्पवर्षा कर उन्हें रवाना किया।

कांवड़ियों को रवानगी से पहले उनका स्वागत करते चेयरमैन डीके गुप्ता।

कर्मचारी आवास का ताला खुलवाकर निकलवाया सामान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **ईओ आवास में संचालित सपा कार्यालय पर लगे दोनों पक्षों के ताले, अभी कार्रवाई लंबित**

अमृत विचार : नगरपालिका के ईओ आवास पर पूर्णतया कब्जा लेने की कवायद अभी अधर में है। मामला न्यायालय में भी चल रहा है। इधर, ईओ की आरे से भेजे गए पत्र पर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति नहीं हो सकी है। इन सबके बीच हाल ही में पालिका प्रशासन ने कब्जा जमाए बैठे एक कर्मचारी के रिश्तेदार का सामान ताला खुलवाकर बाहर निकाल दिया है। इस हिस्से पर पूर्णतया कब्जा नगर पालिका ने ले लिया है।

नकटादाना चौराहा पर समाजवादी पार्टी का कार्यालय ईओ आवास में संचालित हो रहा था। इसे बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पास करके 2005 में समाजवादी पार्टी को किराए पर आवंटित किया गया था। 2020 में आवंटन निरस्त होने के बाद से ही इसे खाली कराने के प्रयास शुरू हुए और अभी तक चल रहे हैं। 18 जून को नगरपालिका ने इस भवन पर कब्जा लेते हुए अपने ताले डाल दिए थे और भवन की रंगाई-पुताई कराकर ईओ आवास से जुड़े फ्लैक्स लगा दिए थे। हालांकि भवन के भीतर समाजवादी पार्टी का सामान रखा हुआ है। इस भवन पर पूर्णतया कब्जा लेने के लिए अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर मजिस्ट्रेट और फोर्स की मांग की थी, लेकिन अब तक तैनाती नहीं हो सकी है। उधर, नगरपालिका ने ईओ आवास के एक अन्य हिस्से में कर्मचारी भवन पर चल रहे कब्जे को पूर्णतया खाली करा लिया है।

नकटादाना चौराहा पर बने ईओ आवास के हिस्से से निकाला गया सामान।

प्रवेश प्रारम्भ

चन्द्रलोक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

रजऊपरसपुर (बरेली) उ.प्र.

चिकित्सा के क्षेत्र में उज्जवल भविष्य बनाने हेतु उत्तम संस्थान

- उ.प्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ एवं उ.प्र. सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
- सरकारी, अर्द्धसरकारी, सेना एवं विदेश में नौकरी के लिए मान्य
- सरकारी मानकों के अनुसार फीस एवं छात्रवृत्ति

स्थान सीमित शीघ्र प्रवेश लें

GNM (जनरल नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी)
3 Years (इंटरमीडिएट)

आयुष्मान भारत योजना एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना में नि:शुल्क इलाज

विशेष सुविधाएं

- मेडिक्लेम, बीमा योजना
- ICU वेन्टीलेटर सुविधा

सिटी ऑफिस

चन्द्रलोक हॉस्पिटल

दूरबीन विधि द्वारा

- पित्त की थैली, पित्त की नली की पथरी (Lap Chole, ERCP),
- गुर्दे, यूरेटर की पथरी (PCNL, URS)
- प्रोस्टेट (गदूद) (TURP, TURBT)
- रसौली, बांझपन की जाँच
- बबासीर, हर्निया का ऑपरेशन

- मेडिक्लेम • स्त्री एवं प्रसूति रोग
- सभी प्रकार की सर्जरी
- पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउण्ड
- ट्रॉमा, हेड इंजरी, फ्रेक्चर आदि।
- ICU, कार्डियक मॉनिटर, वेन्टिलेटर,
- हृदय, सांस, गुर्दा रोग एवं डायबिटीज

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

सम्पर्क करें-

9458882565
9410002566
8859493000

रैंकिंग में 106 पायदान लुढ़की पीलीभीत नगरपालिका

स्वच्छता सर्वेक्षण

मिली 144वीं रैंक, ब्यूटीफिकेशन और स्मार्टनेस बनाने की कवायद की धीमी रफ्तार का पड़ा असर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पिछले साल की 38वीं रैंक से सीधा 106 पायदान फिसलकर 144वें स्थान पर पहुंचना यह साफ दर्शाता है कि नगर पालिका पीलीभीत के विकास और स्वच्छता के तमाम दावे सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गए। शहर को सुंदर और स्मार्ट बनाने के लिए जो योजनाएं बनाई गई थीं, उनकी रफ्तार कछुए की चाल से भी धीमी रही। नतीजतन, स्वच्छता सर्वेक्षण में मिली रैंक ने सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। साफ-सफाई, जनसहभागिता और कचरा प्रबंधन जैसे मूलभूत बिंदुओं पर लापरवाही साफ नजर आई, जिससे रैंकिंग में तगड़ा झटका लगा है। हालांकि जिम्मेदार आगे सुधार की बात कह रहे हैं।

बता दें कि केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार रात स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग जारी की गई। जिसमें पीलीभीत नगरपालिका को प्रदेश में 144वां, जबकि देश में 210 वां स्थान मिला है। नगरपालिका की ओर से लगातार शहर में विकास कार्य कराने के दावे किए जा रहे थे। मगर इसके बाद भी लगातार रैंकिंग में सुधार होने की जगह गिरावट देखने को मिली। खास बात ये है कि वर्ष 2023 में प्रदेश में नगरपालिका को 38वां, जबकि देश में 209वां स्थान मिला था। इसी तरह वर्ष 2022 में राज्य में 24वें और देश में 165 वीं रैंक हासिल की थी, लेकिन कहीं न कहीं लापरवाही और बदतर व्यवस्था का असर स्वच्छता सर्वेक्षण में देखने को मिला।

नगरपालिका की ओर से गीले-सूखे कचरे का निस्तारण के लिए बनाए गए एमआरएफ सेंटर को शुरू ही नहीं कराया जा सका। अस्थाई डलाव घर और कचरे के ढेर से निजात नहीं मिल सकी। एफएसटीपी, अमृत योजना का शत प्रतिशत क्रियान्वयन न होना समेत कई अन्य अव्यवस्थाएं हावी रही। इसे ही रैंकिंग में गिरावट का कारण माना जा रहा है। हालांकि ओडीएफ में कुछ स्थिति ठीक रही। डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में भी ठीक अंक मिले। मगर ब्यूटीफिकेशन में शहर बदहाल सा साबित हुआ है। ब्यूटीफिकेशन के नाम पर शहर में सिर्फ अवैध होर्डिंग्स, फ्लैक्स लटके हुए हैं। इसी तरह टूटी सड़कें और बदहाल कॉलोनियां भी कहीं न कहीं रैंकिंग गिरने की वजह बने हैं। हालांकि जिम्मेदार सुधार करने की बात कह रहे हैं, ताकि आगे शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग में आगे आ सके।

एमआरएफ सेंटर में मशीनरी ठप होने के चलते मैन्युअल तरीके से कूड़ा निस्तारण करते कर्मचारी।

देवहा नदी पुल के नीचे बना एफएसटीपी प्लांट पड़ा ध्वस्त। ● अमृत विचार

● पिछले साल आई थी 38 वीं रैंक, विकास और स्वच्छता के दावे हुए पस्त

ठेका चौकी से शेर वाली मठिया को जाने वाली सड़क पड़ी सालों से जर्जर।

जहानाबाद को 93 और कलीनगर को मिले 730 अंक

स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग में इस बार तीन नगरपालिका और छह नगर पंचायत शामिल हुई थी। स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग जहां शहर पालिका को 144 वीं रैंक मिली है, वहीं जहानाबाद नगर पंचायत को 93 अंक मिले हैं, जो पूरे जिले में सर्वाधिक अंक पाने वाली नगर पंचायत बनी है। हालांकि एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले में शहर में पालिका ऊपर रही है। इसी तरह बरखेड़ा को 198 वीं, न्यूरिया हुसैनपुर को 232, बिलसंडा में 511, बीसलपुर में 691, गुलड़िया भिडारा को 710, पूरनपुर को 722 और कलीनगर को 730 प्रदेश में रैंक मिली है।

हर साल सुधरी थी रैंकिंग

स्वच्छता सर्वेक्षण में नगरपालिका पीलीभीत की स्थिति हर वर्ष सुधरती गई। वर्ष 2019 में जब स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम ने शहर का सर्वे किया था। उस दौरान 362वां स्थान प्राप्त किया था। वहीं वर्ष 2020 में 259वां और वर्ष 2021 में 188वां स्थान प्राप्त किया। इसी तरह हर साल फीडबैक के आधार पर पालिका की स्थिति में बदलाव हुआ, लेकिन इस बार सर्वेक्षण की रैंकिंग गड़बड़ा गई। 2023 में 38 वां स्थान मिला है, जबकि देश में 209 वें स्थान पर रही। वर्ष 2024 में प्रदेश में 144वीं रैंक और देश में 210 में रैंक मिली है।

एफएसटीपी प्लांट और सॉलिड वेस्ट मैनजमेंट प्लांट ने गिरा दी रैंक

नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल का कहना है कि बीते सालों से इस बार अधिक कार्य कराया गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण में रैंकिंग घटी है। इसके पीछे एफएसटीपी और सॉलिड वेस्ट मैनजमेंट प्लांट रोड़ा बना है। बाढ़ में एफएसटीपी प्लांट बहने की वजह से वह ठप पड़ा हुआ है। जिसके 600 से अधिक अंक कम हुए हैं। इसी तरह सॉलिड वेस्ट मैनजमेंट प्लांट भी शासन स्तर से रुका हुआ है। जोकि रैंकिंग कम करने का कारण बना है। पिछले सालों की तुलना अंक अधिक मिले हैं। जिन बिंदुओं पर पिछड़े हैं, उनका सुधार कराया जाएगा।

शाहजहांपुर के लिए आज से चलेगी एक और ट्रेन

पीलीभीत ,अमृत विचार: जनपद वासियों को शाहजहांपुर तक सुलभ ट्रेन की सुविधा दिलाने के लिए केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने प्रयास किए और अब इसका लाभ भी मिलेगा। पीलीभीत से चलकर शाहजहांपुर जाने के लिए नई पैसेंजर रेलगाड़ी (गाड़ी संख्या 55363/55364) का संचालन पीलीभीत से शाहजहांपुर तक दोपहर 12.10 बजे चलेगी।

पीलीभीत से शाहजहांपुर के बीच के सभी रेलवे स्टेशन प्रतापपुर, पौटा, भोपतपुर, शेरगंज, बीसलपुर, मिंघौना, चक सफौरा हॉल्ट, जींदपुरा, वजीरपुर हॉल्ट, निगोही, ढ़किया तिवारी, खिरिया खुर्द, शहबाजनगर आदि होते हुए दोपहर 12.45 बजे शाहजहांपुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन शाहजहांपुर से दोपहर 15.15 बजे चलेगी और शाम 15.35 बजे पीलीभीत पहुंचेगी। इससे पीलीभीत और शाहजहांपुर के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुगमता होगी। इस नई रेलगाड़ी का संचालन क्षेत्र के स्थानीय व्यवसायों एवं पर्यटन को भी प्रोत्साहित करने का एक माध्यम बनेगा। ट्रेन का संचालन शुरू करने के लिए 19 जुलाई को केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद बीसलपुर के मिघौना रेलवे स्टेशन पर हरी झंडी दिखाएंगे।

बाघिन के हमले में घायल महिला की हालत गंभीर, लखनऊ किया रेफर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बीते गुरुवार को सहजनिया गांव में बाघिन के हमले में घायल हुई महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। महिला को मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था। महिला की हालत में सुधार न होने पर शुक्रवार को उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया।

● **गुरुवार सुबह सहजनिया गांव में महिला पर बाघिन ने किया था हमला**

न्यूरिया क्षेत्र के गांव सहजनिया में बीते गुरूवार सुबह बाघिन ने गांव निवासी 50 वर्षीया मीना देवी पर हमला कर दिया था। महिला खेत में भिंडी तोड़ने गई थी। हमले में गंभीर रुप से घायल हुई महिला को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कर इलाज किया जा रहा था, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा था। गुरुवार रात 10 बजे के बाद अचानक घायल महिला की हालत बिगड़ने लगी। महिला की हालत में सुधार न होने पर उसे शुक्रवार करीब 10.30 बजे एंबुलेंस से लखनऊ रेफर कर दिया गया।

मेडिकल कॉलेज में एंबुलेंस से घायल महिला को लखनऊ के लिए किया जाता रवाना।

सहजनिया में फिर उठा बाघिन का शोर

पीलीभीत, अमृत विचार : एक दिन पूर्व बाघिन के हमले की दहशत के बीच शुक्रवार को सहनजिया गांव में दोबारा बाघिन के पहुंचने की जानकारी से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव वन कर्मियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान गन्ने के खेत में होने की जानकारी दी गई। टीम ने गन्ने के खेत में कॉम्बिंग भी की, लेकिन बाघिन का कहीं कोई नामोनिशान नहीं मिला। क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने बताया कि मौके पर कुछ पुराने पगमार्क मिले हैं। लोगों को अफवाह न फैलाने की चेतावनी दी गई है।

विवाहिता को किया बेघर, एसपी के आदेश पर रिपोर्ट

दियोरियाकलां, अमृत विचार : एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने पति समेत पांच ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज की है। गांव गाजना सिंधारपुर निवासी ऊषा देवी पुत्री गोवर्धन लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव पस्तोर कुंइया निवासी हरद्वारी लाल के पुत्र प्रमोद कुमार से करीब 15 साल पहले हुई थी। अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये और बाइक की मांग की गई। आरोप है कि बीते माह पति सास ससुर ननद ने मारपीट कर घर से निकाल दिया और उसकी पुत्री सुहानी को अपने पास रोक लिया। 10 जून को तीन बजे पति प्रमोद कुमार ,ससुर हरद्वारी लाल,सास फूला देवी,जेठ अक्षत कुमार, ननद सुरक्षा देवी अपने हाथों में लाठी डंडे लेकर महिला के गांव गाजना सिंधारपुर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। माता-पिता ने आकर बचाया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सार-संक्षेप

नुक्कड़ नाटक के जरिए छात्रों ने पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

पूरनपुर, अमृत विचार : शेरपुरकलां रोड पर स्थित द वर्डेट पब्लिक स्कूल के छात्रों ने शुक्रवार को पर्यावरण जागरूकता अभियान एवं वन महोत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम किए। इस दौरान नगर के स्टेशन चौराहा और अग्रसेन चौराहा पर छात्रों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। राहगीरों ने ध्यानपूर्वक बच्चों के कार्यक्रमों को देखा और सराहना की। इन नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय के एमडी असद हुसैन और प्रधानाचार्या देवेंद्र कौर ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। असद हुसैन ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां शिक्षा का हिस्सा होने के साथ ही समाजिक चेतना का भी उदाहरण हैं।

एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : एसपी के आदेश पर पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र के गांव कुरैइया के रहने वाले पीतमलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भतीजा रीतराम पड़ोस में रहता है। उसके नाती के जन्म के समय छोछक में कपड़े आए थे। जोकि उसने अपने भतीजे रीतराम को दिए। उसकी पत्नी ने कपड़े वापस कर दिए। कहा कि कपड़े क्यों वापस कर दिए हैं। इसी बात को लेकर 8 जुलाई को सुबह 10 बजे कहासुनी होने पर रीतराम व उसकी पत्नी पुष्पा देवी और उसकी मां विटोली देवी ने नन्ही देवी की पिटाई कर दी। एसपी के आदेश पर हमलावरों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

प्रधान से रंगदारी मांगने का आरोप

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर पट्टी निवासी सुरेंद्र कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी मां रामबेटी ग्राम पंचायत दौलतपुर पट्टी की वर्तमान प्रधान हैं। 16 जुलाई को एक व्यक्ति ने अपना नाम पंकज बताते हुए काल की और कहा कि तुम मनरेगा में गलत फोटो और हाजिरी डालते हो, मुझसे आकर मिलो और पांच हजार रुपये मांगते मांगे। रुपये न देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विवाहिता को पीटने की रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : बरेली जनपद के कोतवाली नवाबगंज क्षेत्र के गांव बिथरी के रहने वाले सुखलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन की शादी थाना बरखेड़ा क्षेत्र के गांव दौलतपुर पट्टी निवासी मुकेश से हुई थी। 14 जुलाई को सूचना मिलने पर वह अपनी बहन की ससुराल पहुंचा तो देखा कि उसकी बहन को उसका पति मारपीट रहा था। उसके विरोध करने पर उसके बहनोई ने उसे भी पीटा। जान से मारने की धमकी दी। जिससे उसके काफी चोटे आई हैं। उसका उपचार कस्बे में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव जिरौनिया के रहने वाले जसकरन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 10 जुलाई की रात साढ़े नौ बजे वह घर पर थे। इस दौरान उसके सगे भाई सीताराम ने गाली गलौज की। विरोध करने पर मारपीट की गई। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

सीएचसी से भागा शांतिभंग का आरोपी

पूरनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव गहलुइया के तौसीफ का गांव में विवाद हो गया। पुलिस ने उसके खिलाफ शांतिभंग की आशंका में कारवाई की। अन्य मामलों के करीब नौ आरोपियों के साथ तौसीफ को भी एसडीएम कोर्ट ले जाने से पहले मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी ले जाया गया। इस दौरान अचानक तौसीफ अस्पताल से भाग गया। होमगार्ड भी उसे पकड़ने के लिए पीछे भागा। सीएचसी से कुछ दूरी पर एक गली में होमगार्ड ने आरोपी तौसीद को पकड़ लिया। आरोपी के सीएचसी से भागने की जानकारी लगते ही खलबली मच गई। उसके बाद उसे कड़ी सुरक्षा में एसडीएम कोर्ट ले जाया गया। कोतवाल सतेंद्र कुमार ने बताया कि शांतिभंग की आशंका का आरोपी अस्पताल में ही दूसरे कमरे में जाकर बैठ गया था, भागा नहीं था।

पति समेत चार पर एफआईआर दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम जमुनिया महुआ निवासी मोतीराम राठौर की पुत्री अनीता देवी ने बताया कि उसकी शादी दो साल पहले खनंका उचसिया गांव निवासी सत्य प्रकाश राठौर के पुत्र अशोक कुमार से हुई थी। पति अशोक कुमार, ससुर सत्य प्रकाश राठौर, सास लीलावती, देवर राम शंकर लगातार मायके से एक लाख रुपये व बाइक की मांग कर रहे थे। 14 जुलाई को उसने अपनी मां तुलसी देवी, फुफेरे भाई राकेश कुमार को बातचीत के लिए बुलाया। मगर ससुरालियों ने उनसे मारपीट की।

बिलसंडा में भी कांवड़ यात्रा मार्ग पर छुट्टा पशुओं के झुंड

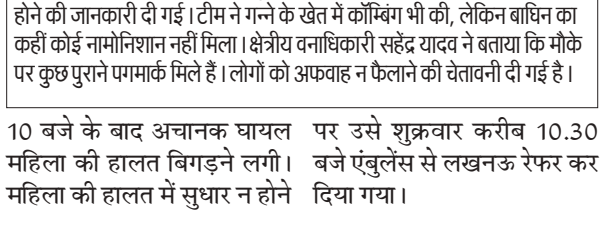

लिलहर मार्ग पर गांव बबूरा में सड़क पर छुट्टा पशुओं का झुंड।

संवाददाता, बिलसंडा

● **सोमवार को लिलहर मार्ग पर रहेगी कांवड़ियों की भीड़**

अमृत विचार: छोटी काशी के रूप में प्रख्यात गांव लिलहर स्थित भगवान नीलकंठ मंदिर में कांवड़ चढ़ाने जाने वाले रास्ते पर हर वक्त कांवड़ियों के लिए छुट्टा गोवंश खतरा बने हुए हैं। बावजूद इसके जिम्मेदारों ने इस मार्ग पर विचरण कर रहे गोवंश को पकड़वाकर गोशाला में आश्रय दिलाने की जहमत नहीं समझी।

बता दें कि दो दिन बाद सावन माह का दूसरा सोमवार है। हरिद्वार समेत अन्य गंगा घाट से जल लेकर कांवड़िए गांव लिलहर स्थित भगवान नीलकंठ मंदिर पहुंचते हैं। यहां पर भगवान नीलकंठ बाबा का जलाभिषेक करने के उपरांत ही गांव बबूरा होकर नगर में प्रवेश करते हैं। उसके बाद वह गांव सिबुआ स्थित श्री गौरी शंकर महादेव मंदिर एवं मरौरी खास स्थित मढानाथ मंदिर पर कांवड़ चढ़ाते हैं। मगर, इस मार्ग पर छुट्टा गोवंश की भरमार है। हर वक्त सड़क पर ही गोवंश के विचरण करने से कावड़ लेकर गुजरने वाले श्रद्धालुओं के लिए खतरा बने हुए हैं। शिव भक्तों ने इसका समाधान कराने की मांग की है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
8077344353
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

एक नजर

महिला सभासद का आरोप, जेई ने पकड़ा हाथ

खीरी टाउन, अमृत विचार : कस्बा निवासी एक महिला सभासद ने बिजली विभाग के जेई पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए खीरी थाने में तहरीर दी है। महिला सभासद ने पुलिस को दी गई तहरीर में लिखा है कि शुक्रवार को वह बिल जमा करने के लिए दोपहर करीब दो बजे उपकेंद्र गई थीं।वहां मौजूद जेई विमल रावत ने बुरी नीयत से हाथ पकड़ लिया। इसका विरोध करने पर जेई ने गालियां देनी शुरू कर दीं और देख लेने की धमकी देते हुए मौके से भाग गया। महिला सभासद ने मामले में कार्रवाई के लिए खीरी थाने में तहरीर दी है। उधर, जेई विमल रावत का कहना है कि बिजली विभाग से 18 कर्मचारियों को निकाला गया है, जिसमें महिला सभासद के पति का भी नाम है। अपने पति को बिजली विभाग में रखने का दबाव बनाने के लिए महिला सभासद झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगा रही हैं।

विवेचना में लापरवाही मिलने पर दरोगा निलंबित

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : पुराने एक मुकदमे की विवेचना में लापरवाही सामने आने के बाद एसपी ने विवेचक एसआई को शुक्रवार की शाम निलंबित कर दिया है। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि संसारपुर चौकी प्रभारी मोहित पुंडीर ने एक मामले की विवेचना की थी, जिसमें बड़ी लापरवाही बरती गई है। इस पर विवेचक को निलंबित कर दिया गया है। इनके स्थान पर अभी कोई तैनाती नहीं की गई है।

खाद का संकट: एक-एक बोरी के लिए मारामारी, कहां जा रही खाद

भदूरा में पुलिस के लाठीचार्ज और डीएम की सख्ती का नहीं दिखा असर, खाद ब्लैक करने का आरोप लगाकर किया हंगामा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : जिले में सैंकड़ों मीट्रिक टन खाद आने के बाद भी किसानों को एक-एक बोरी के लिए भटकना पड़ रहा है। बुधवार की शाम को भदूरा सोसाइटी पर पुलिस के लाठीचार्ज के बाद गुरुवार की शाम को फरधान क्षेत्र की साधन सहकारी समिति पिपरावां में सचिव पर खाद न देने और ब्लैक करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। समिति कर्मचारियों से नोकझोंक हुई और इस दौरान जूते चप्पल भी चले। ऐसा ही अधिकांश समितियों पर हो रहा है।

किसान सुबह से लाइन में लग जाते हैं, लेकिन शाम होने तक खाद नहीं मिल पाती और मायूस होकर उन्हें लौटना पड़ता है। आखिर लगातार खाद की रैक आने और जिले में सप्लाई होने के बाद भी खाद कहां जा रही है। इधर, डीएम की सख्ती के बाद भी कोई असर नहीं हो रहा है। एक-एक बोरी के लिए किसान परेशान हैं।

मितौली। सहकारी समिति पर खाद नहीं मिल पा रही है। बुजुर्ग किसान महिलाएं समिति के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। किसानों का आरोप है कि जब खाद होती है तो देते नहीं। अब रैक आने पर खाद देने की बात कही जा रही है। शुक्रवार को समिति पर खाद लेने आए सैंकड़ों किसान मायूस होकर लौट गए। किसान जब समिति पर पहुंचे तो उन्हें ताला लटका मिला। किसानों का आरोप है जब खाद लेने आओ तो मिल नहीं पाती है। रात में बड़े किसानों को दे दी जाती है। गरीब किसान दर-दर भटकने को मजबूर हैं। वहीं समिति पर मौजूद कर्मचारी ने बताया बुधवार को यूरिया खाद आई थी जो बंट चुकी है। अब आने पर बांटी जाएगी।

साधन सहकारी समिति मितौली पर खाद के लिए लाइन में लगे किसान। ● अमृत विचार

क्षेत्र के मीरापुर निवासी 95 वर्षीय बुजुर्ग फत्तेचंद ने बताया कई दिनों से समिति के चक्कर काट रहे हैं। यूरिया नहीं मिल रही है। आज भी लौटना पड़ेगा। बताया है कि समिति पर यूरिया नहीं है। आने पर दी जाएगी।

बुजुर्ग मेघई लाल (80) निवासी तेंदुआ ने बताया वह 10 -12 दिनों से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन खाद नहीं मिल पा रही है। गुरुवार को खाद बंटने के बाद भी नहीं मिली। आज सुबह ही आ गए, फिर भी लौटना पड़ रहा है।

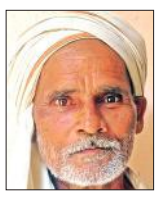

भंडेवरा निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग सुरेश कुमार कहते हैं कि वह 10 किमी दूर से आते हैं, लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पा रही। आज उम्मीद थी, लेकिन आज भी यूरिया उपलब्ध न होने के कारण लौटना पड़ रहा है।

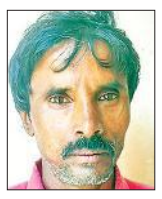

क्षेत्र के धनीपुर निवासी चंद्रपाल ने बताया कि कई दिनों से समिति के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन खाद नहीं मिल पा रही है। कहा कि बड़े किसानों को रात में बांट दी जाती है। छोटे किसान दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

● रात में बड़े किसानों को खाद देने का भी आरोप

महिला निर्मला देवी निवासी तेंदुआ ने बताया कि ससुर के साथ यूरिया खाद लेने कई बार आ चुकी हैं, लेकिन भीड़ के कारण नहीं मिल पाई। आज सुबह से लाइन में लगीं थीं, लेकिन यूरिया न होने के कारण लौटना पड़ा है।

ओयल समिति पर गोदाम में खाद वितरण व्यवस्था देखतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा। ● अमृत विचार

डीएम-एसपी ने खाद वितरण व्यवस्था देखी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जिले में खाद वितरण व्यवस्था की हकीकत परखने के लिए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने शुक्रवार को तीन वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एआरसीएस रजनीश प्रताप सिंह और विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण की शुरुआत ओयल क्षेत्र स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (बी पैक्स) पुरवा सावल समिति से की गई, जहां डीएम ने उर्वरक वितरण प्रक्रिया की जानकारी ली एवं समिति सचिव को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान खाद के स्टॉक व अभिलेखों की जांच की तथा किसानों से बात कर वितरण की वस्तुस्थिति जानी गई। इसके बाद भूलनपुर में बी पैक्स समिति का निरीक्षण किया। यहां पहले से ही एसडीएम मितौली रेनू मिश्रा मौजूद थीं। डीएम-एसपी ने समिति में खाद भंडारण, वितरण प्रणाली और अभिलेखों की स्थिति का जायजा लिया। मौके पर मौजूद किसानों से बात कर उनकी संतुष्टि की स्थिति को भी जाना। निरीक्षण के क्रम में राजापुर मंडी स्थित इफको किसान सेवा केंद्र का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर जिला प्रबंधक अरविंद कुमार द्वारा अवगत कराया कि अब तक 222 पुरुष एवं 39 महिला किसानों को टोकन वितरित किए जा चुके हैं तथा टोकन क्रम के अनुसार खाद का वितरण नियमित रूप से किया जा रहा है। डीएम ने टोकन व्यवस्था लागू कराई। कहा कि टोकन धारकों को निर्धारित मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए और किसी भी दशा में कोई भी किसान निराश न लौटे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन समिति पर खाद वितरण हो रहा है, वहां उस क्षेत्र की खाद उपलब्धता वाली निजी दुकानों की सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। लेखपाल यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अधिकृत विक्रय केंद्र समय से खुलें एवं खाद का वितरण शासन द्वारा निर्धारित दरों एवं मापदंडों के अनुसार हो।

खाद की कमी दिखाकर किसानों को लूट रहे प्राइवेट दुकानदार

धौरहरा। तहसील क्षेत्र के धौरहरा कस्बे सहित जंगलवाली, सुजईकुंड़ा, गुदरिया, सुजानपुर, नैनापुर, कलुआकोट, रमियाबेहड़ आदि समितियों पर यूरिया खाद आते ही खत्म हो जाती है। यूरिया लेने के लिए किसानों को लंबी कतारों में लगकर अपने नंबर का इंतजार करना पड़ता है। किसानों को इस समय धान, केला और गन्ना आदि की फसलों यूरिया की जरूरत है। इसी का फायदा उठाकर खाद की कमी दिखाते हुए कफारा गांव का एक प्राइवेट दुकानदार 400 रुपये बोरी यूरिया एक पैकेट जिंक 50 रुपये वाला थमाकर किसानों को ठग रहा है। ऊपर से खाद महंगी आ रही है। यह प्रमाणित करने के लिए उन्हें फर्जी रसीद थमा रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत एसडीएम शशिकांत मणि सहित उच्च अधिकारियों से की है। एसडीएम शशिकांत मणि ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

यूरिया के लिए रोज लग रही किसानों की भीड़

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : कृषक भारती कोऑपरेटिव लि की दुकान पर कुछ दिन पूर्व भीड़ के कारण हंगामा हो गया था, तो प्रशासन ने विकास खंड कुंभी के कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी थी, तबसे किसान सुबह पांच बजे से लाइन में लग जाते हैं। पहले दिन उन्हें टोकन दिया जाता है, खाद का वितरण टोकन पर दूसरे दिन किया जाता है। सिर्फ एक दुकान पर खाद होने के कारण किसान तपती धूप और गर्मी में खड़े रहने को विवश हैं।

वैसे तो नगर और आसपास के गांवों में कई प्राइवेट यूरिया खाद बनाने वाली कंपनियों के डीलर और दुकानदार हैं, किंतु उनके पास कई महीनों से यूरिया नहीं है, जो जांच का विषय है। सहकारी समितियों पर जो थोड़ी बहुत यूरिया आई थी वह उधार में सदस्य किसानों को बांट दी गई, किंतु पर्याप्त यूरिया न मिलने से किसानों की गन्ने और रबी की फसल चौपट हो रही हैं।

भल्लिया बुजुर्ग समिति पर पुलिस की मौजूदगी में बंटी यूरिया

केशवापुर, अमृत विचार : सदर ब्लाक की ग्राम पंचायत भल्लिया बुजुर्ग स्थित बहुउद्देश्यीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (वी पैक्स) में पुलिस की निगरानी में यूरिया वितरण हुआ। सुबह से ही किसानों ने लाइनों में लगकर अपनी बारी का इंतजार कर अंगूठा लगाकर जरूरत के हिसाब से यूरिया खरीद की। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ समिति के सचिव प्रबलदीप अवस्थी किसानों की सहूलियत के लिए प्रयासरत रहे। सचिव ने बताया कि 550 बोरी यूरिया खाद मिली थी, शाम तक वितरण किया गया।

नेपाल के शैलेश्वरी धाम आज रवाना होगा जत्था

पलियाकलां, अमृत विचार : आध्यात्मिक श्रीकुल सेवा संस्थान (श्री पीठ) पलिया कलां के संस्थापक आचार्य गोविंद माधव मिश्र शनिवार को प्रातः संस्थान के अनेक पदाधिकारियों, सेवादारों एवं श्री भक्तों के साथ नेपाल के जिला डोटी की पहाड़ियों पर स्थित श्रीपीठ माता शैलेश्वरी देवी के धाम में साप्ताहिक प्रवास के लिए प्रस्थान करेंगे। संस्थान के सचिव पं. धनेंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि महाराज श्री की देखरेख में संस्थान के आचार्य वहां श्री भक्तों की सुख -समृद्धि के लिए हवन आदि का आयोजन करेंगे। उधर, माता शैलेश्वरी धाम विकास क्षेत्र समिति के अध्यक्ष पंडित प्रेम शंकर भट्ट ने आने वाले श्री भक्तों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए सीडीओ, कैलाली, नेपाल आदि को पत्र भेजकर सुरक्षा और सहयोग प्रदान किए जाने को कहा है।

यूपी बोर्ड: 5 अगस्त तक भरे जाएंगे फार्म

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : अगले साल यानि 2026 में होने वाली बोर्ड परीक्षा के लिए छात्र-छात्राओं के व्यक्तिगत और संस्थागत आवेदन फार्म पांच अगस्त तक भरे जाएंगे। इसके लिए बोर्ड ने कार्यक्रम भी जारी कर दिया है।

जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के 310 राजकीय, वित्तविहीन व असहायता प्राप्त विद्यालय हैं। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की अगले साल यानि वर्ष 2026 में होने वाली बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले संस्थागत और व्यक्तिगत विद्यार्थी पांच अगस्त तक आवेदन फार्म भर सकेंगे।

डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि संस्थागत विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक ही आवेदन फार्म जमा कर सकेंगे। हाईस्कूल के संस्थागत परीक्षार्थियों को 500.75 रुपये और इंटरमीडिएट परीक्षार्थियों को 600.75 रुपये बोर्ड परीक्षा का शुल्क जमा करना होगा। जबकि हाईस्कूल के व्यक्तिगत परीक्षार्थी 706 एवं इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों को 806 रुपये शुल्क जमा करना होगा। व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के लिए प्रधानाचार्यों को वेबसाइट से आवेदन प्रारूप को डाउनलोड कर शैक्षिक आहर्ता के साक्ष्यों सहित परीक्षा शुल्क अग्रसारण केंद्र पर नकद जमा करना होगा।

निर्धारित कार्यक्रम एवं तिथि

- प्रवेश एवं पंजीकरण की अंतिम तिथि- पांच अगस्त
- एममुश्त चालान जमा करने की अंतिम तिथि-10 अगस्त
- विवरण वेबसाइट पर अपलोड करना-16 अगस्त
- 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ एक मुश्त चालान जमा करने की अंतिम तिथि- 16 अगस्त
- विलंब शुल्क के साथ शैक्षिक विवरण वेब साइट पर अपलोड करने की अंतिम तिथि- 20 अगस्त

● जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के 310 राजकीय, वित्तविहीन और असहायता प्राप्त हैं विद्यालय

● हाईस्कूल के संस्थागत परीक्षार्थियों को 500.75 रुपये व इंटर के परीक्षार्थियों को 600.75 रुपये जमा करना होगा

छात्रों से लिए गए शुल्क की पांच कॉपियां तैयार करनी होंगी। दो कोषागार में एक प्रति डीआईओएस कार्यालय और एक नामावली के साथ बोर्ड को भेजी जाएगी। इसके अलावा एक प्रति विद्यालय में सुरक्षित रखनी होगी।

-विनोद कुमार मिश्रा, डीआईओएस।

आईटीआई में 19-24 तक होंगे दूसरे चरण के प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। इसके तहत 19 जुलाई से 24 जुलाई तक ही प्रवेश होंगे।

राजापुर स्थित आईटीआई के शिक्षक विनोद कुमार ने बताया कि प्रवेश लेने के लिए सभी चयनित अभ्यर्थी अपने मूल अभिलेखों और उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियां, जिसमें चयनित पत्र, जाति, निवास, आधार, दो फोटो आदि के साथ संबंधित आईटीआई में उपस्थित होकर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर लें।

उन्होंने बताया कि जिन छात्रों का चयन आईटीआई लखीमपुर एवं धौरहरा के लिए हुआ है। उनकी प्रवेश प्रक्रिया राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान लखीमपुर खीरी में होगी। मगर, चंदनचौकी, मोहम्मदी, कुम्भी एवं निघासन के लिए चयनित अभ्यर्थी संबंधित संस्थानों में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करवा लें। अभ्यर्थी अपना चयन परिणाम परिषद की वेबसाइट की लॉगिन आईडी पर क्लिक कर पंजीकरण संख्या व जन्मतिथि अंकित कर देख सकते हैं। इसके लिए आईटीआई में प्रवेश के लिए जिन अभ्यार्थियों का चयन हुआ है उनके मोबाइल पर भी परिषद से मैसेज भेजकर सूचना भेजी गई है।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी
BTE CODE - 2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानानकार बहेड़ी, बरेली
DSR PUBLIC SCHOOL
Approved By - CBSE BOARD (NEW DELHI)
Affiliation No : 2132019 (NC to XIIth)
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

किसानों पर लाठी चार्ज करने वाले पुलिस कर्मियों पर हो रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : भारतीय किसान संगठन के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष घनश्याम यादव के नेतृत्व में तमाम कार्यकर्ता शुक्रवार को डीएम कार्यालय पहुंचे और थाना फरधान क्षेत्र में किसानों पर की गई लाठी चार्ज पर रोष जताया। दोषी पुलिस वालों पर एफआईआर दर्ज कर निलंबित करने समेत कई अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा।

कार्यवाहक जिलाध्यक्ष घनश्याम यादव ने कहा कि थाना फरधान के क्षेत्र में भादूरा समिति पर किसानों पर पुलिस ने बिना कारण बर्बरतापूर्वक लाठी चार्ज किया, जबकि किसान अपने हक की बात कर रहे थे। दोषी पुलिस कर्मियों को तत्काल निलंबित किया जाए और कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रदेश सचिव कामिल उस्मानी ने कहा कि पुलिस ने महिलाओं के साथ में भी बर्बरता दिखाई है। जनता के रक्षक ही जनता के भक्षक बन रहे हैं। ज्ञापन में बर्बरता करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित करने और जिले एवं प्रदेश में खाद की किल्लत को तत्काल दूर कर कालाबाजारी पर अंकुश लगाने की मांग की है।

लखनऊ मंडल अध्यक्ष सद्दाम रहमानी ने कहा कि जो किसान देश का पेट भरता है वही किसान जब अपना हक मांगता है तो पुलिस लाठियां बरसाती है। प्रदेश सचिव कृष्ण कुमार दीक्षित ने कहा यह सरकार किसानों के साथ हमेशा सौतेला बर्ताव करती रही है। कहा कि यदि उनकी मांगे नहीं मानी गईं तो भारतीय किसान संगठन चक्का जाम कर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसका जिम्मेदार जिला प्रशासन होगा। इस दौरान जगदीश दीक्षित,, मुन्ना अली एडवोकेट, शराफत अली शिवम सैनी, शैलेश शर्मा, मनजीत मौर्य, विनीत राज, मुकेश कश्यप, अवध राम यादव, छुटकन राज, रामचंद्र राज, रामखेलावन यादव आदि मौजूद रहे।

डीएम को ज्ञापन देने जाते भारतीय किसान संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता।

● भाकिसं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

लेखपाल और पुलिस की निगरानी में बांटी यूरिया

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचार : पलिया ब्लॉक की संपूर्णानगर साधन सहकारी गोदाम पर शुक्रवार को यूरिया का वितरण लेखपाल की मौजूदगी और पुलिस की निगरानी में हुआ।

खाद लेने के लिए सुबह से लेकर शाम तक किसानों का समिति पर जमावड़ा रहा। खाद को लेकर मची मारामारी का देखते हुए शुक्रवार को समिति पर लेखपाल अजय कुमार ने पुलिस की मौजूदगी में किसानों को यूरिया वितरित की। निजी दुकानों पर यूरिया न होने की वजह से साधन सहकारी समिति से लेकर गन्ना सोसाइटी पर किसानों की भीड़ उमड़ रही है। लेखपाल की मौजूदगी में किसानों को चेकबुक पर खाद दी गई। हालांकि इस दौरान कुछ लोगों को चेक जमा करने के बाद भी यूरिया नहीं मिल सकी। उधर, आधार फीडिंग मशीन का सर्वर का डाउन होना भी किसानों के लिए मुसीबत बन गया। सरवर न आने की वजह से तमाम किसान बिना खाद लिए ही शाम को खाली हाथ घर वापस लौटने को मजबूर हो गए।

ALNA Group of Institutions
Bring Out the Best in you
ADMISSION OPEN 2025-26
COURSE OFFERED
BAMS B.Sc. Nur. B.Tech.
B.Pharma GNM M.Tech.
D. Pharma Polytechnic M.B.A.
B.B.A. B.C.A.
CALL US: 8937002800/8937002805
Campus : 13.5 Km. Bareilly-Delhi Highway,
Near Rubber Factory, Agras Road, Bareilly U.P. (243501)

होमगार्ड पर मारपीट का आरोप

पलियाकलां, अमृत विचार: अपनी बहन के घर साइकिल से जा रहे एक ग्रामीण ने गांव के एक होमगार्ड पर मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगा उच्चाधिकारियों को शिकायत भेजी है। तहसील क्षेत्र के गांव गुलरा भगवन्त नगर निवासी रामचेला गुरुवार को साइकिल से बहन के घर जा रहा था। पीड़ित का कहना है कि रास्ते में होमगार्ड ऋषि कुमार ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। उसने विरोध किया, तो होमगार्ड ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। पीड़ित ने होमगार्ड कमांडेंट से लेकर थाना मझगईं और पुलिस अधीक्षक को शिकायती प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। इस बाबत होमगार्ड के कम्पनी कमांडर सलीम ने बताया कि शिकायत मिलने पर जांच कराकर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई होगी।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वालों में एक गिरफ्तार

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार : कस्बे के सिंगाही रोड पर केंद्र और प्रदेश सरकार में नौकरी देने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भड़ाफोड़ हुआ है। एसडीएम ने सेंटर पर छापा मारकर तमाम दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है।

एसडीएम राजीव निगम ने बताया कि बरेली की एक छात्रा ने शिकायत की थी कि भारत सरकार की मोहर लगाकर एक व्यक्ति प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र दे रह है। इस प्रमाण पत्र में मोहर से लेकर कई अन्य स्पेलिंग गलत थीं। शक के आधार पर एसडीएम ने छापेमारी की और वहां पर भारत और केंद्र सरकार में नौकरी देने का झांसा चल रहा था। इस स्कैम में 26 बच्चों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। एक अभिभावक ने बताया कि सचिवालय, स्वास्थ्य विभाग, विकास विभाग आदि में नौकरी देने का प्रलोभन दिया जाता था।

एसडीएम ने स्वयं सारे केबिन को खंगालकर सारे कागज एकत्रत किए और पुलिस के अलावा शिक्षा विभाग को फोन किया। शिक्षा विभाग से आए रविकुमार, प्रदीप और अखिलेश ने मौके से मिले लैपटॉप, सरकारी मोहर वाली फाइल, असली छात्रों के प्रमाणपत्र आदि बरामद कर सील किए गए हैं। एसडीएम ने इंस्पेक्टर महेश चंद को बुलाकर पढ़ुआ थाने के गांव हथियाबोझ निवासी अभिषेक को हिरासत में लिया है।

मौके पर छानबीन करते एसडीएम राजीव निगम। ● अमृत विचार

मौके पर मिले अभिलेखों को सील करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

● तहसील गेट के सामने चल रहा था फर्जीवाड़ा

मामले में आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। मामला फर्जी है। जांच के बाद कार्यवाही की जाएगी।

-राजीव निगम, एसडीएम

एसएसबी डीआईजी ने घोला बॉर्डर पर परखी सुरक्षा व्यवस्था

महंगापुर, अमृत विचार: सशस्त्र सीमा बल एसएसबी के डीआईजी डीबी सोनार इंडो नेपाल बॉर्डर नेपाल सीमा पर स्थित घोला बॉर्डर व एसएसबी घोला चौकी का शुक्रवार को निरीक्षण किया। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा व्यस्था के साथ जवानों की तैनाती व आवागमन पर निगरानी प्राणाली का सूक्षम मूल्यांकन किया।

डीआईजी डीबी. सोनार ने सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के साथ परिचालनात्मक तैयारियों व जवानों की तैनाती, आवागमन पर निगरानी प्रणाली का सूक्ष्म मूल्यांकन किया। चौकी पर तैनात जवानों से सीधा संवाद कर उनकी ड्यूटी संबंधी अनुभव सुझाव व चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की। जवानों की प्रतिबद्धता, अनुशासन एवं सतर्कता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने सीमाओं की सुरक्षा के प्रति एसएसबी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एसएसबी जवान सीमाओं पर देश के पहले रक्षक हैं और उनकी सजग उपस्थिति ही राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाती है। इस दौरान 39वीं वाहिनी के उप कमांडेंट विजयेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

27 जुलाई को 36 केंद्रों पर होगा आरओ-एआरओ का पेपर

परीक्षा में शामिल होंगे 14880 अभ्यर्थी, जिला प्रशासन दुरुस्त करा रहा परीक्षा संबंधी तैयारियां

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) की परीक्षा 27 जुलाई को होगी। इसमें 14,880 महिला एवं पुरुष अभ्यर्थी शामिल होंगे। इनके लिए जिले के 36 विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं।

डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि परीक्षा एक पाली में सुबह 9:30 बजे शुरू होकर दोपहर 12:30 बजे तक चलेगी। सभी केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक और स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। परीक्षा कराने के लिए केंद्र व्यवस्थापक राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य या वरिष्ठ शिक्षकों को बनाया गया है, जबकि कक्ष निरीक्षक प्रशिक्षित शिक्षकों को ही बनाया जाएगा। सभी केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ-साथ नोडल अधिकारी भी निगरानी रखेंगे।

डीआईओएस ने बताया कि परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस के पर्यवेक्षक दल सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे।

डीआईओएस कार्यालय लखीमपुर।

- गड़बड़ी रोकने के लिए मोबाइल सचल दल रहेंगे सक्रिय

निर्धारित परीक्षा केंद्र

1. लखीमपुर : जीआईसी, जीजीआईसी, डीएस इंटर कॉलेज, पीके इंटर कॉलेज, गुरुनानक इंटर कॉलेज, स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज, अबुल कलाम आजाद गर्ल्स इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, कृषक समाज इंटर कॉलेज फतेपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड, जिला पंचायत इंटर कॉलेज कालाआम, वाईडी कॉलेज, अजमानी इंटरनेशनल स्कूल, डान बास्को कॉलेज, इस्लामियां इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज, लॉ माटीना स्कूल, पॉल इंटरनेशनल स्कूल, हरिमाया इंटरनेशनल स्कूल अंदेशनगर, आर्य कन्या महाविद्यालय, सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल, ग्रीन फील्ड एकेडमी महेवागंज, अजमानी पब्लिक स्कूल, सीबी सिंह गौड़ मेमोरियल स्कूल, चिल्ड्रेन्स एकेडमी मीरपुर, राजकीय पॉलीटेक्निक। 2. देवकली : आदर्श जनता इंटर कॉलेज। 3. ओयल : युवराज दत्त इंटर कॉलेज। 4. फरधान- किसान इंटर कॉलेज। 5. लगुचा- जनता इंटर कॉलेज। 6. गोला-पब्लिक इंटर कॉलेज, सीजीएनपीजी कॉलेज, कृषक समाज इंटर कॉलेज, श्रीगुरुनानक इंटर कॉलेज। 7. कस्ता-जिला पंचायत इंटर कॉलेज। 8. मितौली-राजा लोने सिंह इंटर कॉलेज।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए मोबाइल सचल दल भी सक्रिय रहेंगे, जो केंद्रों पर औचक निरीक्षण करेंगे। प्रत्येक केंद्र पर परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक पहचान की व्यवस्था की जा रही है। डीआईओएस ने केंद्र प्रभारियों को अभ्यर्थियों को पेयजल, शौचालय के अलावा अन्य मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

बाबा गौरीशंकर मंदिर का होगा कायाकल्प

बेहजम ,अमृत विचार: कस्बा स्थित प्राचीन बाबा गौरीशंकर मंदिर का कायाकल्प होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी ने एक करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। इससे क्षेत्रीय आस्था के केंद्र को विशेष पहचान मिलेगी। लि मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर कस्बा बेहजम में पौराणिक बाबा गौरी शंकर का मंदिर है। इसका इतिहास भी बेहद रोचक है। शिवमंदिर आसपास के लोगों में ही नहीं, बल्कि जिले भर के लोगों के लिए यह आस्था का प्रमुख केंद्र है। पिछले दिनों बाबा गौरीशंकर मंदिर का कायाकल्प कराने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। इस पर मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर को पर्यटन विकास के तहत विकसित करने के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। क्षेत्रीय विधायक सौरभ सिंह सोनू ने इस पर मुख्यमंत्री योगी का आभार व्यक्त कर कहा कि इससे न सिर्फ मंदिर का सौंदर्यीकरण और सुविधाओं का विस्तार होगा, बल्कि क्षेत्र का आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास भी मजबूत होगा।

10 दिनों में गोकसी की हो गईं दो घटनाएं

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना ने डीएम आफिस में दिया ज्ञापन

अमृत विचार: धार्मिक नगरी छोटी काशी में थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव नगरा सलेमपुर इमलिया के पास गन्ने के खेत में 10 दिन में दो बार हुई गोकशी की घटनाओं से आहत राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के पदाधिकारियों ने डीएम के नाम उनके कार्यालय में ज्ञापन देकर दोषी कसाइयों पर कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के जिला उपाध्यक्ष अनूप गुप्ता के नेत्त्व में दिये गये ज्ञापन में हिंदूवादी संगठनों ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि बीते दिनों एक गोवंश की गन्ने के खेत में हत्या कर दी गई थी। 10 दिन के भीतर ही पुनः एक घटना को अंजाम दिया गया।

अनूप गुप्ता ने पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित से फोन पर संपर्क किया तो डॉक्टर ने कहा कि उन्हें हैदराबाद पुलिस ने फोन कर गोकशी की सूचना दी थी। टीम द्वारा मृत गोवंश का सैंपल लिया गया और उसको मथुरा पशु चिकित्सा विज्ञान

डीएम आफिस में ज्ञापन देते पदाधिकारी।

विश्वविद्यालय जांच के लिए भेजा गया है। अनूप गुप्ता का कहना है कि पुलिस प्रशासन दोषियों पर सख्ती से कार्रवाई करें तभी गोकशी की घटना बंद होगी।

ज्ञापन देते समय मोहित राठौड़, विकास सोनी, अंकित हिंदू, रवि, जीतू, ऋषि गुप्ता, राहुल गुप्ता, प्रशांत, दीपचंद गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, शिवकुमार, नीरज तिवारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवैध खनन में लिप्त दो ट्रैक्टर-ट्राली पकड़ीं

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त दो ट्रैक्टर-ट्रालियां पकड़कर पुलिस थाने तो लाई, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय उनमें भरी थोड़ी मिट्टी गिरवा कर छोड़ दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मझगईं क्षेत्र में इन दिनों अवैध खनन को लेकर एक बार फिर पुलिस की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। शुक्रवार सुबह थाने के एक एसआई ने दो मिट्टी लदी ट्रैक्टर-ट्रालियों को चौखड़ा फार्म रोड से पकड़कर थाने में खड़ा कराया, लेकिन चंद मिनटों में ही मिट्टी गिरवाकर उन्हें छोड़ दिया गया। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे मामला गरमा गया है। वायरल वीडियो में दरोगा जी को ट्रैक्टर चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस व कागजात पूछते हुए सुना जा सकता है। वीडियो वायरल होते ही पुलिस पर मिलीभगत के आरोप लगने लगे हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि मझगईं क्षेत्र सहित त्रिलोकपुर, बम्हनपुर, बल्लीपुर, मुर्गाहा आदि गांवों में रात-दिन मिट्टी और बालू से लदी ट्रैक्टर-ट्रालियां बेरोकटोक चल रही हैं, लेकिन पुलिस को यह सब दिखाई नहीं देता।

थाना प्रभारी राजू राव ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोई ट्रैक्टर-ट्राली पकड़ कर थाने में नहीं लाई गई थी। थाने में हो रहे कीचड़ को भरने के लिए मिट्टी मंगाई थी, जिसे दो जगह डलवाया गया है। वीडियो वायरल हो रहे हैं वे फर्जी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस और खनन माफियाओं की मिलीभगत से क्षेत्र में अवैध खनन जोरों पर है, जिससे सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है। लोग प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

थाने में पकड़कर खड़ी कराई गई ट्रैक्टर-ट्राली। ● अमृत विचार

- वीडियो वायरल होते ही पुलिस पर लग रहे मिलीभगत के आरोप

विनोद बने समाजवादी पार्टी मजदूर सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

विनोद कुमार वर्मा का स्वागत करते राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री राहुल निगम वारसी।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित दारुल सफा बी ब्लॉक के कॉमन हाल (विधायक निवास) में समाजवादी मजदूर सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री राहुल निगम वारसी ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अनुमति, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की सहमति से लखीमपुर जनपद निवासी विनोद कुमार वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नामित करते हुए माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दीं।

विनोद कुमार वर्मा पूर्व में समाजवादी पार्टी की राज्य कमेटी में सदस्य सचिव आदि दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। वह गन्ना संघ लखनऊ के पूर्व सदस्य भी रहे हैं।

गोला रवाना हुआ कांवड़ियों का जत्था

कांवड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ जाता कांवड़ियों का जत्था। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बौधिया कला से ग्यारहवीं कांवड़ यात्रा गोला गोकर्णनाथ के लिए शुक्रवार को रवाना हो गई। यह जत्था सोमवार को गोला पहुंचकर भोलेनाथ का जलाभिषेक करेगा।

कांवड़ियों की यात्रा का कार्यक्रम तय है। शनिवार को कुकरा जंगल

- मंगलवार को शारदा नगर में बालाजी के दर्शन के बाद लौटेंगे

में विश्राम करेंगे। इसके बाद गोला गोकर्णनाथ में जलाभिषेक करेंगे। मंगलवार को शारदा नगर में बालाजी के दर्शन के बाद गांव वापस लौटेंगे। कांवड़ यात्रा को विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल रहे, जिन्होंने गांव से तीन किलोमीटर दूर तक जाकर जत्थे को विदा किया। ग्रामीणों ने बम बम भोले के जयकारों के साथ कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाया। कांवड़ यात्रा में पूर्व प्रधान यशपाल सिंह, उपेन्द्र कुमार, कृष्ण कुमार, बलराम, ओमकार गुप्ता, सोहनलाल, शिवकुमार, परधानू उर्फ सुरेन्द्र कुमार यादव, अंकुर सिंह और उमाशंकर अवस्थी समेत 250 कांवड़िया शामिल हैं।

यूरिया को लेकर भारतीय किसान संघ ने निकाला जुलूस

संवाददाता, निघासन

- नारेबाजी करते तहसील पहुंचे कार्यकर्ता, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: यूरिया की किल्लत को देखते हुए भारतीय किसान संघ ने शुक्रवार को नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला। इसके बाद एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। साथ ही जिले के भदूरा की समिति पर खाद लेने गए किसानों पर लाठीचार्ज का भी विरोध किया गया। अभाकिम और भाकियू कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध करते हुए यूरिया की किल्लत जल्द दूर न करने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

गुरुवार को भदूरा में सोसायदी पर खाद के लिए लाइन में लगे किसानों पर पुलिस के लाठीचार्ज से किसान संगठनों में भारी रोष है। गुरुवार को अभाकिम के जिला सचिव रंजीत सिंह के नेतृत्व में किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर खाद की तत्काल व्यवस्था कराने की मांग की। उन्होंने जल्द समाधान न होने पर भाकियू (टिकैत) के साथ तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने की बात कही है। भाकिसं के जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर मौर्य ने गणेश प्रसाद आदि किसानों के साथ एसडीएम को ज्ञापन देकर जिले में यूरिया और अन्य उर्वरकों की बेहद खराब आपूर्ति ठीक कराने की मांग की। उन्होंने जिले में उर्वरक मूल्य स्थिर न होने, पर्याप्त स्टाक न दिखाने और कालाबाजारी की वजह से संकट पैदा होने का आरोप लगाया है।

लकड़कट्टों और वनकर्मियों का गठजोड़ तोड़ पाना कठिन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- वन कर्मियों की मिलीभगत से होता है चोरी छुपे अवैध कटान

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क की बेलरायां वनरेंज के कुछ कर्मचारियों और लकड़कट्टों के बीच चला आ रहा गठजोड़ बेशकीमती पेड़ों पर भारी पड़ रहा है। लकड़कट्टे वेश कीमती पेड़ों का चोरी छुपे कटान कर लकड़ी दूसरे जिलों और महानगरों को भेजते हैं। वन अफसरों के लिए यह गठजोड़ तोड़ पाना आसान नहीं है।

दुधवा नेशनल पार्क की बेलरायां रेंज क्षेत्र में बेशकीमती साल और सागौन की लकड़ी का अवैध कटान लंबे समय से चल रहा है। वन विभाग के अफसर स्थानीय कुछ कर्मचारियों की संलिप्ता के कारण इसे रोक पाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। बेलरायां वन रेंज के दुधवा गेट से लेकर वन चौकी भैरमपुर क्षेत्र में लकड़ी का कटान जोरों पर होता है। बताते हैं लकड़ी माफिया काटकर लाई गई लकड़ी को लखीमपुर शहर के साथ ही बहराइच, लखनऊ, सीतापुर, बरेली आदि जगह ले जाकर महंगे दामों पर बिक्री करते चले आ रहे हैं। लकड़कट्टों और कुछ वन कर्मचारियों का गठजोड़ इस कदर हावी है कि आला अफसर सूचना पर कोई कार्रवाई की योजना बनाते हैं तो इसकी भनक पहले ही लकड़कट्टों को लग जाती है।

भैरमपुर में लकड़ी बरामदगी में केस दर्ज, एक गिरफ्तार

बुधवार को दुधवा नेशनल पार्क के प्रभागीय वनाधिकारी बेलरायां दीपक कुमार पाण्डेय ने छापा मारकर खेत से बड़ी संख्या में जंगल से काटकर लाए गए सागौन के बोटे बरामद किए थे। बेलरायां पार्क रेंज में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर वन विभाग ने गांव भैरमपुर निवासी मिश्री लाल चौहान को गिरफ्तार किया है।

लकड़ी बरामद होने के मामले में बेलरायां वन रेंज कार्यालय पर केस दर्ज कर भैरमपुर निवासी आरोपी मिश्रीलाल निवासी भैरमपुर को गिरफ्तार किया है। प्रकाश में आए अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जांच चल रही है। अगर की विभागीय कर्मचारी की संलिप्ता मिलती है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।-**जगदीश आर**, डिप्टी डायरेक्टर, दुधवा नेशनल पार्क

संविलियन स्कूल के शौचालय गेट पर उगी घास

धौरहरा ,अमृत विचार: विकास खंड के टॉपरपुरवा संविलियन स्कूल के शौचालय में गंदगी का अंबार है। शौचालय के बाहर उगी घास बच्चों के लिए खतरा बन रही है।

विकास खंड के अमेठी के मजरा गांव टॉपरपुरवा संविलियन स्कूल टॉपरपुरवा में बच्चों के लिए बना शौचालय काफी गंदा है। शौचालय के बाहर झाड़ियों में जंगली जीव जंतु छिपे होने से बच्चों की जान का खतरा बना हुआ है। सहायक अध्यापक लक्ष्मी कांत ने बताया सफाई कर्मचारी न होने से काफी दिक्कत हो रही है। ग्राम प्रधान जुगुल किशोर ने बताया गांव में सफाई कर्मचारी की नियुक्ति नहीं है, इसलिए सफाई की समस्या रहती है।

युवती से छेड़छाड़ कर रहे शोहदों ने पुलिस पर की फायरिंग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- एसआई की तहरीर पर तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: खीरी थाना क्षेत्र के ओयल कस्बे में लगे दसवां मेला में युवती से छेड़छाड़ कर रहे तीन युवकों ने पुलिस पर तमंचे से फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि पुलिसकर्मी बच गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एसआई अजय कुमार सिंह ने बताया कि वह दसवां मेले की सुरक्षा व्यवस्था में गांव जुलाहनपुरवां मजरा मोतीपुर में शांति व्यवस्था ड्यूटी में थे। बुधवार की रात करीब 12.30 बजे मेले से जुलाहनपुरवा जाने वाले रास्ते में हो हल्ला सुनाई दिया। वह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तो पता चला कुछ युवक किसी युवती के साथ छेड़खानी कर रहे हैं। इसी का विरोध अन्य मेला देखने वाले लोग करते हुए उन लड़कों को पकड़ना चाहते थे। वह टीम के साथ जब घटना स्थल पर पहुंचे तो तीन लड़के अपने हाथों में देशी तमंचा लिए हुए थे और जनता को धमकाते हुए मेले से बाहर की तरफ जाना चाहते थे।

पुलिस को अपनी तरफ आता देख तीनों आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इससे मेले में अफरा-तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भाग कर छिपने लगे। इसी का फायदा उठाकर तीनों आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ भागने में सफल रहे। थाना खीरी पुलिस ने पहचान करने के बाद सुफियान निवासी महराजनगर, दीपक कश्यप निवासी राजाजीपुरम और गुलफाम निवासी महराजनगर कोतवाली सदर के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया है।

मिठाई खाने से बीमार हुए बच्चे

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नौरंगाबाद रोड पर स्थित एक दुकान से खरीदी गई मिठाई खाकर कुछ बच्चे बीमार पड़ गए। इसकी वजह दूषित मिठाई का सेवन करना था। उपभोक्ता की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने शुक्रवार को दुकान पर छापेमारी कर मिठाई का सैंपल भरकर जांच के लिए लखनऊ भेजा है।

शहर के मोहल्ला हिदायतनगर निवासी मोहम्मद उमर ने बताया कि गुरुवार को शहपुरा कोठी के निकट नौरंगाबाद रोड पर स्थित एक मिठाई की दुकान से चॉकलेट वाली मिठाई खरीदकर गोटैया बाग निवासी एक मित्र के यहां लेकर गया था। चॉकलेट फ्लेवर होने के कारण बच्चों को काफी पसंद आई। मिठाई देने के बाद हम तो घर चले आए, लेकिन रात में अचानक मोहम्मद शोएब की नौ वर्षीय पुत्री आयशा, सात वर्षीय पुत्र हाशिर और पांच वर्षीय पुत्री हफ्सा के पेट में दर्द होना शुरू हो गया।

दर्द बर्दाश्त न होने पर तीनों बच्चों को एक निजी अस्पताल लेकर गए। वहां पर डॉक्टर ने फूड प्वाइजनिंग होना बताया। घर वालों का कहना है कि मिठाई देखकर ऐसा लग रहा था कि यह कई दिन पहले की बनी थी। जबकि इस समय उमस वाली गर्मी में एक दो दिन में ही मिठाई खराब होने लगती है।

गोटैयाबाग निवासी मोहम्मद शोएब की शिकायत पर शुक्रवार दोपहर बाद सहायक खाद्य आयुक्त के निर्देश पर खाद्य निरीक्षक अरविंद सिंह एवं नत्थू लाल कुशवाहा ने मिठाई की दुकान पर छापेमारी कर चॉकलेट वाली मिठाई का सैंपल लेकर जांच के लिए लखनऊ भेजा है।

मिठाई का सैंपल लेते खाद्य निरीक्षक अरविंद सिंह व नत्थू लाल कुशवाहा।

- नौरंगाबाद रोड पर एक दुकान से खरीदी थी मिठाई
- शिकायत पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मारा छापा

एक मिठाई की दुकान पर दूषित मिठाई बिक्री किए जाने की शिकायत मिली थी। इस पर टीम ने दुकान पर जाकर मिठाई का सैंपल लिया है। जांच रिपोर्ट आने पर कार्यवाही होगी।
-**बृजेंद्र शर्मा**, सहायक खाद्य आयुक्त

कांवड़ लेकर आए भक्तों पर की गई पुष्प वर्षा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: शुक्रवार को देवाधिदेव का जलाभिषेक करने के लिए मोहल्ला नीची भूड़ निवासी महंत सुमित भारद्वाज के नेतृत्व में भोले बाबा खड़ेश्वरी कावड़ दल के फर्रुखाबाद से गंगाजल भरकर आने पर अशोक चैराहे पर पालिका अध्यक्ष के अनुज अमित शुक्ला पिंटू ने तमाम भाजपाइयों के साथ कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका छोटी काशी में स्वागत किया। पुष्प वर्षा में भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, कुम्भी मंडल अध्यक्ष रविन्द्र कटियार, नगर महामंत्री राजेश राठौर, मीडिया प्रभारी विजय मिश्रा, युवा मोर्चा नगर नगर महामंत्री हिमांशु सिंह, नगर कोषाध्यक्ष विमलेश वर्मा आदि अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोला में कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करते भाजपाई। ● अमृत विचार

कांवड़ियों के जाम में फंसी दो एंबुलेंस

निघासन चौराहा पर लगी भीषण जाम में फंसी एंबुलेंस। ● अमृत विचार

संवाददाता, निघासन

- मरीज अस्पताल पहुंचने को हो गए परेशान

अमृत विचार: कांवड़ियों के जत्थे में शामिल शिव भक्तों के निघासन चौराहा पर डांस करने से भीषण जाम लग गया। आधे घंटे बाद जब उनका जत्था आगे बढ़ा तब जाकर कहीं जाम खुल सका। जाम में मरीजों को लेकर जा रहीं दो एंबुलेंस भी फंसी रहीं।

कस्बे के सदर चौराहे से होकर कांवड़ियों का जत्था तिकुनियां जा रहा था। कांवड़िया सदर चौराहे पर पहुंचे और वहां पर चारों रोडों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी करके साउंड बजाकर शंकर जी का नृत्य किया। नृत्य देखने वालों की भीड़ लग गई। वहां पर कोई भी पुलिस नहीं थी। एंबुलेंस का सायरन बजता रहा, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब कांवड़ियों का जत्था आगे बढ़ा तब जाकर आधे घंटे के बाद जाम खुल सका और एंबुलेंस मरीजों को लेकर अस्पताल के लिए रवाना हुई।

खून के आंसू

हकीम जहीर अहमद (क्लीनिक)
पंजी. सं. 19706
डॉ. एम. अहमद (BUMS)
जो लोग बचपन की गलतियों से अपनी जवानी बर्बाद कर चुके हैं जिनको
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, निःसंतान रोगी (नशा छुड़वाये), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर इन्दी का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊ पर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटनीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढ़ीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
वह लोग जिनका विचारों से ही स्लखन हो जाता हो या वे भाई जिनकी उम्र ज्यादा हो वक्त पर बीबी से शर्मिन्दा रहते हो तुरन्त मिलें प्रत्येक:-
शनिवार रविवार
बिहारीपुर पुलिस चौकी के आगे, इस्लामिया मैदान के सामने, बरेली
मो. 9634499693
9837338306

लखीमपुर पालिका की स्थिति सुधरी तो पलिया की पिछड़ी

स्वच्छ सर्वेक्षण: नगर पालिका लखीमपुर को नेशनल स्तर पर 108 तो राज्य स्तर पर मिली 38वीं रैंक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहरों की स्वच्छता जांचने के लिए कराए गए सर्वे में इस बार नगर पालिका लखीमपुर ने लंबी छलांग लगाई है। इस बार लखीमपुर नगर पालिका की नेशनल स्तर पर 108 और राज्य स्तर पर 38वीं रैंक आई है। जबकि साल 2024 में नेशनल स्तर पर 133 एवं राज्य स्तर पर 20वीं रैंक रही थी। स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए केंद्र सरकार की ओर से निर्धारित 12500 अंकों की परीक्षा में लखीमपुर नगर पालिका को 9018 अंक मिले हैं। वहीं 50 हजार से तीन लाख की आबादी वाले 117 निकायों में नगर पालिका लखीमपुर को नवां स्थान मिला है।

शहरों को साफ सुथरा बनाने के लिए केंद्र सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण शुरू किया है। इसके तहत भारत सरकार की टीम दिल्ली से आकर नगर पालिका एवं नगर पंचायतों का भ्रमण कर स्वच्छता को लेकर कराए जाने वाले कार्यों का भौतिक सत्यापन कर अंक निर्धारित करती है। इसी आधार पर नगर निकायों की रैंकिंग घोषित होती है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले नगर निकायों को पुरस्कृत भी किया जाता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नगर पालिका लखीमपुर को नेशनल स्तर पर 133वां और राज्य स्तर पर 20वां स्थान मिला था। मगर, गुरुवार शाम साल 2025 की जारी रैंकिंग में लखीमपुर को नेशनल स्तर पर 108 एवं राज्य स्तर पर 38वीं रैंक आई है। हालांकि जिले में सबसे खराब रैंकिंग नगर पालिका पलियाकलां की है। जो पिछले साल भी फिसड्डी रही थी और इस बार भी फिसड्डी ही रही।

● 50 हजार से तीन लाख आबादी वाले निकायों में लखीमपुर पालिका को मिली नौवीं रैंक

नेशनल स्तर पर 108वीं रैंक आने पर कर्मचारियों की हौसलाफजाई करतीं नगर पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव। ● अमृत विचार

ऐसे तैयार होती हैं रैंक

स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत भारत सरकार से टीम आकर निकायों का भ्रमण करती है। इस दौरान शहर की साफ सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन से लेकर नगर वासियों से बात कर उनकी फीडबैक लेकर नंबर देती है। इसके आधार पर दिल्ली से निकायों की नेशनल एवं राज्य स्तर की रैंक जारी होती है।

नगर पालिका	नेशनल रैंक	स्टेट रैंक
लखीमपुर	108	38
गोला	351	366
मोहम्मदी	809	563
पलिया कलां	884	617
नगर पंचायत	**नेशनल रैंक**	**स्टेट रैंक**
ओयल	297	65
निघासन	207	76
धौरहरा	240	81
सिंगाही	349	94
मैलानी	640	359
खीरी	623	416
बरवर	723	422
भीरा	719	501

"शहरवासियों के सहयोग और सफाई कर्मियों की मेहनत का ही नतीजा है कि इस बार नगर पालिका लखीमपुर की नेशनल रैंक 108 एवं स्टेट रैंक 38 रही है। नेशनल स्तर पर टॉप-50 और राज्य स्तर पर टॉप-10 में शामिल होने में कहां पर क्या कमी रह गई। इस पर विचार विमर्श कर अगले साल शहर को बेहतर रैंक दिलाने के लिए अभी से प्रयास किया जाएगा।
-डॉ. इरा श्रीवास्तव, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद लखीमपुर

"स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में नगर पालिका को जो रैंक मिली है। उसके लिए नगरवासियों से लेकर सफाई कर्मियों को बहुत बहुत बधाई। कर्मचारियों की मेहनत और नगर वासियों के सहयोग के बिना यह उपलब्धि मिलनी नामुमकिन थी। टॉप-50 में पहुंचने में कहां पर क्या चूक हुई, उसे दूर कर अगले साल इससे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अभी प्रयास शुरू कर दिया जाएगा।
-संजय कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लखीमपुर।

पेड़ से लटका मिला महिला का शव

बेहजम, अमृत विचार: शुक्रवार को मैगलगंज वन रेंज के किशुन नगर ग्रांट के जंगल में खेरवा गांव के पास पेड़ से लटका महिला का शव कुछ लोगों ने देखा। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। क्षेत्रीय वन दरोगा उमेश वर्मा ने नीमगांव पुलिस को घटना की सूचना दी। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक शव दुपट्टे से लटक रहा था। पुलिस शव की पहचान की कोशिश कर रही है।

लापता व्यक्ति का शव मिला: पलिया कलां। कई दिनों से लापता सियाराम (55) निवासी गांव वन घुसरी थाना मझगईं का शव चीनी मिल के सामने शुक्रवार सुबह मिला। मृतक के भाई रामविलास राजपूत और विजय कुमार राजपूत ने उनकी शिनाख्त की। साथ ही बताया कि कई दिनों से लापता थे, वह लोग तलाश कर रहे थे। थाना मझगईं में भी सूचना दी थी। दोनों भाइयों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए शव दोनों भाइयों को सौंप दिया।

बिजली अधिकारियों की लापरवाही पर सीडीओ ने जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में विकास कार्यों की धीमी रफ्तार को लेकर सीडीओ ने शुक्रवार को विकास भवन सभागार में कार्यदायी संस्था के लोगों से लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान सीडीओ ने उन सड़कों की समीक्षा की, जिनके चौड़ीकरण में विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर अड़ंगा बन रहे हैं। सीडीओ ने विभागीय अधिकारियों को शिफ्टिंग का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने बैठक में डान बास्को से राजापुर, एलआरपी से इंदिरा मनोरंजन पार्क सहित जिले की 18 सड़कों की समीक्षा की। बता दें कि इनके चौड़ीकरण में विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर बाधक बने हैं। सीडीओ ने इसमें शिथिलता मिलने पर नाराजगी जताकर लापरवाही बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी। सीडीओ ने बिजली विभाग के अधिकारियों की लचर कार्यशैली पर नाराज़गी जताकर पोल व ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराने एवं शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समयबद्ध और स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि बिजली से संबंधित शिकायतों की मॉनिटरिंग स्वयं करें और साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बिजली आपूर्ति एवं शिफ्टिंग कार्य की समीक्षा करते सीडीओ अभिषेक कुमार।

स्वास्थ्य शिविर में 175 लोगों का किया परीक्षण

बघमरा के स्वास्थ्य शिविर में परीक्षण करते डॉक्टर। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: कुभी ब्लॉक के गांव बघमरा में जयराम सिंह इंटर कॉलेज में मां सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इंस्टीट्यूट लखीमपुर द्वारा लगाए गए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 175 लोगों का परीक्षण किया गया।

कॉलेज प्रबंधक मुनेंद्रपाल सिंह ने फीता काटकर शिविर का आरंभ किया। शिविर में आसपास के कई गांवों के 175 मरीज ने अपना पंजीकरण कराकर स्वास्थ्य परीक्षण कराकर निःशुल्क दवा प्राप्त की। गुरु द्रोणाचार्य आयुर्वेदिक केंद्र के संस्थापक नीरज सिंह ने कहा कि शिविर से निर्धन लोगों को सहयोग मिला है।

सार-संक्षेप

यू डायस पोर्टल पर फीड करें शिक्षक एवं छात्रों का डाटा
लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि यू डायस पोर्टल खुल गया है। इस पर सभी प्रधानाचार्य अपने वहां कार्यरत शिक्षकों से लेकर छात्र छात्राओं का ब्यौरा पोर्टल पर अपडेट कर दें। डीआईओएस ने बताया कि एनआईसी नई दिल्ली की ओर से यह कार्य 15 जुलाई तक पूरा करना था, लेकिन जिले के कई प्रधानाचार्यों ने अभी तक ब्यौरा अपडेट नहीं किया है। ऐसे में पोर्टल बंद होने की दशा में शिक्षकों एवं छात्रों का ब्यौरा अपडेट न होने की जिम्मेदारी संबंधित प्रधानाचार्यों की होगी।

नारंग जंगल से लावारिस बाइक बरामद
मैलानी, अमृत विचार : शुक्रवार को थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार मौर्य के निर्देश पर गश्त के दौरान उप निरिक्षक तेज बहादुर सिह, आरक्षी दीपक सोलंकी, होमगार्ड रामनिवास और सतीश कुमार को नारंग जंगल में लावारिस अवस्था में बाइक खड़ी मिली, जिसे थाना दाखिल किया है। पुलिस दल ने जंगल में हीरो स्प्लेन्डर बाइक संख्या यूपी 27 क्यू/2073 बरामद की, जिसे कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। लेकिन बाइक स्वामी का पता नहीं चला है।

बीमारी से तंग महिला ने फंदा लगाकर दी जान
धौरहरा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव अकठी निवासी भल्लर ने बताया कि उसकी पत्नी रामकुमारी (45) काफी दिनों से पेट दर्द से परेशान थी। इसके चलते घर की छत के कुंडे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कल्टीवेटर से कटकर किसान की मौत
लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना मैगलगंज क्षेत्र के गांव सहोरा में खेत की जुताई करते समय कल्टीवेटर की चपेट में आकर किसान की कटकर मौत हो गई। गांव सहोरा निवासी 56 वर्षीय अवतार सिंह गुरुवार को अपने खेत की जुताई ट्रैक्टर और कल्टीवेटर से कर रहे थे। अचानक वह नीचे गिर गए और उनकी कल्टीवेटर से कटकर मौत हो गई। इससे किसान के परिवार में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या
बेलरायां, अमृत विचार : थाना सिंगाही क्षेत्र के गांव रमुआपुर निवासी एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। गांव रमुआपुर निवासी 45 रंजीत सिंह ने गुरुवार की दोपहर अज्ञात कारणों के चलते घर के बाहर कुछ दूरी पर शीशम के पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बाइक के लिए महिला को पीटकर घर से निकाला
धौरहरा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के हरदी गांव निवासी शाहीन पुत्री बाबू अली ने पुलिस को बताया कि उसका निकाह कमरुद्दीन पुत्र रुग्गा दर्जी निवासी सिसैया थाना धौरहरा के साथ करीब तीन वर्षों पहले हुआ था। दहेज में बाइक न मिलने की वजह से प्रताड़ित करने लगे। 8 जुलाई को पति कमरुद्दीन और सास छम्मी पत्नी रुग्गा ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार
लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी पुलिस ने 16 साल की किशोरी से दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा है। थानाध्यक्ष निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस ने अकरम खां निवासी कादीपुर सानी को गिरफ्तार किया है। आरोपी किशोरी से दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के मामले में फरार था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त ताकत व रुकावट प्राप्त करें
शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीध्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।
मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीध्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।
मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।
क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, घात, शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic
भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया बरेली
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
9837023223

6 गायों की मौत पर जिम्मेदारों को फटकार

खुटार, अमृत विचार: ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत महोलिया वीरान के मजरा सिमरा वीरान में अस्थाई गोशाला में गुरुवार को 6 गायों की मौत हो गई। गोवंश की मौतों से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने डीएम समेत उच्चाधिकारियों को अव्यवस्थाओं की सूचना दी। शुक्रवार को समाचार प्रकाशित होने के बाद हरकत में आए प्रशासन ने जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई और व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को जिला मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) राजेंद्र प्रताप सिंह सिमरा वीरान गोशाला पहुंचे और बीमार गायों के इलाज, हरे चारे व स्वच्छ पानी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद व ग्राम पंचायत सचिव अनुज शुक्ला को फटकार लगाते हुए व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए।

दुकान से अगवा कर युवक को कमरे में बंद कर पीटा

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: कस्बे में गुरुवार की रात बाइक से एक मोबाइल की दुकान पर पहुंचा एक बाइक सवार दुकान पर बैठे एक युवक को बैठाकर ले गया। आरोप है कि कमरे में बंद कर उसे लाठी-डंडों से जमकर मारापीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वार्ड नंबर 11 मोहल्ला कांजी हाउस निवासी मोहित शुक्ला ने बताया कि वह गुरुवार की शाम कस्बे के ही रविकांत की मोबाइल शॉप पर बैठा था। शाम करीब 7:30 बजे मारूफ पुत्र मुन्ना वार्ड नंबर 8 अपनी बाइक से आया और उसे बैठाकर अपने घर ले गया, जहां पर उसे कमरे में बंद कर कुंडी लगा दी और लाठी डंडों से पिटाई की। चीख पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग एकत्रित हो गए और उसे बंधन मुक्त कराया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। दो समुदायों के बीच का मामला होने से कस्बे में तनाव व्याप्त है।

पिटाई से घायल मोहित शुक्ला।
● दो समुदायों के बीच का मामला होने से कस्बे में तनाव

बाइक के सामने बंदर आने से दो कांवड़िये घायल

संवाददाता, रोशननगर

अमृत विचार: फर्रुखाबाद से गंगाजल लेकर छोटी काशी गोला पौराणिक शिव मंदिर में जल चढ़ाने आ रहे दो कांवड़िये बाइक के सामने बंदर आने से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया।

शुक्रवार को कोतवाली क्षेत्र के गांव लाल्हापुर निवासी दीपक कुमार, दीपक कुमार फर्रुखाबाद से गंगाजल लेकर नगर के शिव मंदिर में जलाभिषेक करने बाइक से आ रहे थे। मोहम्मदी गोला रोड पर साहबगंज ग्रंट के पास जंगल से अचानक सड़क पर बंदर आने पर बाइक असंतुलित हो गई, जिससे सड़क पर गिरकर कांवड़िये घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया।

घायलों की सूचना पर रेहरिया पुलिस चौकी के आरक्षी शशि कुमार, करणवीर सिंह, समाजसेवी अमरजीत सिंह, प्रदीप अग्निहोत्री, नवनीत कुमार, पंकज कुमार, उमाशंकर अग्निहोत्री, संदीप सिंह ने घटना स्थल पर पहुंचकर घायलों को निजी अस्पताल में उपचार कराया। उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर दोनों कांवड़िये जलाभिषेक के लिए चले गए।

घायल कांवड़िया। ● अमृत विचार

सर्प को पकड़ने गए युवक को डसा

खुटार, अमृत विचार: खुटार कस्बे के मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी राजकुमार प्रजापति 45 वर्षीय शुक्रवार सुबह अपने घर पर बैठे थे कि खुटार पुवाया रोड पर कबाड़ स्वामी उनके घर आया और कहा कि हमारी कबाड़ की दुकान में काला सर्प है, उसे पकड़ लो। जिस पर राजकुमार प्रजापति कबाड़ की दुकान पर पहुंचे और सांप को पकड़ने का प्रयास में सांप को पकड़ ही रहे थे कि उसने डस लिया। इस पर कबाड़ स्वामी के परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने राजकुमार को सीएचसी न ले जाकर बण्डा क्षेत्र के सुनासीर नाथ में एक तंत्र मंत्र करने वाले के पास पहुंचे लेकिन वहां भी उसकी हालत में कोई सुधार न होता देख परिजन काफी देर बाद खुटार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टर ने आनन-फानन में वैक्सीन लगाकर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
आवश्यकता है
The Glamour Beauty Parlour में फुल-टाइम लेडी ब्यूटीशियन की आवश्यकता है।
वेतन: योग्यता अनुसार
स्थान : Max City, Grass Mandi, Nakatiya
Full time 10-7 PM
संपर्क करें :-
6399667666, 8445819999

सूचना
मेरे पासपोर्ट नं. G4445044 में अंकित नाम KALVINDER SINGH व उपनाम SUNDARH अंकित है जो कि गलत हैं। जबकि मेरे आधार कार्ड सं.- 4188 में अंकित नाम- KULVINDER SINGH व जन्मतिथि 18/12/1975 अंकित है जो कि सही व शुद्ध है। अत: मेरे आधार कार्ड पर अंकित नाम के अनुसार नवीनतम पासपोर्ट जारी करने की कृपा करें। कुलविन्दर सिंह पुत्र सुच्चा सिंह नि. नौरंगाबाद, परगना खैरीगढ़ तह. निघासन, जिला लखीमपुर खीरी।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र इसराइल खां व उसकी पत्नी रिजवाना को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। सत्तार खां पुत्र श्री स्व. मो. जान खां निवासी ग्राम मूसेपुर थाना खीरी जिला खीरी

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम शिवांगी यादव (Shivangi Yadav) जन्मतिथि 24.06.2004 है तथा माता का सही नाम कान्ती देवी जन्मतिथि 01.01.1959 है। सुरेन्द्र सिंह पुत्र चरन सिंह यादव निवासी ग्राम नवादा विलसण्डी तहसील फरीदपुर जिला बरेली।

NOTICE
This is to be notify that my daughter's real name is Shivangi Yadav date of birth 24.06.2004 & my mother's aname is Kanti Devi date of birth 01.01.1959. Surendra Singh S/o Charan Singh Yadav R/o Vill. Nawada Vilsandi The.Faridpur Distt. Bareilly.

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम सरिता (Sarita) था जिसे बदलकर मैंने आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों के अनुसार सरिता पटेल (Sareeta Patel) कर लिया है। भविष्य में मुझे सरिता पटेल (Sareeta Patel) के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। सरिता पटेल पत्नी यश पाल निवासी झील गौटिया चनेटी जिला बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अनादरो विलम्बश्च वै मुख्यम निष्ठुर वचनम।
पश्चतपश्च पश्चापि दानस्य दूषणानि च।।

अपमान करके देना, मुंह फेर कर देना, देरी से देना, कठोर वचन बोलकर देना और देने के बाद पछ्चाताप होना। ये सभी 5 क्रियाएं दान को दूषित कर देती है।

संपादकीय

बुजुर्ग आबादी के लिए

दुनिया भर में लोग लंबा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। भारत में जीवन प्रत्याशा एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतक है जो देश में लोगों की औसत जीवन अवधि को दर्शाता है। वर्ष के अंत तक, भारत में जीवन प्रत्याशा बढ़कर लगभग 72.48 वर्ष होने का अनुमान है, जिसमें महिलाएं 74.13 वर्ष और पुरुष 70.95 वर्ष तक जीवित रहने की उम्मीद है। आर्थिक विकास के कारण जीवन स्तर में सुधार हुआ है, जिससे लोगों को बेहतर पोषण और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही है। अभी भी स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्व भर में, 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या, वर्ष 2050 तक मौजूदा 76 करोड़ 10 लाख से बढ़कर, एक अरब 60 करोड़ तक पहुचने की संभावना है। इसके मद्देनज़र, यूएन विशेषज्ञों ने एक टिकाऊ भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों के केन्द्र में, वृद्धजन कल्याण और उनके अधिकारों को प्राथमिकता दिए जाने का आग्रह किया है। आर्थिक और सामाजिक मामलों के संयुक्त राष्ट्र विभाग की रिपोर्ट, विश्व जनसंख्या संभावना ने अनुमान लगाया है कि भारत में सदी के मध्य तक देश की बुजुर्ग आबादी दोगुनी हो जाएगी। यानी भारत की आबादी में वृद्धों की आबादी तेजी से बढ़ रही है।

आबादी की आयु बढ़ रही है, मगर इनमें बेहतरी का लाभ हर किसी तक समान रूप से नहीं पहुंचा है। देश में कई कानूनी प्रावधान भी किए गए हैं लेकिन समाज में बुजुर्गों के बीच जागरूकता की कमी की वजह से इसके असर का दायरा सीमित रहा। सवाल है कि निकट भविष्य में वृद्ध जनों को जीवन की अच्छी गुणवत्ता प्रदान करने के लिए क्या किया जा सकता है? एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण से उजागर हुआ कि कम से कम 47 प्रतिशत वृद्ध जन आय के लिए अपने परिवारों पर आर्थिक रूप से निर्भर हैं और 34 प्रतिशत पेंशन एवं सरकारी नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में शामिल 40 प्रतिशत लोगों ने 'जब तक संभव हो' तब तक कार्य करते रहने की इच्छा प्रकट की। वृद्ध व्यक्तियों के लिए एक सम्मानजनक जीवन की दिशा में पहला कदम यह होगा कि उन्हें निराश्रिता और इससे संबंधित अभावों से बचाया जाए। भारत निकट भविष्य में वृद्ध जनों के लिए जीवन की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करना चाहता है तो इसके लिए योजना निर्माण और उसका क्रियान्वन शीघ्र ही शुरू कर देना चाहिए। जीवन प्रत्याशा में सुधार के लिए अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने से जीवन प्रत्याशा में और वृद्धि की जा सकती है।

यूरिया की कालाबाजारी से किसान परेशान

डॉ. रमेश ठाकुर
नई दिल्ली

केंद्र सरकार यूरिया की कमी को दूर करने लिए इस साल के अंत तक यूरिया के आयात को बंद करके नैनो लिक्विड यूरिया और नैनो लिक्विड डाई-अमोनियम फॉस्फेट जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के बढ़ावे पर विचार कर रही हो? लेकिन, मौजूदा परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए, इस पर तत्काल कोई हल निकालना होगा।

किसान केंद्र सरकार से यूरिया की किल्लत दूर करने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि जिस तरह रसोई गैस के सिलेंडर का सब्सिडी वाला धन उपभोक्ता के बैंक अकाउंट में सीधे ट्रांसफर होता है। वैसे ही किसान बाजार मूल्य पर यूरिया खरीदे और सब्सिडी की रकम उनके खातां में पहुंचाई जाए। अगर ऐसा होता, तो निश्चित रूप से इस कदम से यूरिया की कालाबाजारी रूकेगी। क्योंकि विगत कुछ वर्षों से यूरिया पर बाजारों में जमकर कालाबजारी बढ़ी है। सरकार अगर ऐसा कदम उठाती है तो कालाबाजारी को रोकने में अप्रत्याशित मदद मिलगी। क्योंकि यदा-कदा निजी यूरिया के प्रतिष्ठानों पर सरकारी छापों और यूरिया की बोरियां जब्त करने की तमाम अनगिनत घटनाएं इसकी हिस्सा रही हैं।

यूरिया खाद की कमी ने पूरे देश में हाहाकार मचाया हुआ है। यूरिया के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं। सेंटरों पर घंटों डेरा डालने व अन्य कोशिशों के बाद भी उन्हें यूरिया नहीं मिल रही। सरकार के अधिकृत मंडियों, सेंटरों व समितियों में यूरिया है ही नहीं? हर जगह किल्लत है। जबकि, सरकार का कहना है कि देश में यूरिया की जितनी जरूरत थी उतनी समितियों में भेज दी है। हुकूमती बयान को किसान किल्लत कहें या कालाबाजारी? दरअसल, मानसून के मध्य वाला ये सीजन धान की फसल का होता है। धान का पौधा बगैर यूरिया खाद डाले फुटाव नहीं करता। धान की नर्सरी को लईया कहते है जिसकी रोपाई के पहले सप्ताह में यूरिया की जरूरत पड़ती है जो इस समय पूरी नहीं हो पा रही।

बेशक, केंद्र सरकर यूरिया की कमी को दूर करने लिए इस साल के अंत तक यूरिया के आयात को बंद करके नैनो लिक्विड यूरिया और नैनो लिक्विड डाई-अमोनियम फॉस्फेट जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के बढ़ावे पर विचार कर रही हो? लेकिन, मौजूदा परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए, इस पर तत्काल कोई हल निकालना होगा। क्योंकि यूरिया की किल्लत को लेकर देशभर के किसानों में घोर आक्रोश है। विभिन्न जगहों पर आंदोलन जैसे हालात बने हुई हैं। बीती 17 जुलाई को उत्तर प्रदेश के जिले लखीमपुर में किसानों और पुलिस के बीच यूरिया को लेकर जमकर विद्रोह हुआ। नौबत ऐसी आई कि किसानों पर पुलिस ने लाठियां भी भांजी। घटना के बाद किसान भंयकर गुस्से में है। लखीमपुर ही नहीं, देश के कई हिस्सों में खाद के लिए दुकानों पर किसानों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं।

नई यूरिया नीति-2015 के मुताबिक वर्तमान में लगभग 283.74 एलएमटी की संस्थापित वार्षिक क्षमता वाली 36 गैस आधारित यूरिया विनिर्माण इकाइयां हैं। पर, इसमें भी अब और वृद्धि की आवश्यकता महसूस होने लगी है। किसानों का आरोप है कि यूरिया की किल्लत के पीछे कालाबाजारी है। कहने को बाजारों में यूरिया के स्टॉक की कमी है। पर, ब्लैक में कोई जितनी चाहें, उतनी यूरिया ले सकता है। दरअसल, धान के लिए यूरिया सबसे बड़ी जरूरत होती है। पिछले कुछ दशकों से खेती पूर्ण रूप से यूरिया खाद पर निर्भर हो गई है। यूरिया ऐसी खाद है जो किसी भी किस्म की फसल की उर्वरक उत्पादन क्षमता बढ़ाती है। बेशक सरकारें ऑरगेनिंक फसलों पर जोर देती हों। लेकिन कड़वी सच्चाई ये है जमीनें अब उतनी ताकतवर नहीं रही, जो बिना यूरिया के फसलें उग सकें। खेतों में इस समय धान की फसल लगी है, उसमें यूरिया नहीं ड़लने से फसल मुरझाने लगी हैं।

कुल मिलाकर, यूरिया की कमी का बिचौलिए और दलाल खूब फायदा उठा रहे हैं। यूरिया की पहली खेप जब सेंटरों पर पहुंची, तभी दलालों ने स्टॉक जमा कर लिए। उन्हें पता था, इस बार भी हर साल की भांति यूरिया के लिए मारामारी मचेगी। किसानों को सरकार के अधिकृत सेंटरों से यूरिया नहीं मिलने पर वह मजबूरन दलालों से दूनी कीमतों पर खरीदने को विवश हैं। उनके सामने 'मरता क्या न करता' जैसी नौबत जो है। यूरिया धान में नहीं डलेगी, तो फसल नष्ट हो जाएगी। किसानों की किल्लत को देखते हुए कुछ प्रमुख किसान संगठन केंद्र सरकार से यूरिया की क्षमता बढ़ाने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। भारत में यूरिया की उपलब्धता 280 लाख टन है, जबकि मांग करीब 350 लाख टन यूरिया की है। इस बड़े गैप के चलते ही ऐसी मारामारी हो रही है।

कुछ साल पहले केंद्र सरकार का जोर था कि किसान ऑर्गेनिक खेती पर ध्यान दें? पर, किसान ऐसी सलाहों पर ज्यादा गौर नहीं करते। वह इसलिए कि जमीन में बंजरपन इतना बढ़ गया है कि खादों के इस्तेमाल करने बिना फसलें उग ही नहीं सकती। प्रतीत ऐसा होता है कि हम दूसरी पीढ़ी के लिए खेती लायक जमीन छोड़ेगे ही नहीं? फसली जमीन को जिंदा रखने के लिए ऑर्गेनिक खाद का इस्तेमाल करना ही होगा। नहीं तो जमीन खेती के योग्य नहीं बचेगी। पर, अन्नदाता दूरगामी दुष्परिणामों की परवाह किए बिना यूरिया का इस्तेमाल बेहताशा करता है। ये सच्चाई भी उन्हें पता है कि यूरिया के अत्यधिक उपयोग से खेतों की उपज क्षमता लगातार घट रही है। पर उनके सामने खेती करने का कोई दूसरा विकल्प है भी तो नहीं?

किसान केंद्र सरकार से यूरिया की किल्लत दूर करने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि जिस तरह रसोई गैस के सिलेंडर का सब्सिडी वाला धन उपभोक्ता के बैंक अकाउंट में सीधे ट्रांसफर होता है। वैसे ही किसान बाजार मूल्य पर यूरिया खरीदे और सब्सिडी की रकम उनके खातां में पहुंचाई जाए। अगर ऐसा होता, तो निश्चित रूप से इस कदम से यूरिया की कालाबाजारी रूकेगी। क्योंकि विगत कुछ वर्षों से यूरिया पर बाजारों में जमकर कालाबजारी बढ़ी है। सरकार अगर ऐसा कदम उठाती है तो कालाबाजारी को रोकने में अप्रत्याशित मदद मिलगी। क्योंकि यदा-कदा निजी यूरिया के प्रतिष्ठानों पर सरकारी छापों और यूरिया की बोरियां जब्त करने की तमाम अनगिनत घटनाएं इसकी हिस्सा रही हैं।

ताज्जुब इस बात का है कि सहकारी समितियों पर यूरिया मौजूद होते हुए भी दुकानदार किसानों को मुहैया नहीं कराते। लोकल प्रशासन भी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्हें शिकायतें मिलती हैं कि सहकारी मंडियों और समितियों में खाद उपलब्ध नहीं है, लेकिन निजी दुकानों पर ऊंचे दाम पर यूरिया मिल जाती है। नेपाल से सटे उत्तरी बिहार और उत्तर प्रदेश के इलाकों में यूरिया की खुलेआम तस्करी होती है। नेपाल में कई गुना दामों में बिकती है। यूरिया को सुगमता से उपलब्ध करवाने का जिम्मा 'रसायन एंव उर्वरक मंत्रालय' का होता है। 2022-23 में यूरिया का आयात 91.36 लाख टन से घटकर 75.8 लाख टन रह गया। 2020-21 में यूरिया आयात 98.28 लाख टन, 2019-20 में 91.23 लाख टन और 2018-19 में 74.81 लाख टन था। लगातार हुई इस घटौती ने ही विकट समस्या उत्पन्न कर दी है। किसान यूरिया के लिए परेशान हो, इसके लिए बिना देर किए कोई हल निकालने की आवश्यकता है।

प्रसंगवश

आदिम मानस

मनोवैज्ञानिकों और लोकवार्ता शास्त्रियों ने आदिम मानस पर शोध करने के बाद प्रतिपादन किया है कि केवल आदिम मानव में ही नहीं, आधुनिक से आधुनिक मानस में आदिम मानस विद्यमान है और वह अनुकूलता पाकर उत्तेजित किया जा सकता है या हो जाता है। इसका एक उदाहरण 21 सितंबर 1995 को सामने आया, जब एक तांत्रिक स्वामीजी के अनुयायियों ने वैश्विक संचार माध्यमों से यह अफवाह फैलाई कि दोपहर को गणेशजी दूध पियेंगे। आदिम मानस को लेकर आप केवल भारत की ही बात करें तो यह अधूरी बात है, आदिम मानस उन्नत और विकसित देशों में भी है, अमरीका में उसका उदाहरण लिंकन के भूत की कहानी है। रूस में विवाह के बाद नव युगल लेनिन की समाधि पर जा कर मंगल कामना करते थे। अभी भी वहां के राष्ट्रपति पुतिन तीर्थस्नान करते हैं।

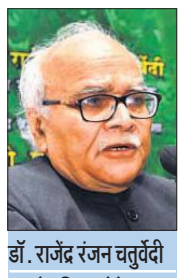

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

मलाया के निवासियों का विश्वास है कि उनके पांवों के निशान की मिट्टी को कोई ले जाता है तो उससे उसका अनिष्ट किया जा सकता है। चीन में एक देवता का चित्र घर से बाहर चिपकाया जाता है। अमेरिका में तेरह का अंक बड़ा अनिष्टकारी माना जाता है। तेरह तारीख को बहुत से लोग शुभ कार्य नहीं करते। कुछ मुस्लिम जातियों में संडास को भूत तथा जिन्नों का निवास स्थान माना जाता है। आस्ट्रेलिया के आदिवासी इस बात का ध्यान रखते हैं कि कोई शत्रु उनकी छाया के छुरा न मार सके।

प्राचीन जर्मनी में भी आत्मा और छाया का संबंध माना जाता था। तिब्बत में घरों पर जब प्रार्थना के झंडे लगाये जाते हैं, तब दुष्ट आत्माओं को दूर करने के लिए एक तिब्बती नीली भेड़ का सिर भी रख दिया जाता है। नाइजीरिया की पाबिर जाति में मगर की पूजा की जाती है। मृतात्मा के लिए नाइजीरिया के लोग सड़क पर भोजन रख देते हैं। रूस में प्रेत के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजे पर कुल्हाड़ी रखी जाती थी। अमेरिका का नीग्रो अपने पास खरगोश का पांव रखता है ताकि चुड़ैल उसके जूते में सांप का चूरा न रख सके। मिस्र में प्राचीन काल में नील नदी पर चलने वाली नावों पर आंख बनाई जाती थी। चीन की नौकाओं पर भी आंख बनाई जाती थी और समझा जाता था कि यह आंख चट्टानों से बचायेगी, नाव देखकर चलेगी। पूर्वी अफरीका के अकम्बा लोग टूटता तारा देख वेदी पर भोजन पहुंचाते थे क्योंकि वे समझते थे कि देवता एन्गाई भोजन मांग रहा है।

ब्रिटेन में तारों को सद्यः मृतों की आत्मा माना जाता था। आयरलैंड का ब्लानी स्टोन ऐसा है, जो उसे चूमते हैं उनकी वाक्शक्ति बढ़ जाती है। स्कॉटलैंड में कुछ पत्थरों पर सामुदायिक रूप से थूका भी जाता है। ऐसी परंपरा से शुभ भविष्य की प्राप्ति मानी जाती है। बल्गेरिया में मान्यता है कि देयुमियस के भोज के अवसर पर आत्माओं का जमघट होता है। रोमन कैथलिक गिरजा घरों में मोमबत्तियां जलाना दुष्टात्मा भगाने में समर्थ माना जाता है। आस्ट्रेलिया का आदिवासी योद्धा अपने बांये कंधे पर कंगारू चूहे की पूंछ बांधता है। कोर्निश लोग यह मानते हैं कि अंधेरे पाख में पैदा हुए लोग अधिक नहीं जीते। मानवशास्त्रियों और पुरातात्त्विकों ने संसार के आदिवासी-जीवन के जो साहसिक अध्ययन किये हैं, उनके विवरण पढ़ कर आश्चर्य होता है कि कितनी महिमामय साधना का काम रहा होगा वह! उन जंगली-जातियों के बीच जा कर उन्होंने जाना कि किस प्रकार आभरणों से सजी सुन्दर स्त्रियां और युद्ध में पकड़े गए युवक पातालदेवता को प्रसन्न करने के लिए बलिकूप में जबरन फेंक दिए जाते थे। उन खूनी कूओं में चढ़ावे चढ़ते रहे और कंकाल जमते रहे। मानवशास्त्रियों और पुरातात्त्विकों ने इनका अध्ययन संसार के सामने प्रकाशित किया। धर्मयुग 16 फरवरी 1964 में की बलिकूप की सचाई प्रकाशित हुई थी। नेता और अभिनेता गंडा बांधते हैं, ताबीज पहनते हैं, उंगलियों में ग्रहों से जुड़े रत्न धारण करते हैं। उद्योगपति तो अपने साथ न जाने कितने ज्योतिषियों से परामर्श लेते हैं। एक केंद्रीय मंत्री ने कुर्सी बचाने के लिए बकरे की बलि दी थी। यह आदिम मानस है। हम विश्वासों के बीच जन्म लेते हैं। विश्वास मनुष्य के मन में उसी प्रकार जन्म लेता है, जिस प्रकार वृक्ष पर फल।

डेयरी विवादः आजीविका और आत्मनिर्भरता का प्रश्न

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

इस विवाद का समाधान केवल व्यापारिक आंकड़ों या दबाव के तहत संभव नहीं है। इसके लिए आवश्यक है कि व्यापारिक सिद्धांत सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को भी स्थान दें। भारत की मांग है कि डेयरी उत्पादों के आयात में पारदर्शिता हो, जिससे उपभोक्ता और पशुपालक दोनों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अमेरिका यदि अपनी निर्यात नीतियों में भारत की न्यूनतम आवश्यकताओं को स्थान देता है, तो एक व्यावहारिक व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जो दोनों देशों के लिए लाभकारी होगी।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की रूपरेखा में डेयरी क्षेत्र से जुड़ा विवाद इस समझौते के सबसे कठिन बिंदुओं में से एक बन गया है। अमेरिका चाहता है कि भारत उसके डेयरी उत्पादों को अपने बाजार में प्रवेश दे, लेकिन भारत-सांस्कृतिक मान्यताओं, धार्मिक भावनाओं और आर्थिक संरचना को ध्यान में रखते हुए इससे हिचक रहा है। विशेष रूप से 'नॉन-वेज दूध', यानी ऐसा दूध जो उन गायों से प्राप्त हो जिन्हें मांस या रक्त आधारित चारा खिलाया जाता है, भारत के लिए एक 'रेड लाइन' बन चुका है। अमेरिका में पशुओं को दिए जाने वाले चारे में मांसाहारी घटकों का उपयोग होता है। भले ही वहां कुछ नियंत्रणात्मक नियम हों, लेकिन भारत जैसे समाज में जहां खाद्य की पवित्रता एक संवेदनशील विषय है, यह मॉडल स्वीकार्य नहीं हो सकता। भारत की लगभग 38 प्रतिशत आबादी शाकाहारी है, और दूध, दही व घी का उपयोग केवल आहार में ही नहीं, बल्कि धार्मिक अनुष्ठानों और संस्कारों में भी होता है। ऐसे में उपभोक्ताओं का यह बुनियादी अधिकार है कि वे यह जान सकें कि उनके घर तक पहुंचने वाला दूध किस प्रक्रिया से गुज़रा है। भारत की मांग है कि अमेरिका डेयरी उत्पादों पर ऐसा प्रमाणपत्र दे जिससे यह पूरी तरह स्पष्ट हो कि उस दूध का स्रोत पूर्णतः शाकाहारी रहा है। यह मांग केवल किसी एक धर्म के लिए नहीं, बल्कि खाद्य पारदर्शिता, उपभोक्ता संरक्षण और सामाजिक संवेदनशीलता के लिए है।

आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक और उपभोक्ता देश है। इसकी डेयरी अर्थव्यवस्था का आकार 9 लाख करोड़ से अधिक है, जो सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) का लगभग 2.5–3 प्रतिशत

हिस्सा है। लगभग 8 करोड़ पशुपालकों की आजीविका सीधे इस क्षेत्र से जुड़ी हुई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की जुलाई 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिकी डेयरी उत्पादों को बाजार में प्रवेश मिलता है, तो दूध की कीमतों में 15 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है, जिससे पशुपालकों को सालाना 1.03 लाख करोड़ का नुकसान हो सकता है। छोटे और सीमांत पशुपालकों पर इसका असर सबसे गंभीर होगा, जिनके लिए अमेरिकी सब्सिडी-समर्थित डेयरी उद्योग से प्रतिस्पर्धा करना बेहद मुश्किल होगा। अमेरिका ने भारत की प्रमाणीकरण संबंधी मांगों को विश्व व्यापार संगठन में "अनावश्यक व्यापार बाधा" कहा है। फिलहाल भारत का रुख स्पष्ट है-यह नीति संरक्षणवाद की नहीं, बल्कि उपभोक्ता अधिकारों, सामाजिक-सांस्कृतिक समरसता और ग्रामीण आजीविका की रक्षा की है।

इस विवाद का समाधान केवल व्यापारिक आंकड़ों या दबाव के तहत संभव नहीं है। इसके लिए आवश्यक है कि व्यापारिक सिद्धांत सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को भी स्थान दें। भारत की मांग है कि डेयरी उत्पादों के आयात में पारदर्शिता हो, जिससे उपभोक्ता और पशुपालक दोनों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अमेरिका यदि अपनी निर्यात नीतियों में भारत की न्यूनतम आवश्यकताओं को स्थान देता है, तो एक व्यावहारिक व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जो दोनों देशों के लिए लाभकारी होगी। अंततः भारत के लिए यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं है। यह उसकी सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक आत्मा और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रक्षा का सवाल है। दूध भारत में मात्र एक उपभोक्ता वस्तु नहीं है-यह आस्था, परंपरा और पहचान से भी जुड़ा एक प्रतीक है। इस विषय पर कोई भी निर्णय संवाद, पारस्परिक सम्मान और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के आधार पर ही लिया जाना चाहिए।

सोशल फोरम

विस्फोटक जनसंख्या

यूएन की हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 तक भारत की जनसंख्या चीन से भी अधिक हो सकती है। शायद हो गई है। बेशक़ जनसंख्या पर नियंत्रण होना चाहिए। साल दर साल अगर जनसंख्या बढ़ती रहेगी तो इंसानों के रहने लायक ज़मीन नहीं बचेगी। बाकी जरूरत की चीज़ें जैसे अन्न, बिजली, सड़कें, नौकरियां और व्यापार वग़ैरह भी सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए कम पढ़ने लगेगा जो पूरे मानव समाज में असंतोष, अराजकता और अपराध को बढ़ावा देगा। जनसंख्या नियंत्रित करना न केवल सरकार की जिम्मेदारी है बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक क़ानून भी लेकर आई। पता नहीं कब सुझाव मांगे गए और किसने दिए। लेकिन सरकार यह अच्छे से जानती है कि देश-प्रदेश का आर्थिक रूप सक्षम और पढ़ा-लिखा वर्ग अपने आप से ही कम बच्चे पैदा कर रहा है। तो सवाल उठता है कि जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हो कहां से रही है। तो ज्यादा बच्चे ग़रीब लोगों के परिवारों में पैदा हो रहें हैं। हमारे जैसे लोगों के घर घरेलू काम-काज में मदद के लिए नौकर रखे जाते थे। ज्यादातर नौकरों के परिवारों में पांच से ज्यादा बच्चे होते थे। इन बच्चों की न तो ढंग से शिक्षा हो रही थी और न ही चिकित्सा आदि। तो असल में जनसंख्या वृद्धि गरीब जनता की हो रही है। अगर सरकार वास्तविक रूप से जनसंख्या विस्फोट को रोकना चाहती है तो यह जो ग़रीबों को नाम पर मुफ्त वाली योजनाओं को बंद करे। हो सके तो सरकार उस परिवार के पति और पत्नी जिन्होंने किसी विशेष तारीख़ के बाद दो बच्चों से ज्यादा बच्चे पैदा किए है उनके वोट देने और मुफ्त में मिलने वाली सुविधाओं पर रोक लगा दे इसी क़ानून के माध्यम से। यह चुनाव वग़ैरह लड़ने पर रोक लगाना और नौकरी न देना आदि जैसे प्रावधानों से सिर्फ़ सियासत तेज़ होगी और कुछ अच्छे नतीजे नहीं मिलने वाले। दक्षिण भारत में उत्तर भारत की अपेक्षा जनसंख्या नियंत्रण में है लेकिन उससे उन्हें यह नुकसान हो रहा है कि लोक सभा में जनसंख्या के हिसाब से उनका प्रतिनिधित्व कम हो रहा है। जिस समाज में अपनी जिम्मेदारियों के सोच का अभाव है वह धीरे-धीरे विनाश की ओर अग्रसर होता है। इसका उदाहरण पाकिस्तान, हिन्दुस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका में दिखाई दे रहा है।

अमरजीत सिंह
लखनऊ

-फेसबुक वॉल से

आपदा प्रबंधन तंत्र को और मजबूत करना होगा

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में भी प्राकृतिक आपदाओं का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2024 में भारत में 400 से ज्यादा प्राकृतिक आपदाएं आईं जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक हैं और इस आपदाओं का सबसे बड़ा नुकसान लोगों के घरों को हुआ है।

इस सदी के पहले दो दशकों के दौरान तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया भर में बाढ़, तूफान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल असर से आज भारत के साथ-साथ समूचा विश्व ही दो-चार हो रहा है। इसकी वजह से उपजी आपदाओं के कारण न सिर्फ जान-माल की व्यापक क्षति हो रही है, अपितु बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित होने के लिए भी विवश होना पड़ रहा है।

भारत में भी प्राकृतिक आपदाओं का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2024 में भारत में 400 से ज्यादा प्राकृतिक आपदाएं आईं जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक हैं और इस आपदाओं का सबसे बड़ा नुकसान लोगों के घरों को हुआ है। साथ ही ये आपदाएं लोगों को अस्थायी और स्थायी रूप से विस्थापित कर रही है।

जेनेवा स्थित इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर यानी आईडीएमसी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण भारत में 1.18 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। ये आंकड़ा पिछले सालों की तुलना में 30 फीसदी अधिक है। साल 2022 में लगभग 32,000 और 2021 में 22,000 लोग बेघर हुए थे। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या भी चिंताजनक है। साल 2019 से 2023 के बीच भारत में कुल 281 प्राकृतिक आपदाएं दर्ज की गईं थी, लेकिन केवल 2024 में ही 400 से अधिक घटनाएं सामने आईं हैं। वहीं, पिछले छह सालों में बाढ़ के कारण 55 फीसदी लोग आंतरिक रूप विस्थापन हुए, जबकि आंधी-तूफान के कारण 44 फीसदी लोग विस्थापित हुए। इसके अलावा भूस्खलन, भूकंप और सूखे जैसी अन्य जलवायु-संबंधी आपदाओं ने भी हजारों लोगों को बेघर कर दिया। इसके इतर साल 2024 चिंताजनक था तो साल 2025 में हालात और भी बदतर हैं। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, 2025 के छह महीनों में ही पूरे भारत में 1.6 लाख से ज्यादा लोग प्राकृतिक आपदाओं के कारण बेघर हुए हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जहां 20 मई को मालदा के मथनाशिपुर में में मिट्टी के कटाव के कारण लगभग 80,000 लोग विस्थापित हुए। जबकि राज्य में सिर्फ एक बड़ी बाढ़ की घटना दर्ज की गई थी। वहीं, असम दूसरा सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, जहां छह बाढ़ की घटनाओं में 42,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। इसी तरह त्रिपुरा में भी हालत गंभीर रहे, जहां 10 बाढ़ की घटनाओं में 21,000 से ज्यादा लोगों बेघर हो गए। पिछले कुछ वर्षों में, भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण में एक आदर्श बदलाव लाया है। नया दृष्टिकोण इस विश्वास पर आधारित है कि विकास तब तक टिकाऊ नहीं हो सकता जब तक कि विकास प्रक्रिया में आपदा न्यूनीकरण को शामिल नहीं किया जाता। दृष्टिकोण का एक अन्य आधार यह है कि न्यूनीकरण को विकास के सभी क्षेत्रों में बहु-विषयक होना चाहिए। नई नीति इस विश्वास से भी उत्पन्न होती है कि राहत और पुनर्वास पर व्यय की तुलना में न्यूनीकरण में निवेश अधिक लागत प्रभावी है।

सरकार ने राष्ट्रीय आपदा ढांचे को एक रोडमैप में तब्दील किया है, जिसमें केंद्र सरकार ने सम्पूर्ण आपदा प्रबंधन चक्र में तैयारी, प्रतिक्रिया, क्षमता निर्माण, पुनर्प्राप्ति एवं पुनर्निर्माण तथा नवीन पद्धतियों, प्रौद्योगिकी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रयोग द्वारा न्यूनीकरण जैसे सभी मुद्दों के समाधान के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। पिछले दशक के दौरान, भारत ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 16 बटालियनें और 28 क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केन्द्र विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए अच्छी तरह सुसज्जित और प्रशिक्षित हैं। लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए एनडीएमए और एनडीआरएफ द्वारा नियमित रूप से मॉक अभ्यास और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए पहचान (रिकग्निशन) और सुधार (रिफॉर्म) बहुत जरूरी है। 'पहचान' का मतलब ये समझना है कि आपदा की आशंका कहां है और वह भविष्य में कैसे घटित हो सकती है तथा सुधार का मतलब है कि ऐसा तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें आपदा की आशंका कम हो जाए। इसके लिए हमें दो स्तर पर काम करना होगा। पहला, आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों को स्थानीय भागीदारी पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए और दूसरा, हमें आपदाओं से जुड़ें खतरों से लोगों को जागरूक करना होगा। भारत में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय पिछले दो वर्षों से रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर, आपदाओं से बचाव के लिए आरम्भिक चेतावनी व समय-पूर्व तैयारियों पर काम कर रहा है, ताकि आपदा जोखिम प्रबंधन को मजबूती दी जा सके।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

एक नजर

बच्ची से छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में चार साल की बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने छेड़छाड़ कर दुष्कर्म करने की कोशिश करने वाले आरोपी मुकेश गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि गुरुवार की शाम रोहली टोला निवासी बच्चे के पिता ने बताया कि उनकी चार वर्ष की बेटी को मुकेश गुप्ता ने टॉफी दिलाने का लालच देकर बुलाया और उसके साथ छेड़छाड़ कर दुष्कर्म की कोशिश की। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिजन पहुंच गए और उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया।

शराब के पैसे नहीं दिए तो तमंचे की बट से हमला

मदनापुर, अमृत विचार : शराब पीने के लिए पैसे मांगने पर युवक द्वारा इंकार किए जाने से नाराज तीन युवकों ने उस पर हमला कर दिया। घटना गुरुवार को थाना क्षेत्र के गांव ढीपिया में हुई। पीड़ित शिवकुमार ने पुलिस को दिए पत्र में आरोप लगाया कि वह मदनापुर से सीमेंट लेकर घर लौट रहा था, तभी गांव के ही अनिल कुमार, मुंशीलाल और निखिल ने मंदिर के पास उसे रोक लिया। आरोपियों ने शराब के लिए रुपए मांगे, मना करने पर गाली-गलौज की और फिर तमंचे की बट मारी, साथ ही लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। थाना प्रभारी विश्वजीत प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संस्कृत महाविद्यालय में परीक्षाएं 25 से

शाहजहांपुर, अमृत विचार : श्री देवी सम्पद ब्रह्मचर्य संस्कृत महाविद्यालय, मुमुक्षु आश्रम, की शास्त्री द्वितीय व शास्त्री षष्ठम सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 जुलाई से 6 अगस्त तक चलेगी। महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य आदेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस बार स्वकेंद्र व्यवस्था लागू की है। इसलिए परीक्षाएं संस्कृत महाविद्यालय मुमुक्षु आश्रम में ही आयोजित की जाएंगी।

ट्रक की साइड से बाइक फिसली, चाचा-भतीजा घायल

तिलहर, अमृत विचार : हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक की साइड लगने से बाइक सवार सुखदेव और भतीजा प्रिंस घायल हो गए। दोनों फरीदपुर के पचौनी गांव निवासी हैं और शुक्रवार सुबह रिश्तेदारी में हरदोई जा रहे थे। बताया कि बंथरा ओवरब्रिज पार करने के बाद पीछे से ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर साइड से मारी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर जख्मी हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में हुई एडवांस ओएलएलआईएफ ट्रांसकंबिन स्पाइनल फ्यूजन कोर्स में देश-विदेश के डॉक्टरों ने किया प्रतिभाग

बीआईयू और अमेरिका की एटीयू के बीच हुआ एमओयू, खुले तरक्की के द्वार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (बीआईयू) के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 15 जुलाई को आयोजित एडवांस ओएलएलआईएफ ट्रांसकंबिन स्पाइनल फ्यूजन कोर्स में देश-विदेश के डॉक्टरों ने प्रतिभाग किया था। इसमें प्रमुख विशेषज्ञों के साथ अमेरिका के मिनेसोटा स्थित एविसेना टेक्निकल यूनिवर्सिटी के प्रख्यात स्पाइनल सर्जन डॉ. हमीद अब्बासी भी शामिल हुए थे। इस बीच बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल और एटीयू के डॉ. हमीद के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए।

इस समझौता ज्ञापन से चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े नए आयाम और तकनीकी को लेकर दोनों ही यूनिवर्सिटी की फैकल्टी और विद्यार्थियों के लिए तरक्की के नए द्वार खुलेंगे। वहीं विद्यार्थियों के कौशल को निखारने में यह सहायक सिद्ध होगा। बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि यह साझेदारी न केवल छात्रों के लिए लाभकारी है, बल्कि संस्थान को तकनीकी नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगी।

समझौता ज्ञापन से यह लाभ होंगे : छात्रों का आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान गतिविधियां, शैक्षणिक सामग्री, सूचना व संकाय का आदान-प्रदान।

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में एविसेना टेक्निकल यूनिवर्सिटी से डॉ. हमीद अब्बासी और बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर।

डॉ. वरुण अग्रवाल को अमेरिका की एटीयू के विजिटिंग प्रोफेसर की उपाधि देते डॉ. हमीद।

डॉ. वरुण बने अमेरिका की एटीयू के विजिटिंग प्रोफेसर

कार्यक्रम के दौरान वैश्विक उपलब्धि के लिए रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के वरिष्ठ स्पाइन सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल को अमेरिका की एटीयू के विजिटिंग प्रोफेसर की उपाधि डॉ. हमीद ने दी। वहीं, डॉ. हमीद को बीआईयू की ओर से विजिटिंग प्रोफेसर बनाया गया है।

एमओयू का उद्देश्य अनुसंधान-शैक्षणिक गतिविधियां बढ़ाना

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान और अन्य गतिविधियों में शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की संभावनाओं को विकसित करके दोनों विश्वविद्यालयों के बीच संबंधों को बढ़ाना है। प्रत्येक विश्वविद्यालय में लागू नियमों के ढांचे के भीतर और संसाधनों की उपलब्धता के अधीन, विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही दोनों ही विश्वविद्यालय के विनिमय कार्यक्रम के तहत, मेजबान विश्वविद्यालय परिसर में आवास, ठहरने और स्थानीय परिवहन का खर्च वहन करेगा। हवाई यात्रा और चिकित्सा बीमा का खर्च छात्र द्वारा वहन किया जाएगा। संकाय के मामले में यह खर्च भेजने वाला विश्वविद्यालय वहन करेगा।

रास्ते में आवारा कुत्तों और सियार का खतरा कैसे जाएं स्कूल

पुवायां, अमृत विचार : सरैया गांव में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने एकत्र होकर गांव के स्कूल का दूसरे स्कूल में मर्ज किए जाने पर प्रदर्शन कर रोष व्यक्त किया। गांव से टकेली जाने वाले रास्ते पर अक्सर छुट्टा पशु और सियार आदि घूमते रहते हैं। बच्चों को आवारा कुत्तों के द्वारा दौड़ाए जाने के मामले भी सामने आ चुके हैं। महिलाएं बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती है और यह चिंता उन्होंने गांव में एक साथ एकत्र होकर व्यक्त की। परेशानियों को देखते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि जब तक उनका स्कूल वापस नहीं किया जाता तब तक वह किसी जनप्रतिनिधि को स्वीकार नहीं करेंगे। एकत्रित ग्रामीणों में प्रेमपाल, श्री चंद, धर्मपाल, बालिस्टर, सुरेंद्र राम भरोसे, रामगुनी, राजकुमारी, नीरज देवी, अनीता आदि रहे।

सितारगंज फोरलेन में एक और फर्जीवाड़ा आया सामने, चार भाइयों ने हड़पा मुआवजा

गलत शपथ पत्र देकर बेच चुके भूमि को अपना बताया, प्रतिकर के रूप में 3.49 लाख हड़पे

राकेश शर्मा, बरेली

- रिठौरा निवासी भाइयों ने नोटिस का नहीं दिया जवाब
- अब भू-राजस्व की तरह होगी सरकारी धन की वसूली

अमृत विचार : बरेली से पीलीभीत-सितारगंज तक फोरलेन और चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण करने में कई खेल हुए हैं। भूमि मूल्यांकन में जहां अफसरों ने करोड़ों रुपये का घोटाला किया, वहीं कुछ ऐसे लोगों ने भी मुआवजा हड़प लिया, जो भूमि अधिग्रहण होने से पहले उसे बेच चुके हैं। ऐसा ही एक मामला पकड़ा गया है। इसमें रिठौरा के चार भाइयों ने षड़यंत्र के तहत बेच चुके भूमि को अपना बताते हुए उसी भूमि के प्रतिकर के रूप में विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी कार्यालय में गलत शपथ पत्र देकर 3.49 लाख रुपये का मुआवजा हड़प लिया।

फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर चारों भाइयों को नोटिस दी गई लेकिन उन्होंने उसका जवाब नहीं दिया। अब चारों भाइयों से सरकारी धनराशि भू-राजस्व की तरह वसूल कराने के लिए विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (संयुक्त संगठन) देश दीपक सिंह ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को पत्र लिखा है। विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी का आरोप है कि बरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-74 (नया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-30) के बरेली-पीलीभीत-सितारगंज सेक्शन के चौड़ीकरण के लिए तहसील नवाबगंज के राजस्व ग्राम लभेड़ा उर्फ बुलंदशहर के अर्जित गाटा संख्या 394 के 0.1408 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की गई। इस भूमि के लिए राकेश कुमार, राजकुमार, शिव कुमार व राजेश कुमार पुत्रगण प्रभु दयाल निवासी रिठौरा ने गलत शपथपत्र प्रस्तुत करते हुए अपने अंश की भूमि विक्रय करने के बाद प्रतिकर की धनराशि प्राप्त कर ली। मो. हनीफ रजा खां की ओर से आपत्ति जताई गई। इस पर तहसीलदार नवाबगंज से गाटा संख्या 394 के अंश प्राप्त करने के लिए पत्र भेजा गया। जिसके क्रम में तहसीलदार नवाबगंज ने 7 अप्रैल को उपलब्ध कराए अंश के अनुसार जैतून बी पत्नी रहीमदाद खां का 0.001125 हेक्टेयर, मुस्तफा रजा खां का 0.001125 हेक्टेयर, मो. हनीफ रजा खां का 0.001125 हेक्टेयर, हसनैन रजा खां का 0.001125 हेक्टेयर पुत्रगण रहीमदाद खां निवासी बिहारमान नगला इज्जतनगर का अंश कुल क्षेत्रफल 0.0045 हेक्टेयर अर्जन से प्रभावित हो रही है। 0.0045 हेक्टेयर भूमि के प्रतिकर की धनराशि 349093 रुपये निर्धारित हुई। इस धनराशि को राकेश कुमार, राजकुमार, शिव कुमार व राजेश कुमार ने तथ्यों को छिपाते हुए प्राप्त कर ली। गलत तरीके से प्राप्त की धनराशि को जमा कराने के लिए चारों भाइयों को 27 मई को नोटिस भेजी गई थी, लेकिन उनके द्वारा वर्तमान तक धनराशि जमा नहीं की गई। चिट्ठी में एडीएम एफआर से गलत अंश के आधार पर अधिक प्राप्त की गई 349093 रुपये की धनराशि की वसूली चारों भाइयों से भू-राजस्व की भांति कराने की बात कही है। वसूली गई रकम को सक्षम प्राधिकारी/विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी के नाम ड्राफ्ट या चेक के माध्यम से कार्यालय में जमा कराने का आग्रह किया है।

दो पीसीएस अफसर हो चुके हैं निलंबित

बरेली : सितारगंज फोरलेन में भूमि अधिग्रहण के मुआवजे में हुए घोटाले के मामले में लोक निर्माण विभाग के चार अभियंता फंसे हैं, जबकि एडीएम न्यायिक एवं विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी आशीष कुमार और पूर्व विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी मदन कुमार निलंबित हो चुके हैं। तत्कालीन जिलाधिकारी ने वर्ष 2024 के नवंबर माह में मामले की जांच सीडीओ की अध्यक्षता वाली समिति से कराई थी। इसमें 21.52 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया था। जांच में पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई थी। शासन ने पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड में तैनात सहायक अभियंता स्नेहलता, अवर अभियंता सुरेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया था। सेवानिवृत्त एक्सईएन नारायण सिंह के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए थे।

सरकार बेटियों के सशक्तीकरण को देगी नई दिशा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- प्रदेश में चयनित 450 मास्टर ट्रेनर्स को दिया जाएगा विशेष प्रशिक्षण

अमृत विचार: बेटियों को आत्मनिर्भर व सशक्तीकरण को प्रदेश सरकार द्वारा नई दिशा देने जा रही है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्पेशल प्रोजेक्ट फार इक्विटी के अंतर्गत प्रदेश भर में चयनित 450 मास्टर ट्रेनर्स को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। ट्रेनिंग 4 से 21 अगस्त के बीच सीमैट, प्रयागराज में 9 बैचों में होगी। इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है।

परियोजना के तहत हर जिले से छह शिक्षक राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित होंगे। यह मास्टर ट्रेनर्स प्रदेश के 45,656 उच्च प्राथमिक विद्यालयों की मीना मंच सुगमकर्ता शिक्षिकाओं को प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, जीवन कौशल, स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक समानता और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत करना। यह योजना बालिकाओं को आत्मविश्वास और सुरक्षा का वातावरण देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। शिक्षिकाएं अब सिर्फ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि छात्राओं को आत्मरक्षा, नेतृत्व और संवाद कौशल में भी प्रशिक्षित करेंगी।

डिप्टी डायरेक्ट बालिका शिक्षा डॉ. मुकेश सिंह के अनुसार, उक्त प्रशिक्षण से शिक्षिकाएं रोल माडल बनेंगी और विद्यालय में बालिकाओं के आत्मबल में स्पष्ट बदलाव दिखेगा। मीना मंच को प्रभावी बनाने की दिशा में यह कार्यशाला निर्णायक साबित होगी। सभी जिलों को कार्ययोजना और दिशा-निर्देश भेज दिए गए हैं। यह परियोजना बालिकाओं को समान अवसर और अधिकार दिलाने की दिशा में अहम कदम है। बीएसए स्तर से भी उक्त ट्रैनिंग के लिए जनपद से छह शिक्षकों के नामों पर मंथन शुरू हो गया है।

डिजिटल रजिस्टर व छात्र प्रगति में पीछे होने पर सख्ती

परिषदीय स्कूलों में छात्रों के रिकार्ड के डिजिटलीकरण का कार्य काफी धीमी गति से चलने पर सख्त रुख अपनाते हुए स्कूल शिक्षा महानिदेशक ने जिलों के बीएसए को पांच कार्य दिवस में यह काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। परिषदीय विद्यालयों में रिकार्ड डिजिटाइजेशन और यू-डायस पोर्टल पर छात्र प्रगति (स्टूडेंट प्रोग्रेशन) का काम शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए तेजी से पूरा किया जाना जरूरी है। भारत सरकार द्वारा 25 जून को यू-डायस पोर्टल पर छात्र प्रगति की प्रक्रिया को सक्रिय कर दिया गया था। इसके बावजूद अब तक अधिकतर जिलों में संतोषजनक प्रगति नहीं हो पाई है।

युवक को जान से मारने की धमकी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के कृष्णानगर कॉलोनी निवासी चेतन कुमार ने बताया कि 9 जुलाई की रात 9.30 बजे होण्डा शोर रुम के बाहर खड़ा था। आकाश गुप्ता निवासी कच्चा कटरा चौक कोतवाली, उत्कर्ष निवासी सिंजई चौक कोतवाली व एक अज्ञात व्यक्ति कार से आए। आरोपी कहने लगे कि चेक बहुत वाउंस कराता है। आरोपियों ने उसे मारापीटा और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

श्मशान के बाहर पड़ा मिला अज्ञात युवक

पुवायां, अमृत विचार : शुक्रवार की शाम जेवां रोड श्मशान घाट के बाहर युवक लावारिस पड़ा था, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया। यह जानकारी सभासद व भाजपा नेता मदनपाल को मिली। वह तत्काल मौके पर पहुंचे। काफी तलाश के बाद भी युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी, युवक बीमार था। उन्होंने एम्बुलेंस बुलाकर युवक को अस्पताल भिजवाया। पुलिस से परिजनों का पता लगाने को कहा।

कोल्डड्रिंक-पकौड़ी खाने के बाद 4 की तबीयत बिगड़ी, 1 की मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- चिकित्सक बोले: फूड प्वाइजनिंग का मामला, परिजनों ने कोल्डड्रिंक को बताया खराब
- पोस्टमार्टम और अन्य कार्रवाई से किया इनकार

अमृत विचार: गांव की दुकान से खरीदी गई कोल्डड्रिंक और प्याज की पकौड़ी का सेवन करने के बाद चार बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद निजी अस्पताल में एक की मौत हो गई। चिकित्सक ने फूड प्वाइजनिंग का मामला बताया। परिवार ने फिलहाल पोस्टमार्टम नहीं कराया। कार्रवाई से भी इनकार कर दिया।

जहानाबाद थाना क्षेत्र के गांव निसरा निवासी गुड्डू की 11 वर्षीय बेटी जोया, आठ वर्षीय बेटा हसन, 13 वर्षीय भतीजा हसन पुत्र जुम्मा और नगरिया गांव निवासी 12 वर्षीय भांजी बेबी अलशिफा पुत्री इकरार ने गुरुवार दोपहर गांव की एक दुकान से कोल्डड्रिंक खरीदी और पकौड़ी खाई। कुछ ही देर बाद चारों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टियां होने लगीं। परिजन शहर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने जोया को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीनों बच्चों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। मामला थाना जहानाबाद क्षेत्र का था, स्थानीय पुलिस को जानकारी दी गई। जहानाबाद इंस्पेक्टर मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है। उधर, खाद्य सुरक्षा टीम कोल्डड्रिंक का सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया हैं।

गुरुनानक विद्यालय बना क्रीड़ा रैली का संयोजक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिला क्रीड़ा समिति की बैठक ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में हुई संपन्न

अमृत विचार: जिला क्रीड़ा समिति की बैठक ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में हुई। जिसमें विभिन्न विद्यालयों से करीब 80 शारीरिक शिक्षक, प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। अध्यक्षता जिला क्रीड़ा समिति के पदेन अध्यक्ष डीआईओएस राजीव कुमार यादव ने की।

बैठक की शुरुआत जिला क्रीड़ा सचिव राजेश शुक्ला ने पिछले वर्ष की बैठक की पुष्टि कराते हुए कराई। बताया कि वर्ष 2024-25 में जनपद के 93 छात्रों, 72 छात्राओं कुल 162 बच्चों ने प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया और पांच बच्चों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी भाग लिया। वॉलीबॉल में विजय मंडल को राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर मुख्यमंत्री खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पर डीआईओएस ने विजय मंडल को सम्मानित किया। कहा कि वर्ष 2025-26 का वार्षिक क्रीड़ा का कैलेंडर तैयार हो चुका है। उसके अनुरूप ही निर्धारित तिथियों पर जनपद व मंडलीय एवं प्रदेशीय प्रतियोगिताएं होंगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय को कम से कम दो खेलों में प्रतिभाग करना है। क्रीड़ा शुल्क को केवल क्रीड़ा पर ही खर्च किया जाए। सर्व समिति से जनपदीय क्रीड़ा रैली का संयोजक गुरुनानक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करनापुर शाहगढ़, सहसंयोजक छत्रपति शिवाजी इंटर कॉलेज जोगीठेर को बनाया गया।

जिला क्रीड़ा समिति का किया गया नवीनीकरण : जिला क्रीड़ा समिति का नवीनीकरण भी किया गया, जो वर्ष 2025-26 के लिए कार्य करेगी। इसमें डीआईओएस राजीव कुमार यादव पदेन अध्यक्ष, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह पदेन उपाध्यक्ष, जिला क्रीड़ा सचिव के पद पर शारीरिक शिक्षक राजेश शुक्ला, कोषाध्यक्ष प्रधानाचार्य ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज संतोष कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पीलीभीत अनीता रानी सदस्य, खंड शिक्षा अधिकारी अमरिया ओमेंद्र त्रिपाठी सदस्य, खंड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार बरखेड़ा सदस्य, डॉ. आरपी द्विवेदी सदस्य, अजय चौहान प्रधानाचार्य वीरांगना अवंती बाई इंटर कॉलेज सदस्य, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह सदस्य बनाए गए।

ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में बैठक में मौजूद अधिकारी कर्मचारी। ● अमृत विचार

सार-संक्षेप

काव्य संग्रह का डीएम ने किया विमोचन

पीलीभीत, अमृत विचार : साहित्यिक संस्था शब्दांकुर के संरक्षक डॉ.सुंदरलाल शर्मा जिंदा ने नशा उन्मूलन विषय पर संस्था अध्यक्ष अरुण भारद्वाज एडवोकेट के संपादन में काव्य संग्रह लिखा। इस काव्य संग्रह को प्यार का पैगाम नशाखोरों के नाम शीर्षक दिया है। इसका विमोचन जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने किया। जिलाधिकारी कार्यालय में विमोचन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस जन काव्य संग्रह को पुस्तकालयों, स्कूल कालेजों बुक स्टालों आदि पर पठन-पाठन हेतु उपलब्ध कराया जाए, जिससे यह पुस्तक पढ़कर नशे के आदी अधिक से अधिक लोग नशा मुक्त होकर लाभान्वित हो सके।

लेखन प्रतियोगिता में शामिल हुए 20 प्रतिभागी

पीलीभीत, अमृत विचार : जन शिक्षण संस्थान की ओर से मोहल्ला छोटा खुदागंज में संचालित असिस्टेंट ड्रेस मेकर एवं ब्यूटी केयर असिस्टेंट प्रशिक्षण केन्द्र पर विश्व युवा कौशल दिवस के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे कौशल सप्ताह के तहत मेरा कौशल मेरा भविष्य विषय पर स्लोग्न लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभाग करने वाले अंजली, नमीरा, अदीबा, शिवानी, तैय्यबा, दानिया, काजल, नेहा, गाज़िया, बबली समेत 20 प्रतिभागियों ने उक्त विषय पर कौशल से जुड़े अपने विचारों को स्लोगन के माध्यम से प्रदर्शित किया। साथ ही स्लोगन लिखने के बाद उसको डेकोरेट भी किया। कार्यक्रम अधिकारी संदीप मिश्रा ने कहा कि प्रतियोगिताओं के आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों के कार्य व कौशल में रचनात्मकता को बढ़ाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में राशिदा खातून, नसरीन खातून आदि का सहयोग रहा।

संपूर्ण समाधान दिवस आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जनपद की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन आज शनिवार को किया जाएगा। जिसमें डीएम की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन तहसील सदर में किया जाएगा। इसमें सीडीओ भी प्रतिभाग करेंगी। तहसीलों में अन्य अधिकारियों द्वारा जन समस्याओं एवं शिकायतों को सुना जाएगा। जिसमें तहसील कलान जिला विकास अधिकारी, पुवायां अपर जिलाधिकारी प्रशासन, तिलहर एवं जलालाबाद में संबंधित उप जिलाधिकारी रहेंगे।

एडीएम वित्त बने प्रशासक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शासन स्तर से नगर पंचायत कांट की चेयरपर्सन की पावर सीज करने की कार्यवाही के बाद डीएम द्वारा नगर पंचायत का प्रशासक एडीएम वित्त अरविंद कुमार को बनाया गया है। जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती है, एडीएम वहां के कामकाज देखेंगे।

हादसे में घायल व्यक्ति की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा थाना क्षेत्र के गांव बजाली नगर निवासी 60 वर्षीय मथुरा प्रसाद बुधवार की सुबह सात बजे अपने खेत की रखवाली करने के बाद पैदल घर लौट रहे थे। बिलसंडा रोड पर पेट्रोल पंप के सामने बाइक ने उनको टक्कर मारकर घायल कर दिया था। परिवार वालों ने उनको बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह मौत हो गई।

मंडल में अब संजय एप से थमेंगे सड़क हादसे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों ने तैयार किया ऐप, आरटीओ प्रवर्तन ने ट्रायल के तौर पर किया शुरू
- कमिश्नर ने मंडल के सभी डीएम को सड़क सुरक्षा के लिहाज से एप पर कार्य करने के दिए निर्देश

अमृत विचार : मंडल की सड़कों पर होने वाले हादसों को आईआईटी मद्रास नियंत्रित करेगी। इसके लिए 'संजय' एप लांच किया है। यह एप आईआईटी मद्रास के सेंटर आफ एक्सीलेंस फार रोड सेफ्टी ने तैयार किया है। आरटीओ प्रवर्तन प्रणब झा ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मंडलायुक्त के समक्ष इस एप का प्रस्तुतीकरण किया था। इसके बाद इसे ट्रायल के तौर पर शुक्रवार को मंडल में शुरू कर दिया गया। कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने मंडल के सभी डीएम को एप के जरिए सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

आरटीओ प्रर्वतन प्रणब झा ने बताया कि 'संजय' एप सड़क हादसों की रोकथाम में सरकारी एजेंसियों और आपातकालीन चिकित्सा के ढांचे की सहायता करेगा। इस ऐप को आईआईटी मद्रास ने सड़क सुरक्षा में लोकेशन इंटेलिजेंस प्लेटफार्म के रूप में तैयार किया है, जो सड़कों पर पहले से मौजूद जोखिम वाले स्थलों यानि ब्लैक स्पॉट और भविष्य में सड़क सुरक्षा के लिए खतरा बनने की आशंका वाले स्थानों का डाटा आधारित विश्लेषण करने में सक्षम है। यही नहीं, इस ऐप के माध्यम से पुलिस और ट्रैफिक विभागों के साथ ही अस्पताल और ट्रामा सेंटर यह समझ सकेंगे कि उन्हें सड़क हादसों को रोकने के लिए किसी खास जगह पर क्या इंतजाम करने हैं। कहा कि मंडल में इसका सफल प्रयोग होने के बाद इसे दूसरी जगहों पर भी अपनाया जा सकता है।

एप पर दर्ज करनी होगी पूरी जानकारी

संजय ऐप को हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषा में लागू किया है। इस एप की पूरी जिम्मेदारी पुलिस-आरटीओ पर रहेगी। किसी भी सड़क पर दुर्घटना के बाद मोबाइल एप्लीकेशन में पूरी डिटेल फीड करनी होगी। दुर्घटना का समय, तारीख, लोकेशन, एक्सीडेंट वाली गाड़ियों की डिटेल और नुकसान समेत कई जानकारी देनी होंगी। एप पर दुर्घटना के फोटो और वीडियो भी भेजने होंगे। एप के जरिये डाटा आईआईटी मद्रास पहुंचेगा। इसके बाद दुर्घटना वाली सड़क और जगह का विश्लेषण किया जाएगा। सड़क पर यदि कोई खामियां पाई गईं तो उसे सुधारने के सुझाव दिए जाएंगे।

एप की यह होगी मुख्य विशेषताएं

जिला मजिस्ट्रेट समग्र नोडल अधिकारी नियुक्त करेंगे। जो, ऐप उपयोग करने वालों की सूची बनाकर आईआईटी मद्रास के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड सेफ्टी (सीओईआरएस) को अधिकृत पत्र के साथ भेजेगा। इसके बाद सीओईआरएस ऐप का उपयोग करने वालों के क्रेडेंशियल्स तैयार कर ईमेल से भेजेगा। फील्ड स्तर पर क्रेडेंशियल्स बनाने की जिम्मेदारी भी जिला स्तर पर नोडल अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

अरविंद हत्याकांड में आरोपी श्रवण गिरफ्तार, किया चालान

संवाददाता, शाहजहांपुर/मदनापुर

अमृत विचार: अरविंद हत्याकांड में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को पांचवें दिन गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त का चालान कर दिया। जबकि हत्या में मुकदमा दर्ज न करने पर एसपी ने निरीक्षक अपराध को लाइन हाजिर कर दिया था।

मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव प्रतापपुर गहबरा निवासी दृगपाल ने 13 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि उसके 21 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार को आरोपी श्रवण ने जमीन पर गिराकर लात-घूसों से पीटकर मार डाला था। आरोपी के बेटे ने मृतक अरविंद का मोबाइल छीनकर छीनकर तोड़ दिया था। पुलिस ने पहले गैर इरादन हत्या में मुकदमा तरमीम किया था। परिवार वालों ने हत्या में मुकदमा दर्ज करने को लेकर थाना गेट पर धरना दिया था। परिवार वाले विधायक अरविंद सिंह से मिले थे। विधायक ने आईजी और एसपी से फोन पर बात की थी। एसपी ने लापरवाही बरतने पर निरीक्षक अपराध को लाइन हाजिर कर दिया था और हत्या में मुकदमा तरमीम कर दिया था।

पुलिस हिरासत में आरोपी।

दरवाजे पर जली अवस्था में पड़ा मिला पीलीभीत के युवक का शव

बरेली के हाफिजगंज का मामला, पत्नी बेटे को गई थी स्कूल वाहन तक छोड़ने

संवाददाता, बरेली/हाफिजगंज

अमृत विचार : हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव गोसलपुर में शुक्रवार सुबह महिला बेटे को स्कूल वाहन तक छोड़ने गई। जब वह 20 मिनट वापस आई तो घर के दरवाजे पर पति का जला हुआ शव पड़ा मिला। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जलने से मौत होने की पुष्टि हुई है।

लोचन प्रसाद।

मूलरूप से पीलीभीत जिले के थाना जहानाबाद क्षेत्र के गांव बारगुलियां निवासी लोचन प्रसाद (42) हाफिजगंज के गोसलपुर गांव में अपने मामा के यहां पत्नी जयंती और छह वर्षीय बेटे मयंक के साथ रहते थे। रोजाना की तरह शुक्रवार को उनकी पत्नी बेटे को छोड़ने के लिए स्कूल वाहन तक गईं। वहां से करीब 20 मिनट बाद लौटकर घर आईं तो दरवाजे पर पति लोचन प्रसाद का जला हुआ शव पड़ा था। सूचना पर नवाबगंज सीओ गौरव सिंह और थाना प्रभारी पवन सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुला कर जांच करते हुए साक्ष्य जुटाए गए। पोस्टमॉर्टम में जलने से मौत होने की पुष्टि हुई है।

घटना के बाद घर के बाहर लगी लोगों की भीड़। • अमृत विचार

घटना को संदिग्ध मानकर जांच कर रही पुलिस : जयंती ने बताया कि पति पैतृक गांव की जमीन बेच कर आठ साल से यहां मामा बेंचेलाल के यहां रहते थे। उन्होंने गांव के नजदीक करीब 10 बीघा जमीन और एक प्लाट खरीदा था। जिसमें टीन डालकर रह रहे थे। थाना प्रभारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि हर पहलू पर जांच की जा रही है। मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। हालांकि किसी ने मामले में कोई तहरीर नहीं दी है। हैरानी की बात यह है कि मृतक के घर में कोई सामान नहीं जला और न ही लोचन प्रसाद बचने के लिए इधर-उधर भागा और शोर शराबा भी नहीं किया। पुलिस घटना को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। वहीं गांव में भी अलग-अलग चर्चाएं हो रही हैं।

लापता हुए थे लोटन प्रसाद, हाथ पैर बंधे मिले थे

लोचन प्रसाद के रिश्तेदारों ने बताया कि कुछ साल पहले लोचन प्रसाद लापता हो गए थे। जब ढूंढ़ा गया तो एक स्थान पर मिले। उस समय उसके हाथ और पैर बंधे हुए थे और वह काफी डरे हुए थे। उसी के बाद से उसने अपना गांव छोड़ दिया था और मामा के गांव में आकर रहने लगे थे।

एस्केलेटर के पास खड़े वाहनों के करें चालान

बरेली, अमृत विचार: मुरादाबाद मंडल के डीआरएम राजकुमार सिंह ने बरेली जंक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने जंक्शन परिसर की व्यवस्थाओं, रेल रेस्टोरेंट की गुणवत्ता, साफ-सफाई, एस्केलेटर के संचालन और यार्ड क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए।

डीआरएम ने सबसे पहले स्टेशन के यार्ड क्षेत्र में पहुंचे, जहां उन्होंने रेल पटरियों के रख-रखाव, प्वाइंट्स की स्थिति और ट्रैक मरम्मत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यार्ड की नियमित साफ-सफाई और तकनीकी जांच में लापरवाही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यहीं से ट्रेनों का संचालन प्रभावित होता है। इसके बाद उन्होंने रेल रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। डीआरएम ने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, किचन की सफाई और कर्मचारियों की वेशभूषा की भी जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों को बेहतर और स्वच्छ भोजन मुहैया कराना रेलवे की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान डीआरएम की नजर एस्केलेटर के बाहर खड़े वाहनों पर पड़ी। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए स्टेशन प्रबंधन और आरपीएफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि एस्केलेटर और यात्री सुविधा क्षेत्रों के पास कोई भी निजी या वाणिज्यिक वाहन खड़ा न रहने पाए। उन्होंने ऐसे वाहनों का तत्काल चालान करने और आवश्यकतानुसार जब्त करने का भी निर्देश दिया।

बापूधाम मोतीहारी आनंद विहार एक्सप्रेस अब सप्ताह में दो दिन

बरेली, अमृत विचार: यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने बापूधाम मोतिहारी से आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस 15567/68 के संचालन में परिवर्तन किया है। अब ट्रेन सप्ताह में दो दिन संचालित की जाएगी। इसके अलावा 18 सितंबर को एक स्पेशल ट्रेन 05599 बापूधाम मोतिहारी से आनंद विहार के लिए सुबह 11:45 बजे चलाई जाएगी। ट्रेन 19 सितंबर को बरेली जंक्शन पर सुबह 03:45 से 03:50 बजे तक और मुरादाबाद स्टेशन पर सुबह 05:50 से 05:55 बजे तक रुकेगी। इससे पहले चल रही नियमित ट्रेन 15567/68 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस अब हर बुधवार और शनिवार को बापूधाम मोतिहारी से और गुरुवार और रविवार को आनंद विहार से चलाई जाएगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि ट्रेन 15567 बापूधाम मोतिहारी से चलकर बरेली 01:10 बजे आएगी और 01:12 रवाना होगी। वहीं 15568 आनंद विहार से दोपहर 14:00 बजे चलकर बरेली 18:17 पर आएगी और 18:19 पर रवाना होगी। ट्रेन का ठहराव सगौली, बेतिया, नरकटियागंज सहित प्रमुख स्टेशनों पर होगा। इससे बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के यात्रियों को यात्रा की बेहतर सुविधा मिलेगी।

फर्जी छात्रों के नाम पर डकार गए करोड़ों रुपये, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- देवभूमि प्राइवेट आईटीआई के खिलाफ नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने दर्ज कराई रिपोर्ट
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में फर्जी छात्रों की प्रोफाइल बनाकर की गई धोखाधड़ी का जांच में खुलासा

अमृत विचार : प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत फर्जी छात्रों की आड़ में डोहरा रोड स्थित देवभूमि एजुकेशनल सोसायटी और उसके ट्रेनिंग सेंटर देवभूमि प्राइवेट आईटीआई ने करोड़ों रुपये डकार गया। स्टेट एंगेजमेन्ट कोर्डिनेटनर दीपक चतुर्वेदी ने बिथरी चैनपुर थाने में देवभूमि एजुकेशनल सोसायटी और उसके ट्रेनिंग सेंटर देवभूमि प्राइवेट आईटीआई के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी समेत अन्य संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

स्टेट एंगेजमेन्ट कोर्डिनेटनर दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि 22 जनवरी को कौशल विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने देवभूमि प्राइवेट आईटीआई पर अचानक छापेमारी की थी। जांच के दौरान सामने आया कि संस्थान ने जिन छात्रों की उपस्थिति बायोमैट्रिक सिस्टम (एईबीएएस) पर दर्ज की थी, वह छात्र मौके पर मौजूद नहीं थे। जांच में दो बैच 2840676 और 2840651 के नाम सामने आए, जिनमें दर्ज किए गए 24 छात्रों की उपस्थिति फर्जी पाई गई। जांच में सामने आया कि संस्थान ने बेहद सीमित संख्या में वास्तविक छात्र दाखिल किए थे, जबकि बड़ी संख्या में फर्जी नाम जोड़कर राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) से सरकारी फंड लिया। आरोप है कि संस्थान ने जाली दस्तावेज तैयार कर छात्रों की फर्जी प्रोफाइल बनाई और उनके नाम पर फर्जी उपस्थिति दर्ज कर करोड़ों रुपये की रकम हड़प ली। दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि देवभूमि एजुकेशनल सोसायटी और देवभूमि आईटीआई के संचालक ने मिलकर साजिशन यह घोटाला किया।

नोटिस का जवाब नहीं मिला तो हुई कार्रवाई

इससे पहले 20 मई को एनएसडीसी ने संस्थान को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसका कोई जवाब नहीं मिला। इस पर पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एनएसडीसी ने मांग की है कि मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि कौशल विकास जैसी महत्वपूर्ण योजना की विश्वसनीयता बनी रहे और भविष्य में कोई अन्य संस्था इस तरह का फर्जीवाड़ा न करे।

छांगुर बाबा के खिलाफ फतवा मुस्लिम समाज करे बहिष्कार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मौलाना शाहबुद्दीन बोले : इस्लाम में जब्र, दबाव और लालच की कोई जगह नहीं

अमृत विचार : धर्म परिवर्तन और लड़कियों की जबरन शादियों कराने को लेकर चर्चा में आए जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने इस्लामी दृष्टिकोण से फतवा जारी करते हुए कड़ा रुख अपनाया है। मौलाना ने स्पष्ट कहा कि इस्लाम में किसी भी व्यक्ति को जबरन या लालच देकर धर्म परिवर्तन कराना न केवल गैर-इस्लामी है बल्कि पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं के खिलाफ है।

मौलाना ने कहा कि छांगुर बाबा का आचरण इस्लाम के मूल उसूलों से विपरीत है। आरोप लगाया कि छांगुर बाबा न केवल लालच देकर धर्मांतरण कराता था, बल्कि सुनियोजित तरीके से गैर मुस्लिम लड़कियों की मुस्लिम लड़कों से शादी भी कराता था। इस्लाम मोहब्बत, अमन और इंसाफ का पैगाम देता है। पैगम्बर इस्लाम ने कभी किसी पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव नहीं डाला, न ही कोई लालच दिया। पैगम्बर के शासन काल में गैर मुस्लिमों की जान-माल और इज्जत की हिफाजत करना मुसलमानों की जिम्मेदारी थी। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि इस्लाम के प्रचार की अनुमति हर किसी को है, लेकिन किसी भी गैर मुस्लिम को जबरन या किसी प्रकार का लालच देकर धर्म में शामिल करने की कोई इजाजत इस्लाम नहीं देता है। मौलाना ने छांगुर बाबा के कृत्यों को इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ बताया।

शाह का चेंजओवर आज, बारिश के मद्देनजर खरीदे 50 छाते

बरेली, अमृत विचार : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को बरेली में चेंजओवर कर रुद्रपुर में आयोजित उत्तराखंड निवेश उत्सव समारोह में शामिल होने जाएंगे। जिला प्रशासन ने उनके चेंजओवर और वैकल्पिक व्यवस्था के मद्देनजर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। त्रिशूल एयरफोर्स में चेंजओवर के दौरान बारिश होने के मद्देनजर वीवीआईपी और उनके साथ आने वाले अन्य अतिथियों के उपयोग के लिए 50 छाते भी खरीदे गए हैं। ये छाते बरेली विकास प्राधिकरण ने खरीदकर शुक्रवार को तहसील सदर के अधिकारी को सौंपे हैं।

गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को नई दिल्ली से बीएसएफ के हवाई जहाज से उड़ान भरकर दोपहर 12.45 बजे त्रिशूल एयरफोर्स हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। चेंजओवर के बाद पंतनगर एयरपोर्ट के लिए उड़ जाएंगे।

ठग ने साढ़ू बनकर युवक को लगाया 1.57 लाख का चूना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- ठग ने दोस्त की मां की बीमारी का बहाना बनाकर मांगे पैसे

अमृत विचार : एक युवक से ठग ने साढ़ू बनकर एक लाख 57 हजार रुपये की ठगी कर ली। ठग ने फोन पर दोस्त की मां बीमार होने का बहाना बनाकर युवक को झांसे में लिया। युवक की तहरीर पर थाना बिथरी चैनपुर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव भिंडौलिया निवासी वकील अहमद ने बताया कि 10 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे उसके पास फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को उसका साढ़ू बामिक बताते हुए कहा कि भारत में उसका एक दोस्त है, जिसकी मां बहुत ज्यादा बीमार हैं। वकील का साढ़ू भी विदेश में रहता है, जिससे उसे यकीन हो गया। ठग ने कहा कि उसके दोस्त के खाते में रुपये नहीं जा रहे हैं। वह 2.10 लाख रुपये उसके खाते में डाल दे रहा है, जिसे वह उसके खाते में डाल दे। ठग ने कुछ समय बाद 2.10 लाख की फर्जी रसीद भेज दी। इसके बाद दूसरे ठग ने फोन कर कहा कि वह बैंक से बात कर रहा है और कहा कि उसके खाते में डालर आए हैं जो 24 घंटे बाद रुपये में बदल जाएंगे। इसलिए वह किसी को इस बारे में न बताए। इस पर वकील ने अपने और रिश्तेदारों से रुपये उधार लेकर एक लाख 57 हजार रुपये ठगों के बताए खाते में भेज दिए। अगले दिन फोन करने पर ठग ने कहा कि नेटवर्क में समस्या हो गई है, जिस कारण अब 48 घंटे बाद उसके खाते में रुपये आएंगे। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने वीडियो काल की मगर कोई फोन नहीं उठा।

पति के दोस्त ने घर में घुसकर किया दुष्कर्म

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में महिला के साथ उसके पति के दोस्त ने घर में घुसकर दुष्कर्म किया। साथ ही उसका अश्लील वीडियो भी बनाया। विरोध करने पर वीडियो वायरल कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी दुर्गा कालोनी बरेली रोड हल्द्वानी नैनीताल निवासी कुनाल मोगा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित महिला ने बताया कि उसके पति ड्राइवर हैं और वह हल्द्वानी में रहकर ट्रक चलाते हैं। इसी दौरान उसके पति की जान पहचान कुनाल मोगा के साथ हुई। दोस्ती बढ़ने पर कुनाल अक्सर उसके घर आने-जाने लगा। महिला ने बताया कि 17 अगस्त 2024 को उसके पति सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका इलाज बरेली के निजी अस्पताल में चल रहा है। आरोप है कि इसके बाद से कुनाल का उसके घर में बिना कारण आना-जाना अधिक बढ़ गया। आरोपी कुनाल मोगा एक दिन घर पहुंचा और उसके साथ दुष्कर्म किया। पति या पुलिस से शिकायत करने पर कुनाल ने आपत्तिजनक फोटो और वीडियो दिखाकर उसे वायरल करने की धमकी दी।

कला प्रदर्शनी व्हाट्स अंडर माई स्किन का दिल्ली में आगाज

बरेली, अमृत विचार: नई दिल्ली में एआईएफएसीएस गैलरी में उभरती कलाकार खुशी खंडेलवाल की सोलो कला प्रदर्शनी ''व्हाट्स अंडर माई स्किन'' शुरू हो गई। शुक्रवार को उनकी कलाकृतियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह हुआ। खुशी की अद्भुत कलाकृतियां 24 जुलाई तक सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उपलब्ध हैं।

व्हाट्स अंडर माई स्किन महज एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि यह कलाकार की आंतरिक चुनौती है, एक ऐसी चुनौती की झलक है, जो कभी-कभी भावनाओं के उस कपटी पहलू से प्रभावित होती है। अपने संग्रह के साथ खुशी ने इस बात पर गौर किया कि किस तरह से परतें चुपचाप उन चीजों, जैसे कि चिंता, नाजुकता और मनोवैज्ञानिक जोखिम की सतह के नीचे घूम रही हैं, जिनके साथ ज्यादातर लोग रहते हैं। खुशी खंडेलवाल ने आगंतुकों के बीच काम पर चर्चा करते हुए कहा कि वह इतने लोगों और इन सभी वास्तविक प्रतिक्रियाओं से बहुत प्रभावित हैं।

सीबीएसई स्कूलों में बच्चे पढ़ेंगे स्वस्थ रहने का पाठ

बरेली, अमृत विचार: सीबीएसई के स्कूलों में शिक्षा के साथ सेहत पर भी जोर दिया जाएगा। बच्चों को हेल्दी लाइफ स्टाइल का पाठ पढ़ाया जाएगा। इसके लिए स्कूलों में 'ऑयल बोर्ड' लगाए जाएंगे, ताकि बच्चे ज्यादा तेल के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जान सकें।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: 672/बी.के.एस./सिविल/2025–26 दिनांक: 18 जुलाई 2025

ई-निविदा सूचना

मिल समिति द्वारा विभिन्न सिविल कार्यों, सामान्य मरम्मत कार्य, शौचालय केन वाड़, शौचालय फैक्ट्री के अन्दर, प्रशासनिक भवन सड़क कार्य, आन्तरिक केन यार्ड मरम्मत, बाउन्ड्रीवाल कार्य, गोदाम सं.–1 की छत मरम्मत हेतु मिल समिति की ओर से अनुभवी एवं मान्यता प्राप्त ठेकेदारों से ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 02.08.2025 अपरान्ह 03:00 बजे तक प्राप्त की जायेगी। सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 22.07.2025 को सायं 06:55 बजे से उपलब्ध रहेगा। प्रधान प्रबन्धक को एक अथवा समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

प्रधान प्रबन्धक

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू.डि. हवाली जिला बरेली
मूलवाद सं. 341 सन् 2023

श्रीमती कनक अग्रवाल बनाम दिनेश चन्द्र नोटिस बनाम दिनेश चन्द्र उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र श्री जयपाल सिंह निवासी वैष्णों धाम कालोनी करगैना सुभाषनगर थाना सुभाषनगर जिला बरेली। चूंकि मुसम्मी श्रीमती कनक अग्रवाल ने आपके नाम एक नालिस वास्ते निरस्तीकरण बैनामा दिनांक 10.05.2022 के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 23.07.2025 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात में बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजरी में मुकदमा हाजा में फैसला होगा।

आज बतारीख 18.7.25 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

जज
सिविल जज जू.डि. हवाली बरेली।

जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय), बदायूं

पत्रांक संख्या: 147/पं.निर्वा.नामा./वृहद् पुनरीक्षण/डाटा इन्ट्री–फोटोकॉपी निविदा सूचना/2025 दिनांक: 18 जुलाई 2025

जैम ई-निविदा सूचना

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण 2025 में बी.एल.ओ. द्वारा तैयार की गयी हस्तलिखित पाण्डुलिपियों (परिवर्धन/अपमार्जन/संशोधन) की राज्य निर्वाचन आयोग, उ.प्र., लखनऊ द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर/ सर्वर पर (ऑफलाइन/ऑनलाइन) डेटा इन्ट्री एवं निर्वाचक नामावली की फोटो प्रति कार्य के लिए न्यूनतम दरें/तत्सम्बन्धी फर्म का चयन करने हेतु जेम पोर्टल पर पंजीकृत फर्मदाताओं से ऑनलाइन ई–जैम निविदा दिनांक 01 अगस्त 2025 20:00:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदादाताओं के लिए निविदा सूचना, निविदा प्रपत्र एवं निविदादाताओं के लिए आवश्यक निर्देश एवं शर्तें भारत सरकार के Government e marketplace की website: https://gem.gov.in पर उपलब्ध है। किसी भी प्रकार की जानकारी एवं सेवा शर्तें दिनांक 01 अगस्त 2025 तक किसी भी कार्यदिवस में जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) बदायूं से प्राप्त की जा सकती है।

प्रभारी अधिकारी,
जिला निर्वाचन कार्यालय,
(पंचायत एवं नगरीय निकाय, बदायूं)

कार्यालय नगर निगम, शाहजहांपुर

पत्रांक : 630/स्वा.वि./पी.आर.ओ./न.नि.–शाह/2025–26 दिनांक : 18.07.2025

सामान्य निविदा सूचना

राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड की धनराशि से नगर निगम, शाहजहाँपुर में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को निम्न सामग्री दिये जाने हेतु नगर आयुक्त महोदय की स्वीकृति के अनुपालन में सामान्य निविदा दिनांक 12.08.2025 तक अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो तद् दिनांक सायं 04:00 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र रिकार्ड रूम से दिनांक 11.08.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तक क्रय किये जा सकते हैं।

क्र.सं.	विवरण	मात्रा	अनुमानित दर (जी.एस.टी. अतिरिक्त)	कुल लागत (जी.एस.टी. अतिरिक्त)	धरोहर राशि	निविदा मूल्य (मय जी.एस.टी.)
1.	साड़ी, ब्लाउज व पेटीकोट	207 नग	850.00 प्रति सेट	175950.00	17595.00	208.00
2.	पैन्ट व शर्ट	336 नग	1974.00 प्रति सेट मय सिलवाई	663264.00	66326.00	783.00

नोट : उक्त कार्य से सम्बन्धित शर्तें किसी भी कार्य दिवस में वर्कशाप रोशनी गोदाम में देखी जा सकती है।

निविदा की क्रयदारी हेतु धरोहर धनराशि नगर निगम के बैंक के खाता सं.–50265293184 आई.एफ.एस.सी. कोड–IDIB000C632 ब्रांच इन्डियन बैंक, गोविन्दगंज, शाहजहांपुर व निविदा शुल्क नगर निगम के बैंक के खाता सं. –50200017927485 आई.एफ.एस.सी. कोड–HDFC0000869 ब्रांच एच.डी.एफ.सी. बैंक, शाहजहांपुर में जमा कराने उपरान्त मूल प्रति निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करनी होगी। निविदा को स्वीकृति/अस्वीकृति अथवा निरस्त करने का अधिकार नगर आयुक्त नगर निगम, शाहजहाँपुर में निहित होगा।

नगर आयुक्त

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 05 वर्ष 2025-26

अधोलिखित कार्यों के लिए मुहरबन्द खुली निविदाएँ भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मण्डल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:- **कार्यों का विवरण : 1.** पूर्वोत्तर रेलवे, लोकेशन बाक्स एवं सी.टी. रैक हेतु केबिल टर्मिनेशन चार्ट तैयार करना, **अनुमानित लागत :** ₹ 26,40,719.70, **बयाना राशि :** ₹ 52,800/-, **कार्य समापन अवधि :** 6 माह। **कार्यों का विवरण : 2.** सीसेइ (सिग.)/मथुरा छा. के खण्ड में TRR, TBR, TTR एवं SWR से LWR में परिवर्तन हेतु विविध सिगनलिंग कार्य, **अनुमानित लागत :** ₹ 1,42,84,892.77, **बयाना राशि :** ₹ 2,21,400/-, **कार्य समापन अवधि :** 6 माह। **ई-निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 08.08.2025 को 11:00 बजे।
• पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि. मण्डल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर,
मुजाधि/सिगनल-34 पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय नजारत, जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर

नीलामी की शर्तें

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाले मलवे की नीलामी निम्न शर्तों के आधार पर की जायेगी–

1. नीलामी दिनांक 25.07.2025 को शाम 4:30 बजे जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर में कार्यालय नजारत के सामने गठित समिति द्वारा की जायेगी।
2. प्रत्येक बोली बोलने वाले को नीलामी में भाग लेने से पूर्व जमानत धनराशि मु0 रू0 5000/– जमा करनी होगी। यह धनराशि नीलामी की कार्यवाही से पूर्व प्रातः 10 बजे से 01 बजे तक कार्यालय नजारत में केन्द्रीय नाजिर के पास जमा करनी होगी, इसके पश्चात कोई भी धनराशि जमा नहीं की जायेगी। यह धनराशि नीलामी समाप्त होने के उपरांत प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्तर के बोलीदाताओं की धनराशि को रोकते हुए शेष बोली दाताओं की धनराशि तत्काली वापस कर दी जायेगी। नीलामी की न्यूनतम धनराशि 26100.00 निर्धारित की जाती है।
3. नीलामी समिति/जनपद न्यायाधीश को यह अधिकारी होगा कि किसी भी बोली को बिना कारण बताये अस्वीकार कर दे। अंतिम बोली की स्वीकृति सक्षम अधिकारी द्वारा की जायेगी।
4. नीलामी हेतु जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाले मलवे की नीलामी से पूर्व देखा जा सकता है।
5. जिस बोलीदाता की बोली अन्तिम रूप से स्वीकार की जायेगी, उस बोलीदाता को नीलामी की धनराशि की सम्पूर्ण रकम नकद तुरन्त जमा करनी होगी। यदि अन्तिम बोली बोलने वाले व्यक्ति द्वारा धनराशि उसी समय जमा नहीं की गयी तो उनकी बोली निरस्त समझी जायेगी तथा उसके द्वारा जमा की गयी अग्रिम धनराशि मु0 रू0 5000/– सरकारी कोष में जब्त कर ली जायेगी।
6. जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाले मलवे की नीलामी की अन्तिम बोली जब तक सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं की जायेगी, तब तक जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाला मलवा, डी0एम0 कम्पाउण्ड, में जे 1 से जे 12 आवास के पास ही रहेगा, क्रेता अपने संतोष के लिए देखरेख कर सकता है, बाद में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
7. क्रेता द्वारा पूर्ण धनराशि जमा करने व नीलामी अनुमोदन के बाद तीन दिन के अन्दर जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाले मलवे को उठा लेना अनिवार्य होगा।
8. उपरोक्त नीलामी शर्तों के विषय में यदि कोई विवाद होता है, तो जनपद न्यायाधीश शाहजहांपुर द्वारा लिया गया निर्णय अतिम रूप से मान्य होगा।
9. नीलामी के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर में स्थित सक्षम न्यायालय में की जायेगी।

(प्रियंका सिंह)	(अभय प्रताप सिंह प्रथम)	(आशीष वर्मा)
सदस्य, नीलामी समिति	सदस्य, नीलामी समिति	अध्यक्ष, नीलामी समिति
सिविल जज (सी0डी0)	अपर जिला जज तृतीय	अपर जिला जज प्रथम
जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर।	जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर।	जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर।

UP-236016 दिनांक 17.07.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

एल&टी फायनांस लिमिटेड
(पहले इसे एल&टी फायनांस होल्डिंग्स लिमिटेड कहा जाता था)
पंजीकृत कार्यालय: एल&टी फायनांस लिमिटेड, बृंदावन बिल्डिंग, प्लॉट नं. 177, कलीना, सीएसटी रोड, मर्सडीज़ शोरूम के पास, सांताक्रूज़ (पूर्व), मुंबई 400 098
सीआईएन नं.: L67120MH2008PLC181833
शाखा कार्यालय: उत्तर प्रदेश

L&T Finance

सोना नीलामी की सूचना

एतद्द्वारा सभी संबंधितों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि कंपनी की निम्नलिखित शाखाओं में संबंधित कर्ज संख्याओं के अंतर्गत गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों, जिनका मोचन कराया जाना बकाया था और जिन्हें कंपनी द्वारा बार–बार सूचना देने के बावजूद संबंधित ग्राहकों द्वारा अब तक नहीं चुकाया गया है, उनकी नीलामी कंपनी के संबंधित शाखा कार्यालयों में सोमवार **28 जुलाई, 2025** को निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जाएगी:–

1. सहारनपुर – घंटाघर शाखा – एल&टी फायनांस प्रा. लि., #2ए/1095, भीमराव अंबेडकर मार्ग, घंटाघर के पास, मुख्य चौक, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश. पिन कोड – 247001. फ़ोन – 9875942895 कर्ज संख्या – 163210000004483, 163210000004477, 163210000004491, 163210000004561, 163210000004596, 163210000004633, 163210000004752, 163210000004829, 163210000004688, 163210000004630, 163210000004631, 163210000004848, 163210000004801, 163210000004156, 163210000004809, 163210000004467, 163210000004468, 163210000004766, 163210000004548, 163210000004759, 163210000004530, 163210000004453, 163210000004569, 163210000004386, 163210000004472, 163210000004499, 163210000004520, 163210000004521, 163210000004534, 163210000004605, 163210000004765, 163210000004792, 163210000004806 (समय सुबह 11:00 बजे).

कृपया ध्यान दें कि यदि किसी कारणवश नीलामी उपरोक्त दिनांक पर पूरी नहीं हो पाती है, तो यह बिना किसी पूर्व सूचना के **4 अगस्त 2025** को उसी स्थान और समय पर आयोजित की जाएगी.

ध्यान दें: संबंधित ग्राहक नीलामी के दिनांक से पहले आभूषणों को मुक्त करवा सकते हैं.

ध्यान दें: एल&टी फायनांस प्रायवेट लिमिटेड के पास अपने विवेकाधीन, किसी भी कर्ज खाते के अंतर्गत किसी भी आभूषण को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी सूची से हटाने का अधिकार है.

ध्यान दें: बोलीकर्ताओं से निवेदन है कि वे पहचान पत्र, पैन कार्ड और पंजीकृत डीलरों के मामले में टिन नंबर प्रस्तुत करें. सफल बोलीकर्ता से पूरी नीलामी की राशि तुरंत आरटीजीएस/किसी अन्य अनुमत माध्यम से कंपनी को हस्तांतरित करने का निवेदन किया जाता है.

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
एल&टी फायनांस लिमिटेड के लिए

उपरोक्त सूचना के बारे में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया 1800 268 0000 पर या संबंधित शाखा से संपर्क करें.

दिनांक: 19.07.2025
स्थान: उत्तर प्रदेश

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरि० मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओ से ई–ऑक्शन के माध्यम से ठेको हेतु बोलिया आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया जा चुका है। इज्जतनगर मंडल की आगामी ई–ऑक्शन का विवरण निम्नवत है:– **श्रेणी:**– Misc-Static-Services-Static General, **कैटलोंग सं०:**–IZN-MFC-2-25, **एसेट विवरण:**– काठगोदाम रेलवे स्टेशन स्थित मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स काठगोदाम की दुकान से 01 एवं 02 हेतु, **ऑक्शन प्रारम्भ:**– 24–07–25 12:30:00, **ऑक्शन समापन:**– 24–07–25 13:10:00, **श्रेणी:**– Parcel, **कैटलोंग सं०:**– IZN-PLS-6-25, **एसेट विवरण:**– मंडल की वभिन्न ट्रेनों में एसएलआर लीजिंग हेतु, **ऑक्शन प्रारम्भ:**– 28–07–25 12:30:00, **ऑक्शन समापन:**– 28–07–25 17:30:00, **1.** बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिये रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।, **2.** उक्त ई–ऑक्शन, आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) के ई–ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है।, **3.** ई–ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि नियम एंव शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।, **4.** बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एंव समय के अनुसार ही ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है।, **5.** सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित किसी भी शुद्विपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करते रहें।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक
मुजाधि/वाणिज्य–91 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

एक नजर

यूपी में रह रहे बिहार के वोटर 25 तक भर दें गणना प्रपत्र

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार पाठक ने बताया कि बिहार राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 अभियान चलाया किया जा रहा है। इस पुनरीक्षण अवधि में बिहार राज्य में पंजीकृत कई मतदाता अस्थाई रूप से राज्य से बाहर हैं। ऐसे उत्तर प्रदेश में निवासरत मतदाता ECINET App एवं https://voters.eci.gov.in के जरिए ऑनलाइन गणना प्रपत्र स्वयं भर सकते हैं। इसके अलावा प्री फिल्ड फार्म डाउनलोड कर हस्ताक्षरित प्रति व्हाट्सअप, ईमेल या परिवार के सदस्यों के माध्यम से 25 जुलाई तक बिहार राज्य में अपने बीएलओ को भेज कर सकते हैं।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होंगी परीक्षाएं

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य के नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम व एएनएम की और पैरामेडिकल प्रशिक्षण केंद्रों में विभिन्न पाठ्यक्रमों की वार्षिक मुख्य परीक्षाएं सितंबर माह में होंगी। परीक्षा केंद्र के कक्षों में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी होगी। इसके लिए आगामी 14 अगस्त तक कमरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी नर्सिंग कॉलेजों एवं प्रशिक्षण केंद्रों को पत्र लिखा है, पत्र के माध्यम से उन्होंने परीक्षा केंद्रों के कक्षों में लगे सीसीटीवी कैमरों की कनेक्टिविटी कराने के निर्देश दिए हैं। निर्देश का अनुपालन न होने की दशा में कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

8 नए उप निबंधक कार्यालयों का शिलान्यास आज

अमृत विचार, लखनऊ : स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल शनिवार को वर्चुअल माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में 8 उप निबंधक कार्यालयों और 2 उप महानिरीक्षक (एआईजी) कार्यालयों का शिलान्यास करेंगे। इनमें 2 उप महानिरीक्षक (एआईजी) कार्यालय चंदौली सदर और श्रावस्ती सदर में शामिल हैं। जबकि आठ उप निबंधक कार्यालयों में सगड़ी आजमगढ़, सवायजपुर हरदोई, सदर चंदौली, महोली सीतापुर, जयसिंहपुर सुल्तानपुर, सदर श्रावस्ती, रामसनेही घाट बाराबंकी तथा लंभुआ सुल्तानपुर शामिल हैं।

मुख्यमंत्री बने शिक्षक, पढ़ाया पर्यावरण संरक्षण का पाठ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्रिमंडल के सहयोगी व पार्टी नेता विद्यार्थियों की तरह कक्षा में हुए शामिल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दूसरे दिन वसंत महिला महाविद्यालय में कुछ देर के लिए अलग ही रंग में दिखे। यहां वे कुछ पलों के लिए शिक्षक की भूमिका में नजर आए और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी व पार्टी नेता विद्यार्थियों की तरह उनकी कक्षा में शामिल हुए।

गंगा के तट पर और प्रकृति की गोद में बसे इस महाविद्यालय के प्रांगण में बिरसा मुंडा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे योगी ने महाविद्यालय की ओपन क्लास व्यवस्था को देखकर गुरुकुल की याद ताजा कर दी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में, जब कंक्रीट के जंगल उग रहे हैं, यह परिसर प्रकृति के साथ तालमेल और गुरुकुल की परंपरा का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री का उत्साह उस वक्त और बढ़ गया, जब उन्होंने ओपन क्लास में शिक्षक की कुर्सी संभाली। उनके साथ मंत्रियों और नेताओं ने विद्यार्थियों की तरह उत्साह से हिस्सा लिया और महाविद्यालय की प्रिंसिपल भी इस अनूठे पाठशाला सत्र में छात्र की भूमिका में नजर आईं। यह नजारा सभी के लिए रोचक और प्रेरणादायक रहा।

वाराणसी दौरे के दूसरे दिन वसंत महिला महाविद्यालय की ओपन क्लास में शिक्षक की भूमिका में नजर आए मुख्यमंत्री योगी।

बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी फिर से हो रही जीवंत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लंबे समय से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहीं बलरामपुर की सुआंव नदी और बहराइच की टेढ़ी नदी अब फिर से जीवंत हो उठी हैं। यह बदलाव मुख्यमंत्री योगी के एक जनपद-एक नदी मुहिम से संभव हो पाया है।

देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मंडल के चार जिलों में विलुप्त हो चुकी नदियों का पुनरोद्धार किया जा रहा है। इससे श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती, गोंडा की मनोरमा नदी अपने मूल स्वरूप में बहने लगी हैं, जबकि बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी के पुनरोद्धार का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। लगभग 121 हेक्टेयर लम्बाई और 320.61 वर्ग हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली सुआंव नदी के संरक्षण के लिए कुल 49 कार्य स्थलों की पहचान की गई, जिनमें से 25 पर कार्य प्रारंभ हो चुका है और 24 कार्यों के लिए योजना निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। बहराइच में विलुप्त हो चुकी लगभग 38 किलोमीटर लम्बी टेढ़ी नदी के पुनरोद्धार का काम जोरों से चल रहा है।

किसानों को खाद नहीं मिली तो सीधे जिम्मेदार होंगे जिलाधिकारी

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर कृषि विभाग ने जारी किया आदेश

- पर्याप्त खाद होते हुए भी किसानों के आंदोलित होने से सरकार हुई सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : किसानों को खाद नहीं मिलने से लेकर कालाबाजारी की ऐसी कई घटनाएं सामने आने और विपक्ष के हमले के बाद सरकार सख्त हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कृषि विभाग ने सीधे सभी जिलाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ा संदेश दिया है कि किसानों को समुचित मात्रा में सभी प्रकार की रासायनिक खादें मिलने में कोई कठिनाई न आने पाए। साथ ही, किसानों को खाद किस मूल्य पर उपलब्ध है, उसकी पूरी जानकारी प्रचार व संवाद के माध्यमों से देनी होगी।

केस-1 पीलीभीत में पिछले सप्ताह जिला पंचायत सभागार में यूरिया खाद की कोई कमी नहीं होने की बात कह रहे जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल के साथ मारपीट हुई। मंच पर ही अफसर का कॉलर पकड़कर थप्पड़ मारा गया।

केस-2 लखीमपुर खीरी के भादुरा गांव में बीते सप्ताह किसानों पर उस वक्त पुलिस की ओर से लाठियां बरसाई गईं, जब वे सहकारी समिति से खाद लेने के लिए घंटों लाइन में खड़े थे। वीडियो में एक बुजुर्ग महिला समेत कई किसानों की पिटाई साफ दिख रही है।

केस-3 गोंडा के धानेपुर साधन सहकारी समिति में गुरुवार को 266.50 रुपये प्रति बैग मिलने वाली खाद 280 रुपये में बांटी गई। किसानों का कहना था कि सचिव के पुत्र अपने एक सहयोगी के साथ आधार कार्ड की फोटो प्रति व प्रति बोरी 280 रुपये जमा कराए।

कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

जिलाधिकारियों के निर्देश दिए गए हैं कि खाद की आपूर्ति श्रृंखला की सघन मॉनीटरिंग सुनिश्चित करके कालाबाजारी या जमाखोरी की किसी भी कोशिश पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें। खाद की प्रदेश के भीतर कालाबाजारी अथवा पड़ोसी राज्यों में तस्करी के प्रयासों के विरुद्ध ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के निर्देश दिए गए हैं।

पिछले वर्ष की खपत से ज्यादा है स्टाक

खाद	जुलाई,2024 में खपत	उपलब्ध स्टाक
यूरिया	18.98 लाख एमटी	28.56 लाख एमटी
डीएपी	4.38 लाख एमटी	5.83 लाख एमटी
एनपीके	1.53 लाख एमटी	4.26 लाख एमटी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में खरीफ सीजन के दृष्टिगत किसानों को आवश्यक खाद की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यवस्था की समीक्षा के बाद शासन सख्त हो गया है। सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेश में किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। थोक एवं खुदरा विक्रेताओं के स्टॉक की नियमित जांच करने, गड़बड़ी मिलने पर लाइसेंस निरस्त करने से लेकर एफआईआर तक की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमित खाद वितरण की समीक्षा के साथ यदि किसी क्षेत्र में खाद की कमी की सूचना मिलती है, तो तत्काल वैकल्पिक आपूर्ति की व्यवस्था भी करनी होगी।

पंचायत चुनाव की उल्टी गिनती शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचायती राज विभाग ने किया वार्ड परिसीमन की प्रक्रिया का आगाज
- 23 से 28 जुलाई के बीच परिसीमन के प्रस्ताव की सूची होगी तैयार
- 29 जुलाई से 5 अगस्त तक सूची पर आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी
- 6 से 10 अगस्त तक होगा आपत्तियों का निस्तारण फिर जारी होगी अंतिम सूची

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पंचायती राज विभाग ने वार्ड परिसीमन की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू कर दी। यह कवायद 22 जुलाई तक चलेगी। दरअसल, इस बार उप्र. में ग्राम पंचायतों की संख्या घटी हैं। इसके चलते पंचायत क्षेत्रों में वार्डों का नए सिरे से पुनर्गठन किया जा रहा है।

इस बार ग्राम पंचायतों की कुल संख्या घटकर 57,963 रह गई है। पहले यह संख्या 58,467 थी, ऐसे में 504 ग्राम पंचायतें कम हुईं हैं। यह बदलाव ग्राम पंचायतों के विलय और पुनर्गठन के चलते हुआ है। इसका सीधा प्रभाव पंचायत चुनाव में भाग लेने वाले मतदाताओं, वार्डों की संख्या और उनके स्वरूप पर पड़ेगा। इस पुनर्गठन की समय सारिणी के अनुसार, 22 जुलाई तक ग्राम पंचायतों में वार्डों का परिसीमन और प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया चलेगी। 23 जुलाई से 28 जुलाई तक पंचायत सचिवों द्वारा परिसीमन के प्रस्ताव की सूची तैयार की जाएगी। 29 जुलाई से 5 अगस्त तक वार्डों की प्रारंभिक सूची पर आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। वहीं, 6 अगस्त से 10 अगस्त तक आपत्तियों का निस्तारण करके वार्डों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि पंचायत चुनाव की अधिसूचना सितंबर या अक्टूबर तक जारी हो सकती है।

बटेश्वर के पर्यटन विकास को 27 करोड़ रुपये मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के पैतृक गांव बटेश्वर को प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करेगा। इसके लिए पर्यटन विभाग ने 27 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, परियोजनाएं अटल की 101वीं जयंती पर शुरू की जाएंगी। यह जानकारी शुक्रवार को पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि बटेश्वर में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ कर क्षेत्रीय विकास का निर्णय लिया गया है। बटेश्वर में पर्यटन विकास योजनाओं को अमली जामा पहनाएगा। इसके लिए दो करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। बटेश्वर धाम स्थित गोपालेश्वर मंदिर से सांस्कृतिक संकुल तक घाट विकास कार्य के लिए 19 करोड़ की परियोजना स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, बटेश्वर धाम में दो प्रवेश द्वारों के निर्माण (फिरोजाबाद रोड एवं एक्सप्रेस वे रोड पर) कार्य पर पांच करोड़ रुपए खर्च होंगे। जयवीर सिंह ने बताया कि इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए रपड़ी क्षेत्र में साइनेज के विकास कार्य के लिए एक करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव ने एक बरगद पेड़ के नीचे विश्राम किया था, जिस कारण इस जगह का नाम बटेश्वर पड़ा। नागर शैली में निर्मित बटेश्वर का यह धाम 101 शिव मंदिरों की श्रृंखला के लिए देश-दुनिया में जाना जाता है।

परंपरागत धार्मिक रिवाजों में सरकार का हस्तक्षेप अनुचित : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

- दरगाह पर लगने वाले उर्स मामले में की टिप्पणी
- कहा, राज्य सरकार की सभी आशंकाएं निर्मूल सिद्ध हुईं

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बहराइच के सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर सालाना लगने वाले उर्स जिसे जेठ मेला भी कहा जाता है, के मामले में न्यायालय ने विस्तृत आदेश पारित करते हुए टिप्पणी की है कि सामान्य परिस्थितियों में वे सभी धार्मिक रिवाज जो लंबे समय से प्रचलित हैं, राज्य सरकार द्वारा छोटे-छोटे कारणों से रोके नहीं जा सकते, विशेषकर तब जबकि ये प्रथाएं समाज में सांस्कृतिक सौहार्द को बढ़ावा देती हैं। न्यायालय ने आगे कहा कि मामले में 17 मई को पारित अंतरिम आदेश के तहत किए गए प्रबंधों के दौरान शांति और सौहार्द बना रहा, लिहाजा निर्धारित तिथियों में उर्स अथवा मेला के आयोजन को लेकर राज्य सरकार की सभी आशंकाएं भी निर्मूल सिद्ध हुई हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने वक्फ नंबर 19 दरगाह शरीफ, बहराइच व अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। याचिकाओं में दरगाह पर सालाना लगने वाले उर्स को जिलाधिकारी द्वारा अनुमति से इंकार को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिस पर सुनवाई के पश्चात न्यायालय ने 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था, साथ ही पारम्परिक क्रिया-कलाप जारी रखने की अनुमति दी थी। याचिकाओं का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से मुख्य रूप से यह दलील दी गई थी कि दरगाह शरीफ के आसपास का क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है, यह नेपाल की खुली सीमा से सटा हुआ है, पहलगाम में पर्यटकों पर भयावह हमले को देखते हुए व भारत-नेपाल सीमा से आने-जाने वाली भीड़ के बीच राष्ट्रविरोधी और संदिग्ध तत्वों के घुसपैठ की प्रबल संभावना बनी रहती है।

राज्य की ओर से यह भी कहा गया कि इन दिनों पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं, ऐसे में यदि आकस्मिक रूप से आपातकाल घोषित करना पड़े तो मेला क्षेत्र में भीड़ की उपस्थिति के कारण क्षेत्र को पूर्णतः ब्लैकआउट करना संभव नहीं होगा, जिससे प्रशासनिक चुनौतियां और अधिक जटिल हो सकती हैं।

न्यायालय ने याचिका को निस्तारित करते हुए अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने परिस्थितियों को देखते हुए और गोपनीय रिपोर्टों के आधार पर उर्स की अनुमति से इंकार किया था, लेकिन अब वह आदेश अप्रभावी हो गया है, क्योंकि मेला अवधि समाप्त हो चुकी है। इस पर न्यायालय द्वारा पारित अंतरिम व्यवस्था, जिसमें धार्मिक रिवाजों के संपादन की अनुमति दी गई थी, ने राज्य सरकार की सभी आशंकाओं को समाप्त कर दिया है। न्यायालय ने दरगाह शरीफ की प्रबंधन समिति को भी निर्देशित किया कि भविष्य में उर्स तथा मेला का प्रबंधन प्रभावी ढंग से किया जाए तथा प्रवेश स्थलों व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

अग्निवीर भर्ती की तैयारी शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : अग्निवीर के विभिन्न श्रेणियों की सामान्य प्रवेश लिखित परीक्षा (सीईई) सफल होने के बाद अब मुख्यालय क्षेत्रीय भर्ती कार्यालय (यूपी एवं उत्तराखंड) भर्ती रैली कराएगा। सेना के अफसरों ने प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बैठक करके तैयारियों से अवगत कराया। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सुरक्षा व सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

यूपी नीट यूजी-2025 का काउंसिलिंग पंजीकरण शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

दाखिला न लेने वाले 78 अभ्यर्थी काउंसिलिंग से डिबार

अमृत विचार, लखनऊ : गत वर्ष नीट यूजी 2024 की अंतिम चक्र की काउंसिलिंग में सीट आवंटन के बाद दाखिला न लेने वाले कुल 78 अभ्यर्थी, नीट यूजी 2025 की काउंसिलिंग में प्रतिभाग नहीं कर सकेंगे। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने काउंसिलिंग वार, पाठ्यक्रम पूरा किए बिना सीट छोड़ने वालों की सूची वेबसाइट पर जारी करते हुए डिबार घोषित कर दिया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि गत वर्ष नीट यूजी 2024 की स्ट्रे वैकेंसी राउण्ड में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में सीट आवंटन के बाद 47 अभ्यर्थियों ने दाखिला नही लिया था, नियमानुसार सभी को काउंसिलिंग 2025 के लिए प्रतिबन्धित कर दिया गया है। इसी प्रकार डेंटल कॉलेजों में दाखिला न लेने वाले आठ अभ्यर्थियों को प्रतिबन्धित कर किया गया है। अंतिम चरण की काउंसिलिंग में एमबीबीएस में दाखिला लेने के बाद पाठ्यक्रम पूरा करने से पूर्व ही त्याग-पत्र देने वाले एमबीबीएस के 10 और डेंटल कॉलेज के बीडीएस 13 अभ्यर्थियों को भी प्रतिबन्धित किया गया है।

अमृत विचार : राज्य के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस एवं डेंटल कॉलेजों में बीडीएस में नीट यूजी 2025 के अभ्यर्थियों को दाखिला मिलेगा। इसके लिए नीट यूजी में प्रथम चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण 28 जुलाई शुक्रवार से शुरू हो गया है। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर काउंसिलिंग की समय सारिणी जारी कर दी गई है।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने शुक्रवार को बताया कि समय सारणी में केवल पंजीकरण व धरोहर राशि जमा करने की तिथि दी गई है, जिसमें 28 जुलाई 2025 तक पंजीकरण कराने के साथ ही प्रपत्र अपलोड करने होंगे। उन्होंने बताया कि मेडिकल काउंसिलिंग कमेटी (एमसीसी) नई दिल्ली द्वारा ऑल इंडिया कोटे की सीटों पर दाखिले के लिए काउंसिलिंग 21 जुलाई से शुरू हो रही है। ऑल इंडिया की प्रथम चरण की काउंसिलिंग के बाद स्टेट कोटे की 85 प्रतिशत सीटों पर दाखिले के लिए काउंसिलिंग 30 जुलाई से शुरू होगी, जिसकी समय सारिणी संबन्धित सूचना सार्वजनिक की जाएगी।

नलकूप कनेक्शनों की होगी जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नये नलकूप कनेक्शन केवल कृषि फीडरों को ही देने के निर्देश शासन ने दिए हैं। साथ ही पिछले एक वर्ष में दिये गये नलकूप कनेक्शन पर जांच बैठा दी गई है। ताकि यह सामने आ सके कि सही फीडर से कनेक्शन दिये गये हैं या नहीं। शासन ने हिदायत दी है कि किसानों की सुविधा के लिए कृषि फीडर अलग किये गये हैं, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिये बिजनेस प्लान में होने वाले कार्यों की शुक्रवार को उप्र. पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल की अध्यक्षता में समीक्षा की गयी। शक्ति भवन में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि बिजली व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए जो भी कार्य प्रस्तावित किये जाएं, उनकी गहन समीक्षा की जाये। । यदि कहीं भी लापरवाही सामने आयी तो जिम्मेदारी तय की जायेगी। अध्यक्ष ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि 19 जुलाई तक बिल सुधार कैंपों का लाभ लेकर अपना गलत विद्युत बिल ठीक करा लें और बकाया बिल जमा कर दें।

वर्ग पहेली-36

बाएं से दाएं

1.1. ईरान देश की भाषा 2. भारोपीय परिवार की एक भाषा जिसकी लिपि अरबी से मिलती-जुलती है।

3. (इस्लाम धर्म) शैतान या दुष्ट आत्माओं को भगाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला एक शब्द

5.1. विजय, जीत 2. कामयाबी, सफलता 3. चुनाव

8. ढोल अथवा नगाड़े की आवाज़।

9.1. किसी कार्य विशेष के लिए अलग किया हुआ 2. विशिष्ट, ख़ास 3. प्रमुख, प्रधान।

ऊपर से नीचे

2.1. वह जो घोड़े पर मुख्य सवार के पीछे बैठता है 2. ग़ज़लों आदि में प्रत्येक काफ़िए के बाद आने वाला शब्द 3. पीछे की ओर रहने वाली सेना।

4.1. कोलाहल, बावेला, कोहराम 2. बहुत सारे लोगों द्वारा एक साथ किया जाने वाला रुदन, रोना-पीटना, विलाप, मातम 3. किसी विपत्ति के समय होने वाली भागदौड़, हलचल।

6.1. जो मूढ़ या मूर्ख हो 2. नासमझ 3. मूढ़बुद्धि, अज्ञानी।

7.1. घोड़े के नियंत्रण के लिए उसके मुंह में लगाई जाने वाली वह पट्टी जिसके दोनों ओर रस्से या चमड़े के तस्मे बंधे रहते हैं, रास, बाग 2. बागडोर, कमान 3. अंकुश, बहिला

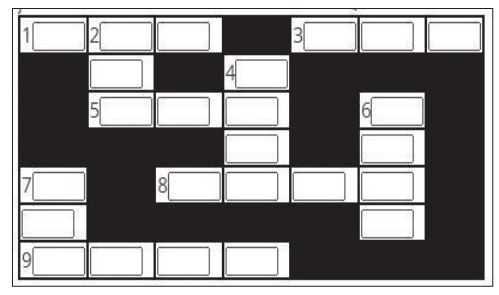

वर्ग पहेली -35 का हल

	1 फू				2 मं	च		
3 मू	ल	भू	4 त			5 आँ		
	बा		ह		6 सी	ख		
	ग		री			मि		
7 ली		8 क	री	ना		चौ		
9 ड	का	र				ली		
र		10 वा	म	पं	थी			

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 जुलाई, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी-14.41 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

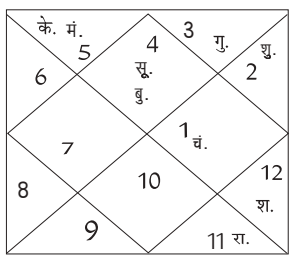

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 20 जुलाई 12.37 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

मेष आज परिवार के बुजुर्गों के साथ आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा। घर में धार्मिक आयोजन होने से आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। व्यवहारिक तरीके से समस्याओं का समाधान करेंगे। विद्यार्थियों की शिक्षा में आ रही परेशानियां दूर होंगी।

वृष आज घर की देखरेख को आज समय देना पसंद करेंगे। आज रोगियों को सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। नकारात्मक लोग आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। मन में उथल-पुथल और द्वन्द होता रहेगा।

मिथुन आज आपको अच्छे कार्यों के कारण पुरस्कार मिल सकता है। दांपत्य संबंध काफी रोमान्टिक हो सकते हैं। करियर के तरक्की के बेहतरीन अवसर आपको मिल सकते हैं। काफी समय से लंबित कार्य अब प्रारम्भ होने के अच्छे योग हैं।

कर्क आज आप शांति से अपना दिन बिताना चाहेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय बहुत ही अच्छा है। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व का भली-भांति निर्वाह करेंगे। जल्दबाजी में काम करने से हानि हो सकती है।

सिंह आज व्यापार की चुनौतियों का हल निकाल लेंगे। माता-पिता के साथ संबंध बहुत ही अच्छे रहेंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है। परिवार के छोटे सदस्यों की प्रसन्नता देखकर आप भी प्रसन्न रहेंगे। आज आप धन कमाने के अलग-अलग तरीकों पर विचार कर सकते हैं।

कन्या आज आप जिसका हित करने का प्रयास करेंगे हो सकता है वही आपको धोखा दे दे। भूमि-संपत्ति विवादों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। परिवार में थोड़ी अशांति रहेगी। किसी से आज बड़ा लेन-देन न करें। हृदय रोगियों को दवाइयों और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

तुला आज दांपत्य संबंध काफी रोमान्टिक रहेंगे। आय में वृद्धि होने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा। मित्रों के साथ आनंद का समय बितायेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। भाई-बहनों की सहायता से आपको कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

वृश्चिक आज नए संपर्क विकसित होने से मन प्रसन्न रहेगा। संतान को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। परिजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं। बिना मतलब दूसरों के मामलों में न उलझें। अपनी योजनाओं को अपने तक ही सीमित रखें।

धनु आज वैवाहिक संबंध अत्यंत मधुर रहेंगे। आपकी कार्यशैली में सुधार होगा। किसी पॉलिसी में बड़ा पूंजी निवेश कर सकते हैं। मन में परोपकार का हित जागृत होगा। यश और कीर्ति मिलने से आपके मन में अहंकार का भाव भी जागृत हो सकता है।

मकर आज अनावश्यक कार्यों में धन बर्बाद हो सकता है। माता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। कार्यक्षेत्र में कुछ सहकर्मी आपसे ईर्ष्या भाव रख सकते हैं। वैचारिक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। गुप्त शत्रु आपको आपके शुभचिन्तकों के प्रति भड़काने का प्रयास कर सकते हैं।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। शुभ समाचार मिलने से पूरा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। मित्रों के साथ करियर को लेकर चर्चा करेंगे। काम की अधिकता के बावजूद कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझेगा।

मीन आज व्यापार की चुनौतियों का हल निकाल लेंगे। माता-पिता के साथ संबंध बहुत ही अच्छे रहेंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है। परिवार के छोटे सदस्यों की प्रसन्नता देखकर आप भी प्रसन्न रहेंगे। आज आप धन कमाने के अलग-अलग तरीकों पर विचार कर सकते हैं।

सुडोकू-43

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

8			3		7	6	9	
7		2		4				
			5					4
4	6			8				
		1				2		6
				9			4	7
3					4			
	4			3		8		5
		8	1		2			3

सुडोकू - 42 का हल

9	1	2	5	7	8	4	6	3
4	7	6	3	9	2	8	1	5
8	3	5	6	4	1	9	2	7
3	6	8	2	5	7	1	9	4
5	9	4	1	8	6	7	3	2
7	2	1	9	3	4	6	5	8
1	5	7	4	2	9	3	8	6
2	8	9	7	6	3	5	4	1
6	4	3	8	1	5	2	7	9

भारत पर एकतरफा शुल्क लगाना चाहता है अमेरिका

अमेरिका ने भारत के दावे को किया खारिज, भारत ने इसे डब्ल्यूटीओ के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका ने कहा है कि भारत के पास मोटर वाहन व उसके घटकों पर लगाए गए अमेरिकी शुल्क के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है। अमेरिका ने भारत के उस दावे को खारिज कर दिया कि ये शुल्क विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय हैं। भारत ने इन शुल्क को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय बताया है जबकि अमेरिका लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि यह राष्ट्रीय हित में उठाया कदम है।

अमेरिका ने कहा है कि इस आधार पर भारत के पास इन शुल्क के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है। भारत का कहना है कि वह मोटर वाहन व उसके घटकों पर अमेरिकी शुल्क (25%) के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखता है और ये शुल्क सुरक्षा उपाय हैं जो उसके घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन को सूचित किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए ये शुल्क लगाए हैं, क्योंकि इनसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है।

● अमेरिका ने शुल्क को राष्ट्रीय हित में उठाया गया कदम बताया

डब्ल्यूटीओ के दिनांक 17 जुलाई के एक संदेश में कहा गया, यह कार्रवाई... सुरक्षा उपाय नहीं हैं। तदनुसार, इन उपायों के संबंध में सुरक्षा समझौते के तहत रियायतों या अन्य दायित्वों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है। इस संदेश को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध पर जारी किया गया था। अमेरिका ने यह भी कहा कि भारत ने विश्व व्यापार संगठन के सुरक्षा उपायों पर समझौते के तहत दायित्वों का पालन नहीं किया है। इसमें कहा गया है, अमेरिका समझौते के तहत धारा 232 पर चर्चा नहीं करेगा, क्योंकि हम शुल्क को सुरक्षा उपाय के रूप में नहीं देखते हैं।

भारत के इस्पात व एल्युमीनियम पर अमेरिकी शुल्क को विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत सुरक्षा उपाय बताने के दावे को खारिज करने के लिए भी इसी प्रकार का एक संदेश प्रसारित किया गया। भारत द्वारा अधिसूचित रियायतों के प्रस्तावित निलंबन को अमेरिका के चुनिंदा उत्पादों पर शुल्क में वृद्धि के रूप में लिया जा सकता है। हालांकि भारत ने अभी तक इन वस्तुओं का खुलासा नहीं किया है, लेकिन 2019 में इसी तरह के एक कदम में उसने बादाम और सेब से लेकर रसायनों तक 28 अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाया था।

व्यापार समझौते पर जारी बातचीत नहीं होगी प्रभावित

इस महीने की शुरुआत में भारत ने सुरक्षा उपायों के नाम पर देश के मोटर वाहन घटकों के आयात पर अमेरिकी शुल्क के विरोध में अमेरिका के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव भी रखा था। अमेरिका ने पहली बार 12 मार्च को एल्युमीनियम, इस्पात और उससे बनी वस्तुओं के आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया था। फिर तीन जून को इन्हें बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि भारत द्वारा अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने का निर्णय विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत एक प्रक्रियागत कदम है और इससे दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत प्रभावित नहीं होगी। प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पांचवें दौर की वार्ता के लिए भारतीय टीम फिलहाल वॉशिंगटन में है।

ऊर्जा कमोडिटी: निवेश का सशक्त विकल्प

ऊर्जा कमोडिटी वे प्राकृतिक संसाधन हैं, जिनका उपयोग बिजली उत्पादन, परिवहन व औद्योगिक प्रक्रियाओं में होता है। इनमें प्रमुख रूप से कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और पेट्रोलियम उत्पाद हैं। वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में ऊर्जा कमोडिटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिससे इनकी मांग में निरंतर उतार-चढ़ाव बना रहता है। निवेशक इन कमोडिटीज़ में वायदा अनुबंध (फ्यूचर्स), ईटीएफ और कमोडिटी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए निवेश कर सकते हैं। सही रणनीति के साथ निवेश करने पर यह अच्छा रिटर्न दे सकती है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है।

क्या है ऊर्जा कमोडिटी

ऊर्जा कमोडिटी वे संसाधन हैं जो ऊर्जा उत्पादन और उपयोग के लिए जरूरी होते हैं। ये मुख्यत: गैर-नवीकरणीय स्रोतों पर आधारित होती हैं। प्रमुख ऊर्जा कमोडिटीज़ में शामिल हैं: कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला, बिजली (कुछ बाजारों में) इनका उपयोग परिवहन, उद्योग और घरेलू ऊर्जा जरूरतों के लिए किया जाता है।

निवेश के लाभ
उच्च रिटर्न की संभावना: कीमतों में उतार-चढ़ाव से लाभ।
पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन: शेयर बाजार से अलग निवेश वर्ग।
मुद्रास्फीति से बचाव: ऊर्जा की कीमतें बढ़ने पर मुनाफा मिलता है।

संभावित जोखिम

- कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता
- राजनीतिक और वैश्विक घटनाओं का प्रभाव
- नियामकीय बदलावों से जोखिम
- भंडारण और डिलीवरी संबंधित जटिलताएं

ध्यान देने योग्य बातें

- बाजार की सही समझ होना जरूरी है।
- लॉन्ग-टर्म के बजाय शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग अधिक आम है।
- विशेषज्ञ सलाह और रिसर्च आधारित निवेश बेहतर होता है।

आकर्षक लेकिन जोखिम भरा

ऊर्जा कमोडिटी में निवेश एक आकर्षक लेकिन जोखिम भरा विकल्प है। सही रणनीति, सतर्कता और बाजार की समझ के साथ यह पोर्टफोलियो को मजबूती दे सकता है। खासकर जब वैश्विक ऊर्जा मांग बढ़ रही हो, तब यह निवेशकों के लिए बेहतरीन अवसर बन सकता है।

कामकाज और जोखिम प्रबंधन बेहतर करने पर ध्यान दें शहरी सहकारी बैंक : स्वामीनाथन

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने शुक्रवार को शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के निदेशकों से कामकाज एवं जोखिम प्रबंधन को बेहतर बनाने और सुरक्षित प्रौद्योगिकी अपनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। स्वामीनाथन ने पुणे के कृषि बैंकिंग महाविद्यालय में शहरी सहकारी बैंकों के निदेशकों के लिए आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही।

● प्रौद्योगिकी अपनाने की आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने दी सलाह

उन्होंने कहा, बैंकों का कामकाजी संचालन और भी बेहतर होना चाहिए। जोखिमों को बेहतर ढंग से समझें और उनका प्रबंधन करें। प्रौद्योगिकी को सोच-समझकर और सुरक्षित रूप से अपनाया जाना चाहिए। सबसे अहम यह है कि आपके जमाकर्ताओं का विश्वास अटूट होना चाहिए। स्वामीनाथन ने कहा कि शहरी सहकारी बैंक एक ऐसे मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं जो न केवल मुनाफे पर, बल्कि उद्देश्य पर आधारित है। रिजर्व बैंक एक नियामक, एक मार्गदर्शक और एक भागीदार के तौर पर आपके साथ खड़ा है। आइए हम मिलकर यह सुनिश्चित करें कि शहरी सहकारी बैंक भारत की वित्तीय प्रणाली का एक मज़बूत और जीवंत हिस्सा बने रहें। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि यह सहकारी मॉडल के सार को दर्शाता है जो बैंकिंग संबंधों, स्थानीय ज्ञान और जमीनी जुड़ाव पर आधारित है।

विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.05 अरब डॉलर घटकर 699.74 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.48 अरब डॉलर घटकर 588.81 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 49.8 करोड़ डॉलर घटकर 84.35 अरब डॉलर रहा।

बैंक के शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स गिरा

मुंबई, एजेंसी

तिमाही नतीजों की सुस्त शुरुआत के बीच विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों के शेयरों में बिकवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 501 अंक टूट गया जबकि निफ्टी 25,000 के स्तर से नीचे आ गया।

बीएसई का सेंसेक्स 501.51 अंक गिरकर 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 651.11 अंक गिरा था। एनएसई का निफ्टी भी 143.05 अंक गिरकर एक महीने के निचले स्तर 24,968.40 अंक पर बंद हुआ। एक्सिस बैंक के तिमाही नतीजे उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहने से निवेशकों ने बैंक शेयरों को लेकर सतर्क रुख अपनाया। इससे एक्सिस बैंक के शेयर में 5.24% की गिरावट आई। जून तिमाही में बैंक का लाभ 3% घटकर 6,243.72 करोड़ रहा। वहीं, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एसबीआई के शेयर भी गिरावट रही। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और इटर्नल के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और इन्फोसिस के शेयर लाभ में रहे। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,694.31 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की।

● सेंसेक्स में आई 501 अंक की गिरावट निफ्टी 25,000 के स्तर से नीचे पहुंचा

बीएसई स्मालकैप 0.64 और मिडकैप में 0.62% की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.50, बैंकिंग खंड में 1.33 और औद्योगिक खंड में 1.08% की गिरावट देखने को मिली। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 742.74 अंक यानी 0.90% के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी में 181.45 अंक यानी 0.72% की सुस्ती रही।

राष्ट्रीय

एक नजर

इस्लामपुर का नाम महाराष्ट्र सरकार ने किया ईश्वरपुर

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर किया जा रहा है। यह घोषणा राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के अंतिम दिन की गई। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा को बताया कि यह निर्णय गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कैबिनेट के फैसले को मंजूरी के लिए केंद्र को भेजेगी। यह कदम एक हिंदूवादी संगठन शिव प्रतिष्ठान द्वारा सांगली कलेक्टरेट को एक ज्ञापन भेजकर इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर करने की मांग के बाद उठाया गया। शिव प्रतिष्ठान का नेतृत्व संभाजी भिड़े करते हैं, जिनके समर्थकों ने कहा था कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती, वे चैन से नहीं बैठेंगे।

करंट से छात्र की मौत पर प्रधानाध्यापिका निलंबित

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोल्लम जिले में 13 वर्षीय छात्र की करंट लगने से हुई मौत के बाद राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने शुक्रवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधानाध्यापिका को निलंबित करने और स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया। थेवलक्कारा बॉयज़ हाई स्कूल के छात्र मिथुन की स्कूल परिसर में बिजली के तार की चपेट में आने से मौत हो गई। मंत्री ने कहा कि सरकार को शिक्षा महानिदेशक से विस्तृत रिपोर्ट मिल गई है और सरकार तेजी से कार्रवाई कर रही है।

मिजोरम में 36 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

आइजोल। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और असम राइफल्स ने पूर्वी मिजोरम के चम्फाई जिले में 36 .79 करोड़ मूल्य की हेरोइन और मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना पर एनसीबी के अधिकारियों और असम राइफल्स के जवानों ने संयुक्त अभियान चलाया, जिस दौरान उन्होंने 642 ग्राम हेरोइन और 10 .44 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां बरामद कीं।

फिल्म निर्माता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म 'तनु वेड्स मनु' के निर्माता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला खारिज करते हुए कहा कि प्राथमिकी दर्ज करके और पुलिस की मदद लेकर धन की वसूली नहीं की जा सकती। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने शिकायतकर्ता कुणाल जैन द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने के लिए निर्माता शैलेश आर सिंह की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रवैये पर नाराजगी व्यक्त की।

जमानत में अपराध के उल्लेख पर करें विचार

राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से न्यायिक अधिकारी के विरुद्ध की गईं कठोर टिप्पणियां हटाने का सुप्रीम आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि देश के सभी उच्च न्यायालयों को अपने नियमों में ऐसे प्रावधान पर विचार करना चाहिए, जिससे जमानत याचिकाओं में आरोपी को अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा करना अनिवार्य हो जाए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी उस दौरान की जब उसने राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा एक न्यायिक अधिकारी के खिलाफ की गई कठोर टिप्पणियों को हटाने का आदेश दिया। उक्त न्यायिक अधिकारी ने हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी को जमानत दी थी।

● हत्या के प्रयास के आरोपी को न्यायिक अधिकारी ने दी थी जमानत

पीठ ने कहा, हम मानते हैं कि देश के प्रत्येक उच्च न्यायालय को अपने नियमों और/या आपराधिक प्रक्रिया से जुड़े नियमों में ऐसा प्रावधान जोड़ने पर विचार करना चाहिए, जिससे आरोपी पर यह दायित्व आए कि वह अपनी किसी भी पूर्व आपराधिक संलिप्तता की जानकारी दे। बाद में, अदालत ने शिकायतकर्ता की याचिका स्वीकार करते हुए आरोपी की जमानत रद्द कर दी। इसके बाद आरोपी ने उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी और न्यायिक अधिकारी पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने उसके आपराधिक रिकॉर्ड को नजरअंदाज़ करते हुए 'बेहद अनुचित और लापरवाही भरे तरीके' से जमानत दे दी। न्यायिक अधिकारी द्वारा आधिकारिक दस्तावेज के रूप में दर्ज इन टिप्पणियों के खिलाफ अपील करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत अर्जियों पर विचार करते समय अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखना अदालतों के लिए चिंता का विषय है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला दिया गया, जिसमें जमानत में याचिकाकर्ता को उल्लेख करना होगा कि वह किसी मामले में शामिल था या नहीं।

ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का मामला सुप्रीम कोर्ट में

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध सट्टेबाजी और जुए को बढ़ावा देने वाले ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने संबंधी चार जनहित याचिकाओं को कई हाईकोर्ट से गुरुवार को अपने पास स्थानांतरित किया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की पीठ ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की स्थानांतरण याचिका पर यह आदेश पारित किया। यह कंपनी एक ऐसे ही ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का संचालन करती है। पीठ ने आदेश में कई हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं के संबंध में तथ्यात्मक स्थिति का उल्लेख किया।

बीपीएससी अध्यक्ष से जुड़ी याचिका रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) अध्यक्ष के पद पर परमार रवि मनुभाई की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका शुक्रवार को यह कहते हुए रद्द कर दी कि उनके खिलाफ प्राथमिकी बंद हो चुकी है। कोर्ट ने इस याचिका की आलोचना की और याचिकाकर्ता से कहा कि वह इस प्रकार की तथ्यों से रहित याचिकाएं दाखिल नहीं करे। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा व अतुल एस चंदूरकर की पीठ ने कहा, आप जनहित याचिका दाखिल कर रहे हैं, तो आपको अपना सब कुछ झोंकना पड़ता है। प्रचार-प्रसार के चक्कर में न पड़ें, यह आपको बर्बाद कर देगा।

विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह तलाक का आधार

मुंबई, एजेंसी

मुंबई हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली महिला को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना और उस पर विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह करना क्रूरता है, इसलिए यह तलाक का आधार है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने कहा कि महिला के आचरण को उसके पति के प्रति क्रूरता माना जा सकता है। अदालत ने महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने परिवार अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। उक्त आदेश में, पति की तलाक याचिका को मंजूरी दी गई थी। महिला ने याचिका में अपने पति से एक लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ता दिलाने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। इस जोड़े की शादी 2013 में हुई थी, लेकिन दिसंबर 2014 में वे अलग रहने लगे। पति ने क्रूरता के आधार पर तलाक के लिए परिवार अदालत का रुख किया, जिसे मंजूरी मिल गई। महिला ने याचिका में कहा कि वह अब भी पति से प्यार करती है और इसलिए वह संबंध खत्म नहीं करना चाहती।

● मुंबई हाईकोर्ट बोली- पति से संबंध न बनाना क्रूरता

आध्यात्मिक आभा

हरिद्वार में हर की पैड़ी पर श्रावण मास के दौरान आयोजित भव्य गंगा आरती ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में दीप जलाकर मां जाह्नवी की आरती और आराधना करते दिखाई दिए। अमृत विचार

नशा मुक्ति केंद्रों से मादक पदार्थ बेचने के मामले में ईडी का छापा

चंडीगढ़। ईडी ने उत्तर भारत के निजी नशा मुक्ति केंद्रों के जरिए मादक पदार्थ की बिक्री और उससे जुड़े धन शोधन के मामले की जांच के तहत पंजाब तथा मुंबई की कुछ जगहों पर शुक्रवार को छापेमारी की।

संघीय जांच एजेंसी पंजाब पुलिस द्वारा अमित बंसल नामक चिकित्सक, दवा कंपनी, औषधि निरीक्षक और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों के आधार पर जांच कर रही है। बंसल पंजाब में 22 नशा मुक्ति केंद्र संचालित करता है। पंजाब के चंडीगढ़, लुधियाना और बरनाला तथा महाराष्ट्र के मुंबई में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापेमारी की जा रही है। बंसल द्वारा संचालित निजी केंद्रों को सरकार द्वारा यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे मरीजों को बीएनएक्स (ब्यूप्रेनोर्फिन/नालोक्सोन) दवा दें, जिससे वे नशे से छुटकारा पा सकें।

वाड्रा को लेकर राहुल के दिए बयान की भाजपा ने की आलोचना

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने राहुल गांधी के उस बयान की शुक्रवार को आलोचना की, जिसमें कांग्रेस नेता ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई करने का सरकार पर आरोप लगाया था। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस नेता की टिप्पणी दर्शाती है कि उनकी पार्टी अब भी आपातकालीन मानसिकता में विश्वास करती है और न्यायिक प्रक्रिया की परवाह नहीं करती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहीन सिन्हा ने आरोप लगाया कि गांधी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने बहनोई के काले कारनामों से पूरी तरह वाकिफ थे और हो सकता है कि वह इसमें शामिल भी रहे हों। सिन्हा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ हाल ही में की गई टिप्पणी के लिए भी गांधी की आलोचना की।

राहुल ने वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र को राजनीति से प्रेरित बताया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ईडी द्वारा हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद शुक्रवार को उनका खुलकर बचाव किया और कहा कि दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई हो रही है, लेकिन वह अपने बहनोई और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। आखिरकार सत्य की जीत होगी। राहुल ने एक्स पर यह बातें कहीं।

दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेज को मिली बम की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेजों को शुक्रवार सुबह बम से उड़ाने की धमकियां ईमेल से भेजी गईं, जिसके बाद छात्रों और अभिभावकों में दहशत है। यह चौथा दिन है जब स्कूलों को धमकियां मिली हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस और विभिन्न त्वरित प्रतिक्रिया प्राधिकारियों ने तलाश और निकासी अभियान चलाया। धमकियां मिलने पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्तों के साथ अग्निशमन विभाग स्कूलों और कॉलेजों की ओर रवाना हुए। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन तीन कॉलेजों को ऐसी धमकियां मिली हैं, वे हैं इंद्रप्रस्थ (आईपी) महिला कॉलेज, हिंदू कॉलेज और उत्तरी दिल्ली स्थित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी)।

बेंगलुरु के 50 स्कूलों को भी मिली बम की धमकी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के 50 स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी मिली जो जांच के बाद फर्जी मिली। पुलिस ने बताया कि स्कूल में बम वाले ईमेल 50 स्कूलों को सुबह 7 .24 बजे भेजे गए। मेल भेजने वाले ने दावा किया कि उसने संबंधित स्कूलों के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण रखे हैं। ईमेल में कहा गया, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैंने स्कूल के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राईनाइट्रोटोल्यूइन) रखे हैं। उसे काले प्लास्टिक बैग में छिपाया गया है।

ऑटो चालक ने महिला होमगार्ड पर फेंका तेजाब, गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के गांधीनगर जिले में गलत तरीके से ऑटोरिक्शा खड़ा करने पर महिला होमगार्ड द्वारा फटकार लगाने के बाद उसपर तेजाब फेंकने वाले चालक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

गांधीनगर के एसपी रवि तेजा वासमस्टी ने बताया कि गलत तरीके से ऑटोरिक्शा खड़ा करने को लेकर होमगार्ड द्वारा डांटने पर आरोपी अशोक रावत अपने घर से बोतल में तेजाब लाया और महिला पर फेंक दिया, जिससे महिला होमगार्ड मामूली रूप से झुलसी क्योंकि तेजाब की कुछ बूंदें ही उसकी पीठ पर गिरी थीं। महिला होमगार्ड छतर्रल ओवरब्रिज पर तैनात थी और तभी रावत अपने ऑटोरिकशॉ में वहां पहुंचा और वाहन को गलत तरीके से खड़ा कर दिया। रावत की महिला होमगार्ड से बहस हुई। आरोपी घर गया और तेजाब ले लौटा। घायल होमगार्ड को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

विधान भवन में सत्र के दौरान प्रवेश वर्जित

महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में हाथापाई

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शुक्रवार को कहा कि विधानमंडल के सत्र के दौरान विधान भवन में आगंतुकों का प्रवेश वर्जित रहेगा तथा केवल मंत्रियों, विधायकों, आधिकारिक तौर पर नामित उनके निजी सचिवों और सरकारी अधिकारियों को ही अंदर जाने की अनुमति होगी।

नार्वेकर ने विधानसभा में यह घोषणा करते हुए कहा कि सदस्यों को अयोग्य घोषित करने में सक्षम आचार समिति का गठन एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा। उन्होंने विधानसभा में यह घोषणा राकांपा (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के समर्थकों के बीच विधान भवन के अंदर हुई झड़प के एक दिन बाद की। इससे एक दिन पहले, दोनों विधायकों के बीच तीखी बहस हुई थी। उन्होंने विधान भवन के मुख्य सुरक्षा अधिकारी से रिपोर्ट भी तलब की है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सत्र के दौरान आगंतुकों को विधान भवन के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी।

आव्हाड और पडलकर के दो समर्थक गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में एक दिन पहले राकांपा (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा के गोपीचंद पडलकर के समर्थकों में हुई झड़प के सिलसिले में शुक्रवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गुरुवार शाम 5 :45 बजे विधान भवन के भूतल पर आव्हाड और पडलकर के समर्थकों के बीच अप्रिय घटना हुई। यह घटना दोनों नेताओं के बीच हुई तीखी बहस के एक दिन बाद हुई। अधिकारी ने बताया कि आव्हाड के समर्थक नितिन देशमुख और पडलकर के समर्थक सरजेराव उर्फ ऋषिकेश टाकले को मरीन ड्राइव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्हें तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उनके बयान भी दर्ज कर लिए गए हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट के लिए खिलाड़ियों का चयन बना चुनौती

ऋषभ पंत की उंगली में चोट से भारतीय टीम को लगा है बड़ा झटका, ध्रुव जुरेल को किया जा सकता है शामिल

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले लंबे अंतराल के साथ, भारत को ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेने हैं। लॉर्ड्स में एक करीबी मुकाबले में हारने के बाद, पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 2-1 से पिछड़ रही मेहमान टीम को विकेटकीपर ऋषभ पंत की तर्जनी उंगली में चोट लगने से एक बड़ा झटका लगा है। भारत के सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे को उम्मीद है कि 27 वर्षीय पंत ठीक होकर चौथे टेस्ट में खेलेंगे।

डेशकाटे ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहावह (पंत) टेस्ट से पहले मैनचेस्टर में बल्लेबाजी करेंगे। देखिए, मुझे नहीं लगता कि आप ऋषभ को टेस्ट से बाहर रखेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। उन्होंने कहा तीसरे टेस्ट में पंत ने काफी दर्द के साथ बल्लेबाजी की और अब उनकी उंगली के लिए यह और भी आसान होता जाएगा। और 'कीपिंग' निश्चित रूप से इस प्रक्रिया का आखिरी चरण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह 'कीपिंग' कर सकें। हम फिर से उस दौर से नहीं गुजरना चाहते जहां हमें पारी के बीच में ही 'कीपर' बदलना पड़े। लॉर्ड्स में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान चोट लगने के बाद, पंत ने दोनों पारियों में बल्लेबाजी की, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग के लिए लाया गया। डेशकाटे ने कहा जुरेल का नाम भी शामिल है, लेकिन मेरा मतलब है कि अगर ऋषभ फिट होते हैं, तो वह अगला टेस्ट खेलेंगे और दोनों ही भूमिकाएं निभाएंगे।

इयूक्स गेंद के जल्दी 'नरम' होने की होगी जांच, शिकायतों के बाद निर्माता ने कहा

लंदन : भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के दौरान आलोचना का सामना कर रहे 'ड्यूक्स' गेंद की निर्माता कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह गेंद के जल्दी 'नरम (खराब)' होने की गहन समीक्षा करेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की आलोचना के बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के आखिर तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा। बीबीसी स्पोर्ट्स के अनुसार ड्यूक्स का निर्माण करने वाली 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के मालिक दिलीप जाजोदिया ने कहा हम इन (इस्तेमाल हुई) गेंदों को ले जाएंगे, निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम करेंगे। पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के इस्तेमाल के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों के दौरान विलंब भी हुआ। टेस्ट श्रृंखला के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का निर्णय मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है तो वहीं भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा का उपयोग होता है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है लेकिन हाल के वर्षों में टेस्ट और काउंटी क्रिकेट में उसे आलोचना का सामना करना पड़ा है। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन गिल उस गेंद से नाखुश थे जो उन्हें अंपायरों द्वारा दी गई थी।

आईसीसी के अनुसार तेज गेंदबाज बुमराह की उपलब्धता स्पष्ट नहीं

लंदन : चयन के संबंध में एक और महत्वपूर्ण फैसला नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का है। भारत ने बुमराह को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए एजबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए आराम दिया था, और एक आईसीसी रिपोर्ट के अनुसार, मैनचेस्टर टेस्ट के लिए इस तेज गेंदबाज की उपलब्धता स्पष्ट नहीं है। डेशकाटे ने कहा नहीं, हम बुमराह के बारे में मैनचेस्टर में ही फैसला करेंगे। उन्होंने कहा हमें पता है कि हमने उन्हें आखिरी दो टेस्ट मैचों में से एक के लिए टीम में शामिल कर लिया है। यह बिल्कुल साफ है कि मैनचेस्टर में अब सीरीज दांव पर है, इसलिए उन्हें खिलाने की संभावना ज्यादा है। दो टेस्ट मैचों में 12 विकेट लेकर, बुमराह मौजूदा सीरीज में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे मोहम्मद सिराज हैं, जिन्होंने अपने तीन मैचों में 13 विकेट लिए हैं। डेशकाटे ने कहा कि भारत अगले टेस्ट से पहले सिराज के कार्यभार का आकलन कर रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम इस बात को हल्के में लेते हैं कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि हमारे पास ऐसा कोई है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि वह हमेशा वह रिटर्न नहीं देता जिसकी आप एक तेज गेंदबाज से उम्मीद करते हैं, वह शेर जैसा है। जब गेंद उनके हाथ में होती है, तो वह इस गेंदबाजी आक्रमण में जो लाते हैं, उससे हमेशा ऐसा लगता है कि कुछ होने वाला है। डेशकाटे ने कहा वह अपने कार्यभार से पीछे हटने वाले व्यक्ति नहीं हैं, इसलिए हमारे लिए उनके कार्यभार का प्रबंधन करना और यह सुनिश्चित करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए फिट रहें। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में शुरू होगा।

इंग्लैंड के काउंटी ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान रविंद्र जडेजा और मुख्य कोच गौतम गंभीर। ● एजेंसी

जुझारू पारी के लिए भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बने जडेजा

लंदन, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की प्रशंसा करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को अविश्वसनीय जुझारूपन करार दिया जिसके लिए उन्हें टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) का तमगा भी दिया गया।

जडेजा 181 गेंदों पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे लेकिन उनकी इस शानदार पारी के बावजूद भारत तीसरे टेस्ट में 22 रन से हार गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर एक वीडियो जारी किया जिसमें गंभीर ने जडेजा की जमकर तारीफ की है। गंभीर ने 'द एमवीपी फीट रवींद्र जडेजा' शीर्षक वाले वीडियो में कहा यह अविश्वसनीय जुझारूपन था। जड्डू की जुझारू पारी वास्तव में शानदार थी। भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और उसके शीर्ष आठ बल्लेबाज 40 ओवर से भी कम समय तक टिक सके। लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जडेजा ने दृढ़ता से काम किया और पुछल्ले बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर साहस और धैर्य का शानदार परिचय दिया। बुमराह ने 54 गेंदों का सामना करते हुए पांच रन और सिराज ने 30 गेंदों पर चार रन बनाए। भारत 74.5 ओवर में 170 रन पर आउट हो गया। वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने जो धैर्य दिखाया वह वास्तव में काबिले तारीफ है। मैं उन्हें वर्षों से खेलते हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को कैसे निखारा है।

एक नजर

भारत की प्रतीका रावल और इंग्लैंड की टीम पर जुर्माना लगाया गया

दुबई : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रतीका रावल और इंग्लैंड की टीम पर शुक्रवार को साउथम्पटन में खेले गए तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया। रावल पर दो अलग-अलग घटनाओं में लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया। रावल को 18वें ओवर के दौरान इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फाइलर और उसके अगले ओवर में सोफी एक्लेस्टोन के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क बनाने का दोषी पाया गया।

प्रतीका ने कहा, जानबूझकर नहीं किया था नियमों का उल्लंघन

लंदन : भारतीय बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शुक्रवार को आईसीसी द्वारा जुर्माना लगाने और एक डिमेरिट अंक दिए जाने के बाद स्पष्ट किया कि पहले महिला वनडे के दौरान इंग्लैंड की क्रिकेटरों के साथ कंधे से संपर्क 'जानबूझकर नहीं' किया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए रावल पर 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया था और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया था। आईसीसी ने कहा था कि भारतीय बल्लेबाज ने 18वें और 19वें ओवर में इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फाइलर और सोफी एक्लेस्टोन के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क किया था। रावल ने दूसरे वनडे की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा यह जानबूझकर नहीं किया गया था। मैं बस दौड़ रही थी और कंधे से टकराने वाली बात पूरी तरह से अनुचित थी। यह उस अर्थ में जानबूझकर नहीं किया गया था।

ओलिविया स्मिथ बनी दुनिया की सबसे महंगी महिला फुटबॉलर

लंदन : ओलिविया स्मिथ महिला फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं हैं। आर्सेनल ने कनाडा की इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को 10 लाख पाउंड (लगभग 11 करोड़ 57 लाख रुपए) की विश्व रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस पर लिवरपूल से अपनी टीम में शामिल किया। महिला फुटबॉल में यह नई धनराशि जनवरी में सैन डिएगो वेव से नाओमी गिर्मा को अपनी टीम से जोड़ने के लिए चेल्सी द्वारा भुगतान की गई 900,000 पाउंड की राशि को पार कर गयी है। आर्सेनल की महिला फुटबॉल निदेशक क्लेयर व्हीटली ने कहा वह खेल की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और क्लब में आगे बढ़ने की उनमें अपार संभावनाएं हैं। अनुबंध के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस फॉरवर्ड ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय अंडर-31 ब्रिज टीम ने कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली : भारत की अंडर-31 ब्रिज टीम ने 19वीं विश्व युवा टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, जबकि अंडर-16 टीम चौथे स्थान पर रही। इटली के साल्सोमगिओरे में आयोजित टूर्नामेंट का अंतिम दिन बृहस्पतिवार को यह दोनों भारतीय टीमें पोडियम स्थान (शीर्ष तीन) हासिल करने की दौड़ में थीं। अंडर-16 टीम दो करीबी सेटों के बाद सेमीफाइनल प्लेऑफ में फ्रांस से हार गई। यह टीम हालांकि इस प्रतियोगिता के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय टीम बन गई। अंडर-31 टीम ने 'बोर्ड ए मैच' स्पर्धा में 24 प्रतिस्पर्धी टीमों में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। अंडर-16 टीम में प्रखर बंसल, विहा गहरोत्रा, अनन्या मेहता, जशित नारंग, अधियमान जोडिपाचे और अगिलन जोडिपाचे शामिल थे। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे को छह आईएमपी (अंतर्राष्ट्रीय मैच प्वाइंट) से हराया था।

भारत ने श्रीलंका पर जीत के साथ अभियान की शुरुआत की

सोलो (इंडोनेशिया) : भारत ने शुक्रवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में ग्रुप डी के मुकाबले में श्रीलंका को 110-69 से हराकर सकारात्मक तरीके से अपना अभियान शुरू किया। विष्णु कोडे और रेशिका यू की मिश्रित युगल जोड़ी ने 'रिले प्वाइंट प्रणाली' में केनेथ अरुगोडा और इसुरी अट्टानायके पर 11-5 से जीत के साथ भारत की बढ़त की शुरुआत की। इस प्रणाली में एक टीम को मैच जीतने के लिए 110 अंक हासिल करने होते हैं। इसके बाद गायत्री और मनसा रावत बहनों की जोड़ी ने अट्टानायके और सिथुमी डिसिल्वा के खिलाफ भारत की बढ़त को 22-14 तक पहुंचाया और फिर जूनियर विश्व नंबर एक तन्वी शर्मा ने सिथुली रणसिंघे के खिलाफ शानदार शुरुआत करते हुए भारत का स्कोर 33-21 कर दिया।

विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे आडवाणी

मनामा (बहरीन) : तीन बार के चैंपियन पंकज आडवाणी शनिवार से यहां शुरू हो रही विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप में मजबूत भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। पिछले महीने कोलंबो में एशियाई टीम स्नूकर चैंपियनशिप में भारत का नेतृत्व करने के बाद आडवाणी विश्व चैंपियनशिप में भी इसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। आडवाणी को बृजेश दमानी और आदित्य मेहता के साथ वाइल्डकार्ड मिला। टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर आडवाणी ने कहा, ''मैं अभी अपने खेल को लेकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।

एरिगैसी का सेमीफाइनल में प्रवेश प्रज्ञानानंदा खिताब की दौड़ से बाहर

लास वेगास, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर यहां 750,000 डॉलर इनामी फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन आर प्रज्ञानानंदा अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हारकर खिताब की दौड़ से बाहर हो गए।

अर्जुन ने अब्दुसत्तोरोव पर 1.5-0.5 से जीत हासिल की, लेकिन प्रज्ञानानंदा एक कड़े मुकाबले में कारूआना से 3-4 से हार गए। क्वार्टरफाइनल चरण में लेवोन अरोनियन और हंस मोके नीमन की अमेरिकी जोड़ी भी जीत हासिल करने में सफल रही। उन्होंने क्रमशः अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव को हराया। जहां अरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निमन को सिंडारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा। सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला अरोनियन से जबकि नीमन का कारूआना से होगा। निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली। उन्होंने भारत के विदित गुजराती को आसानी से 2-0 से हराया। निचले वर्ग के अन्य मुकाबलों

अर्जुन एरिगैसी। ● एजेंसी

में अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन सैमुअल सेवियन को जबकि लीनियर डोमिनगेज पेरेज ने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबायेवा को 1.5-0.5 के समान अंतर से हराया।

पहले चरण के विजेता जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अमेरिका के ही रॉबसन रे को 2.5-1.5 के अंतर से पराजित किया। अर्जुन ने दोनों ही बाजी में शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। दूसरी बाजी में सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत में ही अपनी स्थिति मजबूत कर ली और फिर अब्दुसत्तोरोव को आसानी से मात दी। इससे पहले पहली बाजी में भी अर्जुन ने बढ़त हासिल की थी, लेकिन बाद में कुछ गलतियों के कारण उज्बेक खिलाड़ी को आधा अंक मिल गया।

यूरो 2025

स्वीडन को हराकर इंग्लैंड पहुंचा सेमीफाइनल में

ज्यूरिख : इंग्लैंड ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके पहले स्कोर बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में स्वीडन को 3-2 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जब निर्धारित समय का खेल समाप्त होने में 12 मिनट का समय बचा था तब गत चैंपियन इंग्लैंड दो गोल से पीछे चल रहा था। उसने लूसी ब्रोंज (79वें) और स्थानापन्न मिशेल अग्येमांग (81वें) के गोल की मदद से स्कोर 2-2 से बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल करके खिताब बचाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इससे पहले कोसोवरे अस्लानी ने स्वीडन को दूसरे मिनट में ही बढ़त दिला दी थी जिसे स्टिना ब्लैकस्टेनियस ने 25वें मिनट में दोगुना कर दिया था। सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना मंगलवार को इटली से होगा।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को रौंदा

हरारे, एजेंसी

मैट हेनरी (तीन विकेट) के बाद डेवोन कॉन्वे (नाबाद 59) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में 37 गेंदे शेष रहते जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हरा दिया।

121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में टिम सीफर्ट (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने मोर्चा संभाला। उन्होंने डेवोन कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में टी मपोसा ने रचिन रविंद्र को आउटकर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई। रचिन ने 19 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाये। इसके बाद डैरिल मिचेल 19 गेंदों में (नाबाद 26) और डेवोन कॉन्वे 40 गेंदों में (नाबाद 59) की जोड़ी ने और कोई विकेट नहीं

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र रन लेते हुए। ● एजेंसी

● **टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराया**

गिरने दिया। न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जिम्बाब्वे की ओर से टी मपोसा और ब्लेसिंग मुजारबानी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 120 रन का स्कोर बनाया। जिम्बाब्वे के लिए वेस्ली मधेवेरे और ब्रायन बेनेट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 37 रन जोडे.। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ब्रायन बेनेट (21) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये क्लाइव मडांडे ने वेस्ली के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में रचिन ने उन्हें आठ रन पर स्टंप आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सका।

भारत 'ए' हॉकी टीम यूरोपीय दौरे पर बेल्जियम से हारी

एंटवर्प (बेल्जियम) : भारतीय 'ए' पुरुष हॉकी टीम को यहां यूरोपीय दौरे पर मेजबान बेल्जियम के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत 'ए' के लिए कप्तान संजय ने बृहस्पतिवार को हुए इस मैच का इकलौता गोल किया। बेल्जियम ने अपने तीनों गोल पहले क्वार्टर में ही दाग दिए थे। भारत ने शुरुआती क्वार्टर के बाद मैच में अच्छी वापसी करते हुए गेंद पर अधिक कब्जे के साथ बेल्जियम पर दबाव बनाये रखा। टीम ने इस दौरान गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाये लेकिन उसे एकमात्र सफलता आखिरी क्वार्टर में मिली।

भारत 'ए' के कोच शिवेंद्र सिंह ने मैच के बाद कहा हमने खराब शुरुआत होने के बावजूद, कुल मिलाकर अच्छा प्रदर्शन किया। हमारी टीम जल्दी पिछड़ने के बावजूद वापसी करने और दूसरे हाफ में मैच पर मजबूत पकड़ बनाने में सफल रही। हमने इस दौरान कई मौके बनाए, हमें उन मौकों को गोल में बदलने के मामले पर सुधार करना होगा। भारतीय टीम अब शुक्रवार (18 जुलाई) और रविवार (20 जुलाई) को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी। शिवेंद्र ने कहा हमें अब विश्व की नंबर एक टीम के खिलाफ खेलना है। इन खिलाड़ियों के करियर के लिए यह अनुभव काफी मायने रखेगा।

इगा स्वियाटेक ने हासिल कीं कई अविश्वसनीय उपलब्धियां

वारसॉ, एजेंसी

● **इस वर्ष छठा ग्रैंड स्लैम और पहला विंबलडन खिताब जीत देश के लिए रचा इतिहास**

● **तीनों सतहों क्ले, हार्ड और ग्रास पर ग्रैंड स्लैम जीतने वाली एकमात्र हैं सक्रिय महिला**

पोलैंड की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने विंबलडन का खिताब जीतकर कई अविश्वसनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इगा स्वियाटेक ने इस साल ऑल इंग्लैंड क्लब में अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम और पहला विंबलडन खिताब जीता और इस दौरान कई तरह उपलब्धियां हासिल की। इगा स्वियाटेक तीनों सतहों 'क्ले, हार्ड और ग्रास' पर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला हैं।

उन्होंने 2020, 2022, 2023 और 2024 में रौलां गैरो में क्ले कोर्ट पर चार, 2022 में यूएस ओपन में हार्ड कोर्ट पर एक और अब 2025 में विंबलडन में ग्रास कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता है।

24 वर्षीय स्वियाटेक अमेरिका की सेरेना विलियम्स के बाद तीनों सतहों पर मेजर खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं।

सेरेना 20 साल की थीं जब उन्होंने 2002 में विंबलडन (ग्रास कोर्ट पर) में अपना सरफेस स्लैम पूरा किया था। इससे पहले उन्होंने 1999 में यूएस ओपन (हार्ड कोर्ट पर) और 2002 में रौलां गैरो (क्ले कोर्ट पर) जीता था। वह तीन अलग-अलग तरह के टूर्नामेंट जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। वह अभी तक ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब नहीं जीत पाई हैं। अब उनके पास इस सदी में किसी महिला टेनिस खिलाड़ी द्वारा जीते गए चौथे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने मारिया शारापोवा, जिन्होंने पांच ग्रैंड स्लैम जीते थे, को पीछे छोड़ा है। वह अब केवल सेरेना (जिन्होंने इस सदी में अपने 23 में से 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं), वीनस विलियम्स (जिन्होंने सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) और जस्टिन हेनिन (जिन्होंने भी सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) से पीछे हैं। 2018 में जूनियर वर्ग जीतने के बाद, इगा ओपन एरा में विंबलडन में लड़कियों और महिलाओं दोनों का खिताब जीतने वाली केवल चौथी महिला हैं।

वह मार्टिना हिंगिस (1994 और 1997), एमिली मौरेस्मो (1996 और 2006) और एश्ले बार्टी (2011 और 2021) के साथ उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गईं। वह पिछले चार वर्षों से, 2022 से 2025 तक, हर साल कम से कम एक खिताब जीत रही हैं और ऐसा करने वाली एकमात्र महिला हैं।

इगा स्वियाटेक।

भगदड़ मामले में आरसीबी पर अभी नहीं होगी कार्रवाई

बेंगलुरु, एजेंसी

● कर्नाटक मंत्रिमंडल ने किया पहले रिपोर्ट के और अध्ययन का फैसला

कर्नाटक सरकार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल जीत समारोह के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई पर अपना फैसला टाल दिया है। इस आयोजन के दौरान 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा घायल हो गए थे।

मंत्रिमंडल को हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जॉन माइकल कुन्हा की दो खंडों वाली अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई, लेकिन कार्रवाई करने से पहले इसका और अध्ययन करने का निर्णय लिया गया। कानून मंत्री एचके पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, कैबिनेट को रिपोर्ट मिल गई है। हम अगली बैठक में इसका अध्ययन करेंगे और निर्णय लेंगे।

आरसीबी, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आयोजक डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स के खिलाफ आरोपों पर विचार किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इससे पहले 12 जून को हाईकोर्ट को सौंपी रिपोर्ट में आयोजकों पर पुलिस मंजूरी के बिना कार्यक्रम करने और सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी का आरोप लगाया था।

विमान हादसे के पीड़ितों के लिए बना 500 करोड़ रुपये का कल्याण ट्रस्ट

नई दिल्ली। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये का कल्याणकारी ट्रस्ट स्थापित किया है।

'एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट' का पंजीकरण मुंबई में कराया गया है। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने इसे 250-250 करोड़ रुपये का योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें मारे गए लोगों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देना भी शामिल है। ट्रस्ट के उद्देश्यों में हादसे में गंभीर घायलों के इलाज का खर्च और क्षतिग्रस्त हुए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए सहायता भी शामिल होगी।

सैकड़ों में तादाद, दुनिया का चैन हराम

आतंकवादी संगठन

अमेरिका की ओर से पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करना अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के नजरिए से काफी अहम है। इसे एक कूटनीतिक और रणनीतिक कदम माना जा सकता है, जिससे पाकिस्तान आधारित आतंकी गतिविधियों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्रित होगा। साथ ही भारत की सुरक्षा चिंताओं को वैश्विक मंच पर समर्थन मिलने और ऐसे संगठनों के खिलाफ बहुपक्षीय कार्रवाई की राह खुलने की उम्मीद है। हालांकि दुनिया में ऐसे तमाम संगठनों को आतंकी संगठन घोषित किया जा सकता है जिन्होंने तमाम देशों का चैन हराम कर रखा है।

क्या है ऐसी घोषणा का महत्व

- अमेरिका का किसी संगठन को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस संगठन की निंदा का संकेत होता है जो दिखाता है कि यह संगठन वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा है।
- टीआरएफ को पाकिस्तान में स्थापित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा माना जाता है। इसे आतंकी घोषित करने से पाकिस्तान पर दबाव बढ़ेगा कि वह इस संगठन पर सख्त कार्रवाई करे।
- टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करने के बाद अमेरिका में उसकी संपत्ति जब्त की जा सकती है। इनसे जुड़े किसी व्यक्ति या संस्था को अमेरिका में वित्तीय लेनदेन करने की अनुमति नहीं होती।

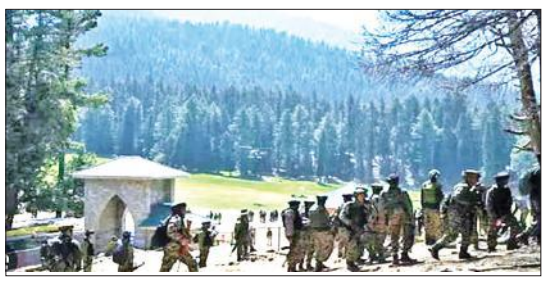

पाकिस्तानी मूल के संगठन

संयुक्त राष्ट्र की सूची में 10 से 12 और अमेरिकी एफटीओ की सूची में 14 से 16 संगठन पाकिस्तान आधारित हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हक्कानी नेटवर्क, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, अल-बदर और हाल ही में टीआरएफ हाल ही में शामिल हुआ है।

हर देश की आतंकी संगठनों की अपनी सूची

- भारत अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट के तहत आतंकी संगठनों को सूचीबद्ध करता है।
- अमेरिका फॉरेन टेररिस्ट ऑरगेनाइजेशन और स्पेशली डेजिगनेटेड ग्लोबल टेररिस्ट के तहत।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वैश्विक आतंकी सूची सभी सदस्य देशों के लिए मान्य होती है।
- सिर्फ संयुक्त राष्ट्र की घोषणा ही बाध्यकारी होती है। बाकी घोषणाएं घरेलू हितों पर आधारित।

आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई

- कानूनी तौर पर ऐसे संगठनों की संगठन की संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं। उनकी सदस्यता, सहयोग, प्रचार या फंडिंग देना अपराध बन जाता है।
- ऐसे संगठन के किसी सदस्य को वीजा या देश में प्रवेश नहीं दिया जाता। संगठन से जुड़े लोगों पर अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकते हैं।
- संरक्षण देने वाले देश पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनता है। अन्य देश भी सहयोगी कदम उठाते हैं, जैसे यूरोपीय यूनियन या ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रतिबंध लगाना।

दुनिया भर में ऐसे सैकड़ों संगठन

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से 60 से ज्यादा संगठनों को आतंकवादी घोषित किया गया है।
- अमेरिका ने जुलाई 2025 तक 70 से अधिक संगठनों को एफटीओ के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- भारत ने 50 से अधिक संगठनों पर अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट के तहत प्रतिबंध लगाया है।

एक नजर

आईआईटी खड़गपुर का छात्र फंदे पर लटका

कोलकाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में चौथे वर्ष के छात्र रितम(21) मंडल अपने होस्टल के कमरे में फांसी पर लटके पाए गए। पुलिस ने बताया कि आईआईटी के राजेन्द्र प्रसाद परिसरमें होस्टल के कमरा संख्या 203 में रितम को लटका हुआ पाया गया। आईआईटी अधिकारियों ने सुबह 11 इसकी सूचना हिजली पूलिस चौकी को दी। छात्र को बीसी राय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसे लाए जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस का मानना है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है।

मीरवाइज ने लगाया फिर नजरबंद करने का आरोप

श्रीनगर। कश्मीर के मुख्य मौलवी एवं हुर्रियत अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने आरोप लगाया कि उन्हें लगातार दूसरे शुक्रवार को नजरबंद कर दिया गया और उनके आवास तक पहुंचने के सभी रास्तों पर बैरिकेड लगा दिया गया है। मीरवाइज ने एक्स पर पोस्ट में कहा, लगातार दूसरे शुक्रवार को भी मैं घर में नजरबंद हूं। मेरे घर की हर गली में बैरिकेड लगा दिया गया है जिससे पूरे मोहल्ले के लोगों को असुविधाएं झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा, मैं हुक्मरानों को स्पष्ट कर दूं कि हमारे शहीदों की यादों को वे नियंत्रित नहीं कर सकते। वे हमारे दिलों में बसती हैं।

एक दिन के स्थगन के बाद अमरनाथ यात्रा फिर शुरू

जम्मू। कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण एक दिन के लिए स्थगित अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को फिर शुरू हो गई। 7,900 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू से दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर के दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ और पुलिस सुरक्षा में 7,908 तीर्थयात्रियों का 16वां जत्था 261 वाहनों से भगवती नगर आधार शिविर से तड़के साढ़े तीन बजे से चार बजकर 25 मिनट के बीच रवाना हुआ।

जर्मनी ने 81 अफगान नागरिकों को वापस भेजा

बर्लिन। जर्मनी ने निर्वासित किये गये दर्जनों अफगान नागरिकों को शुक्रवार को उनके मूल देश वापस भेज दिया। जर्मनी में नई सरकार द्वारा प्रवासन पर सख्त रुख अपनाये जाने के बाद पहली बार और अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद दूसरी बार ऐसा हुआ है। गृह मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार सुबह रवाना हुई उड़ान में 81 अफगान नागरिकों को वापस भेजा गया। ये सभी पुरुष हैं और पहले से ही न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा चुकी थी।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के प्रमुखों को गाजा नहीं आने दे रहा इजराइल

मानवाधिकार समेत तीन एजेंसियों के प्रमुखों का नहीं किया वीजा नवीनीकरण

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

इजराइल ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र के कम से कम तीन एजेंसियों के प्रमुखों के वीजा का नवीनीकरण करने से इनकार कर दिया है। फरवरी 2025 के बाद वे गाजा नहीं जा पाए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार एजेंसी प्रमुख ने इसके लिए युद्ध प्रभावित क्षेत्र में फलस्तीनी नागरिकों की रक्षा से जुड़े उनके काम को कारण बताया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने पुष्टि की कि मानवाधिकार मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, मानवाधिकार एजेंसी ओएचसीएचआर और गाजा में फलस्तीनियों की सहायता करने वाली एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए के स्थानीय नेताओं के वीजा का हाल के महीनों में नवीनीकरण नहीं किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार मामलों के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने सुरक्षा परिषद को बताया कि संयुक्त राष्ट्र का मानवीय अधिदेश केवल जरूरतमंद नागरिकों को सहायता प्रदान करना और अपने कर्मचारियों द्वारा देखी गई घटनाओं की रिपोर्ट करना ही नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की वकालत करना भी है। उन्होंने कहा, हमारे वकालत के अधिदेश और सहायता पहुंचाने के बीच तनाव गाजा से अधिक कहीं नहीं है। इजराइल का वीजा नवीनीकरण नहीं करना या उसकी अवधि कम किया जाना स्पष्ट रूप से नागरिकों की सुरक्षा संबंधी हमारे काम के जवाब में है।

हमास से साठगांठ का आरोप लगाता रहा है इजराइल

इजराइल हमास के दक्षिणी इजराइल में 7 अक्टूबर 2023 के अचानक हमले से पहले से ही संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की तीखी आलोचना करता रहा है। इजराइल उस पर हमास के साथ मिलीभगत करने और इजराइल विरोधी नफरत फैलाने का आरोप लगाता रहा है, जिसका यूएनआरडब्ल्यूए पुरजोर खंडन करता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके दक्षिणपंथी सहयोगियों ने दावा किया है कि यूएनआरडब्ल्यूए में हमास की गहरी घुसपैठ है और इसके कर्मचारियों ने 7 अक्टूबर के हमलों में हिस्सा लिया था। इजराइल ने औपचारिक रूप से यूएनआरडब्ल्यूए को अपने क्षेत्र में काम करने से प्रतिबंधित कर दिया है।

सीरिया पर इजराइली हमले पर अरब देशों और तुर्की ने जताई नाराजगी

इस्तांबुल। अरब देशों और तुर्की ने शुक्रवार को सीरिया की सुरक्षा, एकता, स्थिरता और संप्रभुता के लिए अपना समर्थन दोहराया और उसके आंतरिक मामलों में किसी भी तरह के विदेशी हस्तक्षेप को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने इजराइल की ओर से बार-बार किए गए हमलों की भी निंदा की। यह बयान संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब, इराक, ओमान, कतर, कुवैत, लेबनान, मिस्र और तुर्की के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त रुप से जारी किया। सऊदी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस संयुक्त बयान में मंत्रियों ने सीरिया की सुरक्षा, स्थिरता और संप्रभुता के लिए समर्थन दोहराया गया और उसके आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर दृढ़ अस्वीकृति जताई गई। इसमें कहा गया है कि वे सीरियाई अरब गणराज्य पर बार-बार होने वाले इजराइली हमले अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन और सीरिया की संप्रभुता पर खुला हमला है।

ओली ने कहा, सही समय पर करूंगा भारत की यात्रा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने कहा है कि वह उचित समय पर भारत की यात्रा करेंगे और उनकी यात्रा को लेकर दोनों पक्ष जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी भारत यात्रा के समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

● **भारत के साथ संबंधों में खटास की अटकलों के बीच बयान**

भारत यात्रा के बारे में ओली की यह टिप्पणी स्थानीय मीडिया की ओर से लगाई जा रही इन अटकलों के बीच आई है कि प्रधानमंत्री को नयी दिल्ली से आधिकारिक यात्रा के लिए कोई निमंत्रण नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत के साथ उनके संबंधों में खटास आ गई है। ओली ने बृहस्पतिवार देर रात नेपाली यूट्यूब चैनल 'दिशानिर्देश टीवी' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, मैं संभवतः भारत की यात्रा पर जाऊंगा। मेरी भारत यात्रा दोनों पक्षों की ओर से आवश्यक जमीनी कार्य पूरा करने के बाद होगी।

विशेष अदालतें न बनाई तो रिहा करना पड़ेगा एनआईए यूएपीए के आरोपियों को

नई दिल्ली, एजेंसी

● **सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को निर्देशों को नजरंदाज करने पर लगाई फटकार**

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विशेष कानूनों के तहत दर्ज मामलों के लिए अदालतें स्थापित नहीं करने के लिए केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने चिंता जताते हुए कहा, इससे आरोपियों को जमानत देने के लिए अदालतें मजबूर होंगी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि यदि सरकार एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत त्वरित सुनवाई के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे वाली अदालतें स्थापित करने में विफल रहती है, तो अदालत को अनिवार्य रूप से आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा क्योंकि समयबद्ध तरीके से मुकदमे को पूरा करने के लिए कोई प्रभावी तंत्र नहीं है।

पीठ ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजकुमार भास्कर ठाकरे से कहा कि मौजूदा अदालतों को विशेष अदालतें नामित करना उच्च न्यायालय को उन्हें पुनः 'रीलेबल' करने के लिए मजबूर करने के समान है। पीठ ने कहा, हम इस बात से संतुष्ट हैं कि एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने के लिए कोई प्रभावी या प्रत्यक्ष कदम नहीं उठाए गए हैं।

विशेष कोर्ट के लिए देनी पड़ेंगी अलग सुविधाएं

पीठ ने कहा कि विशेष अदालतों के लिए वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, अदालत कक्ष और बुनियादी सुविधाओं के लिए पदों का सृजन करना होगा। उसके आदेशों के विपरीत, यह धारणा बनाई गई कि एनआईए अधिनियम के तहत मौजूदा अदालत को विशेष अदालत के रूप में नामित करना निर्देशों का पर्याप्त अनुपालन होगा। पीठ ने कहा कि अदालतों को विशेष अदालतों के रूप में नामित करना या एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत मौजूदा अदालतों को विशेष सुनवाई सौंपना, जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों और वृद्ध कैदियों, समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों की कीमत पर होगा।

बीएसएफ ने अमृतसर सीमा पर छह पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराया

जालंधर, एजेंसी

● ड्रग तस्करी का मामला, गिराए गए सभी ड्रोनों से 2.340 किलो हेरोइन बरामद

पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में पिछले कुछ घंटों के दौरान चलाए गए अभियानों में बीएसएफ ने छह पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराया और कुल मिलाकर 2.340 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए, सतर्क बीएसएफ जवानों ने कल रात अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में कई घटनाओं में 6 पाकिस्तानी ड्रोन और संदिग्ध हेरोइन के 4 पैकेट बरामद किए। उन्होंने कहा कि गुरुवार की रात के समय, ड्यूटी पर तैनात सतर्क बीएसएफ जवानों ने अमृतसर सीमा पर लगातार ड्रोन घुसपैठ को रोका। त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए, सीमा पर तैनात तकनीकी प्रतिरोधक उपायों को सक्रिय किया गया, जिससे पाकिस्तान की ओर से आने वाले हर नार्को ड्रोन को बिना किसी त्रुटि के निष्क्रिय कर दिया गया।

अरुणाचल प्रदेशः हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में सुरक्षाबलों ने एक तलाशी अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान में मियाओ-विजयनगर क्षेत्र में छह हथियार और गोला-बारूद जब्त किए। अभियान के दौरान विशेष टीमों, विशिष्ट तकनीकी उपकरणों और खोजी कुत्तों को तैनात किया गया था। अधिकारी ने बताया कि जब्त हथियारों के स्त्रोत और मकसद का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा की फांसी पर लगी रोक : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि यमन में हत्या के जुर्म में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को सूचित किया गया कि प्रिया की फांसी पर रोक लगा दी गई है। उसे 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी। याचिकाकर्ता संगठन 'सेव निमिषा प्रिया- इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' के वकील ने पीड़ित परिवार से बातचीत के लिए यमन जाने के वास्ते केंद्र से एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकार के समक्ष अपना पक्ष रख सकता है।

लोक कला

मध्य प्रदेश के लोक कलाकार जयपुर में राज्य के पर्यटन संवर्धन कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते हुए। हर साल यहां पर्यटन विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम होते हैं जिनमें कई राज्यों के लोक कलाकार शामिल होते हैं। पर्यटक इन कार्यक्रमों का खूब लुत्फ उठाते हैं। एजेंसी

यूक्रेन के समर्थन में ब्रिटेन और ईयू ने रूस पर लगाए नए प्रतिबंध

ब्रसेल्स, एजेंसी

● ऊर्जा क्षेत्र और पुराने तेल टैंकरों के बेड़े को बनाया निशाना

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने रूस पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़ाते हुए मॉस्को के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और सैन्य खुफिया सेवा के कर्मियों को शुक्रवार को नए प्रतिबंधों से निशाना बनाया।

ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा, संदेश साफ है, यूरोप यूक्रेन का समर्थन करने में पीछे नहीं हटेगा। यूरोपीय संघ तब तक दबाव बढ़ाता रहेगा, जब तक रूस अपना युद्ध समाप्त नहीं कर देता। कालास की यह टिप्पणी यूरोपीय संघ के तेल की कीमतों पर नयी सीमा लागू करने सहित अन्य नये उपायों पर सहमति जताने के बाद आई। उन्होंने कहा कि यह तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध के संदर्भ में रूस के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध पैकेज है। ये पैकेज ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय देश यूक्रेन के लिए अमेरिकी हथियार खरीदना शुरू कर रहे हैं, ताकि देश अपनी सुरक्षा बेहतर ढंग से कर सके।

भारत ने कहा, दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यूरोपीय संघ द्वारा रूस पर, विशेष रूप से उसके ऊर्जा व्यापार पर, नए दंडात्मक उपायों की घोषणा के जवाब में कहा कि भारत किसी भी एकतरफा प्रतिबंध उपायों का समर्थन नहीं करता है। ईयू के रूस पर नए प्रतिबंधों की घोषणा में भारत की रॉसनेफ्ट रिफाइनरी का भी नाम शामिल है।

लॉस एंजिलिस के शेरिफ कार्यालय में धमाका, 3 की मौत

लॉस एंजिलिस। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने कहा है कि लॉस एंजिलिस काउंटी के शेरिफ विभाग (कानून प्रवर्तन एजेंसी) के प्रतिष्ठान में हुए धमाके में कम तीन लोगों की मौत हो गई है।

शुक्रवार सुबह प्रतिष्ठान में एक विस्फोट होने की सूचना है। लॉस एंजिलिस काउंटी के शेरिफ विभाग ने किसी भी मौत की पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध का अभी जवाब नहीं दिया है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम के कार्यालय ने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी दे दी गई है। लॉस एंजिलिस काउंटी के अग्निशमन विभाग ने कहा कि उसने सुबह लगभग 7.30 बजे एक संभावित विस्फोट के बारे में मिली फोन कॉल पर प्रतिक्रिया दी।

चेतावनी आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा, कृषि क्षेत्र में आयात को छूट से भारतीय किसानों को होगा बड़ा नुकसान

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में बहुत सतर्कता की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● भारत ने अब तक कृषि और डेरी क्षेत्र में अपने किसी व्यापारिक साझेदार को नहीं दी हैं रियायतें

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत के दौरान भारत को खासकर कृषि क्षेत्र को लेकर बहुत सतर्क रहने और सूझबूझ के साथ काम करने की जरूरत है।

राजन ने एक बातचीत में कहा कि विकसित देश कृषि क्षेत्र को काफी सब्सिडी देते हैं और यह हमें ध्यान रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर फिलहाल छह-सात प्रतिशत के दायरे में स्थिर हो गई है। हालांकि वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के चलते इसमें थोड़ी गिरावट हो सकती है। राजन ने कहा, कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापार समझौते काफी जटिल हो जाते हैं क्योंकि हर देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देता है। भारत के उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हैं और उन्हें कम सब्सिडी मिलती है। ऐसे में यदि कृषि उत्पादों का निर्बाध आयात होने लगे तो इससे हमारे किसानों को नुकसान हो सकता है।

अमेरिका से बातचीत में कृषि क्षेत्र में आयात बड़ा मुद्दा

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर इस सप्ताह वाशिंगटन में पांचवें दौर की बातचीत हुई है। भारत अमेरिकी प्रशासन की तरफ से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाए जाने की मांग कर रहा है। इसके अलावा भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम पर लगे 50 प्रतिशत और वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क से राहत देने की मांग रखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता इंडोनेशिया के साथ हुए समझौते की तर्ज पर ही होगा। इसका मतलब है कि कृषि क्षेत्र में आयात की अनुमति देना एक अहम मुद्दा बनने जा रहा है। भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों को आयात रियायत दिए जाने की अमेरिकी मांग पर अपना रुख कड़ा किया हुआ है।

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने सुझाव दिया कि विकसित देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देकर दुग्ध उत्पादों जैसे क्षेत्रों में मूल्यवर्धन को बढ़ाया जा सकता है, जिससे देश के दुग्ध उत्पादकों को फायदा होगा। राजन ने कहा, इसके बजाय हमें यह नहीं कहना चाहिए कि हम अन्य देशों से अधिक दूध के आयात का स्वागत करते हैं, बल्कि हमें समझदारी से रणनीति बनानी चाहिए। इस समय शिकागो बूथ (शिकागो विश्विद्यालय) में वित्त के प्रोफेसेर राजन ने कहा, इस सबके लिए बहुत सतर्क रहने और बहुत सूझबूझ के साथ बात करने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार के अधिकारी इसी काम में लगे हुए हैं।

भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में अपने साझेदार को कृषि एवं डेरी क्षेत्र में शुल्क रियायतें नहीं दी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अमेरिका की ओर से लगाए गए अतिरिक्त शुल्कों के मुकाबले कुछ अधिक अवसर भी मिल सकते हैं। यदि अमेरिका द्वारा चीन या अन्य एशियाई देशों पर शुल्क भारत से ज्यादा हैं, तो कुछ विनिर्माण गतिविधियां भारत का रुख कर सकती हैं। राजन ने कहा कि भारत ने कुछ क्षेत्रों में संरक्षणवादी रवैया अपनाया है, लेकिन उन क्षेत्रों में उचित प्रतिस्पर्धा लाने और शुल्कों में कटौती से अर्थव्यवस्था को लाभ मिल सकता है।